सत्यमेव जयते

वार्षिक रिपोर्ट

2020-21



nidm

Resilient India - Disaster free India

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

(गृह मंत्रालय, भारत सरकार)

वार्षिक रिपोर्ट
2020-21

Resilient India - Disaster free India

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

(गृह मंत्रालय, भारत सरकार)

प्लॉट नं. 15, पॉकेट 3, ब्लाक बी, सेक्टर–29, रोहिणी, नई दिल्ली-110042

वेबसाइट : www.nidm.gov.in

वार्षिक रिपोर्ट एनआईडीएम 2020-21

© एनआईडीएम, नई दिल्ली

संपादक
मेजर जनरल मनोज कुमार बिन्दल
वी एस एम
कार्यकारी निर्देशक, एनआईडीएम

प्रकाशक
राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
(गृह मंत्रालय, भारत सरकार)
प्लॉट नं. 15, पॉकेट 3, ब्लाक बी,
सेक्टर–29, रोहिणी, नई दिल्ली-110042
वेबसाइट : www.nidm.gov.in

nidm
Resilient India - Disaster free India

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

दृष्टिकोण

"भारत में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन पर प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए एक प्रमुख संस्थान बनना और क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी संस्थानों में से एक के रूप में पहचान स्थापित करना। सभी स्तरों पर आपदा निवारण और तैयारी की संस्कृति को विकसित करना और उसे बढ़ावा देकर आपदा–मुक्त भारत बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास करते रहना।"

विषय सूची

क्रम सं.	विषय		पृष्ठ सं.
1.	**सिंहावलोकन**		1-5
	1.1	संस्थान के बारे में	3
	1.2	प्रबंधन संरचना	3
	1.3	परिकल्पना	3
	1.4	मिशन	4
	1.5	कार्य	4
	1.6	प्रमुख क्षेत्र	5
2.	**संगठनात्मक व्यवस्था**		7-14
	2.1	संगठनात्मक ढांचा	9
	2.2	सामान्य प्रशासन	13
	2.3	हिंदी का प्रगामी प्रयोग	14
3.	**प्रशिक्षण कार्यक्रम**		15-23
	3.1	उद्देश्य	17
	3.2	प्रशिक्षण कार्यक्रम	18
	3.3	प्रशिक्षण विधि	18
	3.4	प्रतिभागियों का विवरण	19
	3.5	ई-लर्निंग	19
	3.6	इंटर्नशिप कार्यक्रम	23
4.	**परियोजनायें**		25-55
	4.1	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की राष्ट्रीय कृषि आपदा प्रबंधन योजना	27
	4.2	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम)-विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी)	29
	4.3	एनआईडीएम-यूनिसेफ	30

	4.4	बहु-जोखिम पर्यावरण में समुत्थानशीलता और सतत विकास के लिए जलवायु अनुकूली योजना (सीएपी-आरईएस)	31
	4.5	सीएमपी-डब्ल्यूबी परियोजना	38
	4.6	आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए भारत विश्वविद्यालय और संस्थान नेटवर्क (आईयूआईएन) (आईयूर्आईएनडीआरआर-एनआईडीएम)	41
	4.7	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर), एनआईडीएम (वर्ष 2020-21)	43
	4.8	एचईआर-सीएपी परियोजना	46
	4.9	एनईएफसी-डीएमपी परियोजना	50
	4.10	अवसंरचना (रोहिणी और दक्षिणी परिसर)	52
5.	**ज्ञान प्रबंधन और जागरुकता गतिविधियाँ**		57-74
	5.1	भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन)	59
	5.2	एनआईडीएम प्रशिक्षु डाटाबेस	61
	5.3	सूचना प्रसार	61
6.	**वेबिनार**		75-108
7.	**वित्त और लेखा**		109-129
8.	**अनुलग्नक**		131-152
	8.1	अनुलग्नक-I : संस्थान के साधारण निकाय के सदस्यों की सूची	133
	8.2	अनुलग्नक-II : संस्थान के शासी निकाय के सदस्यों की सूची	136
	8.3	अनुलग्नक-III : एनआईडीएम द्वारा वर्ष 2020-21 के दौरान आयोजित किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची	137

Resilient India - Disaster free India

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
(गृह मंत्रालय, भारत सरकार)

National Institute of Disaster Management
Ministry of Home Affairs, Govt. of India
Plot No. 15, Block B, Pocket 3, Sector 29, Rohini, New Delhi 110042

मेजर जनरल मनोज कुमार बिन्दल
वी एस एम
कार्यकारी निदेशक



कार्यकारी निदेशक के लेखन पटल से

विश्व स्तर पर, एक विनाशकारी महामारी ने 2020 में मानवता को अस्त-व्यस्त कर दिया। इस वर्ष, हम सभी ने ऐसी अभूतपूर्व आपदाओं का सामना किया है जिन्होंने हमारे स्वास्थ्य और सामान्य जीवन को चुनौती दी। मुझे एहसास है कि हर किसी ने इसके प्रभाव को अलग तरह से महसूस किया है, और मेरा दिल उन लोगों के लिए भारी है जिन्हें क्षति या त्रासदी को सहना पड़ा।

कोविड-19 महामारी ने हम सभी को झकझोर कर रख दिया है, और हम सभी को इस बात पर विचार करने के लिए बाध्य कर दिया कि भविष्य में समुत्थानशीलता में व्यापक वृद्धि के लिए इस अनुभव का उपयोग कैसे किया जाए। कोविड-19 से निपटने के तरीके पर ध्यान केंद्रित करने के अतिरिक्त, सरकार को अनेक आपदाओं का एक साथ प्रबंधन करने के लिए भी तैयार रहने की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि समुदाय अतिव्यापी संकटों से निपटने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं। वैश्विक महामारी का प्रत्युत्तर देते हुए और ऐसी प्रतिकूल परिस्थितियों में, हमारे देश ने चक्रवात, भूस्खलन और आग जैसी आपदाओं का भी सामना किया।

जैसे-जैसे महामारी फैली है, डिजिटल माध्यमों ने हमें भौगोलिक सीमाओं से बाधित हुए बिना अपने कार्यों को निष्पादित करने में सहायता दी। इस समय के दौरान, संगठनों और संस्थानों ने व्यवसाय निरंतरता योजनाओं को विकसित और कार्यान्वित किया। रणनीतिक रूप में स्वयं को स्थापित करने के लिए वित्त वर्ष (2020-21) के दौरान, एनआईडीएम ने इन सिद्धांतों को दीर्घकालिक, सतत विकास के लिए लागू किया। व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, वैज्ञानिक आधुनिक शिक्षाशास्त्र को अपनाकर और प्रशिक्षण मैनुअल, संसाधन व्यक्तियों के लिए दिशानिर्देश और प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करके अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सुधार का एनआईडीएम निरन्तर प्रयास कर रहा है।

संकट काल के दौरान, संस्थान ने संकट के प्रबंधन और महामारी के दौरान मजबूत बने रहने में विभिन्न समुदायों की सहायता करने के लिए वेबिनार, कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की।

वार्षिक रिपोर्ट, कोविड-19 महामारी के संदर्भ में आपदा समुत्थानशीलता, जलवायु अनुकूलन और कृषि पर प्रभावों सम्बंधी गतिविधियों और कार्यक्रमों की एक झलक प्रस्तुत करती है। एनआईडीएम ने संस्थान द्वारा संचालित कार्यों को नई अंतर्दृष्टि के साथ बढ़ावा देने और इसे समाज के विभिन्न वर्गों तक ले जाने के लिए पहल की और इसे प्रोत्साहन दिया।

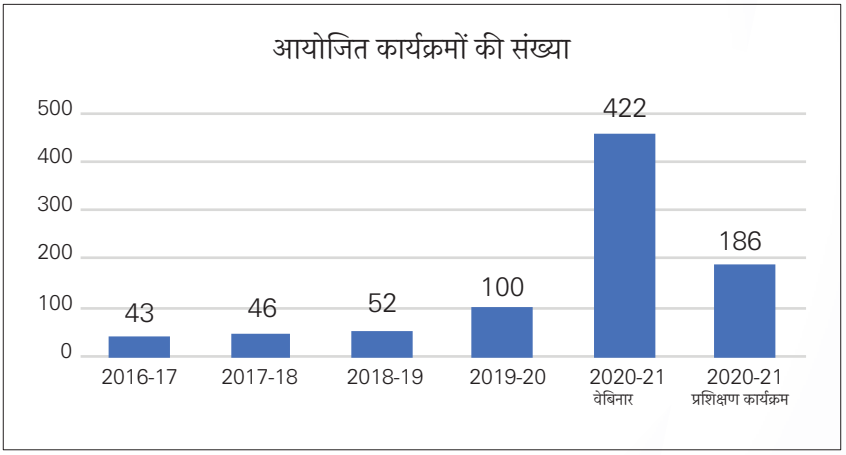
MKBindal

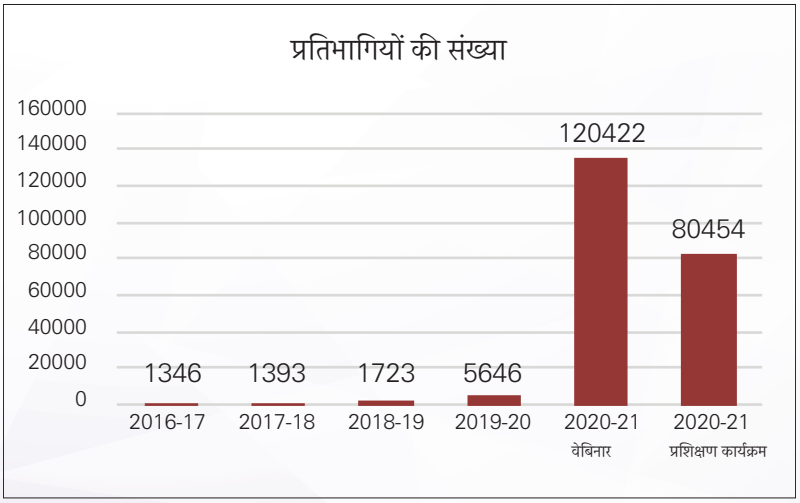
मेजर जनरल मनोज कुमार बिन्दल
वी एस एम
कार्यकारी निदेशक, एनआईडीएम

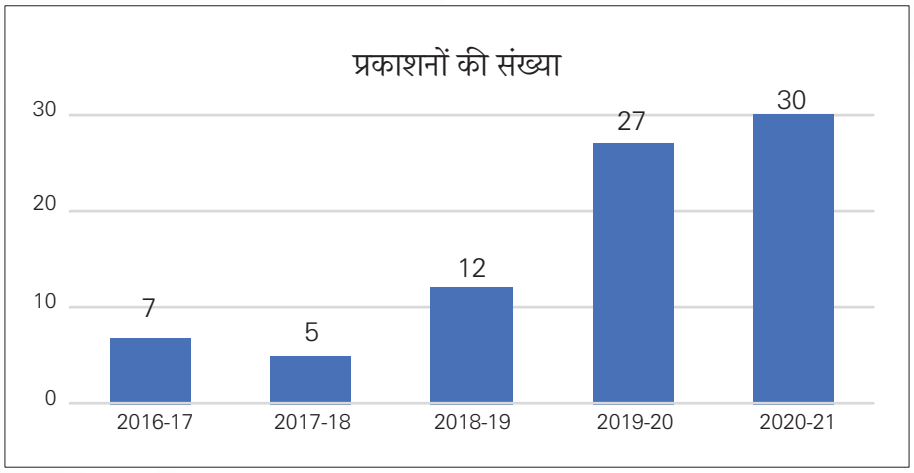
आपदा प्रबंधन महाविचार: पूरा भारत भागीदार

गतिविधियों की समीक्षा

इस वर्ष, 422 एक दिवसीय वेबिनार आयोजित किए गए और जिनमें 120422 प्रतिभागियों ने भाग लिया।तत्पश्चात्, 80454 प्रतिभागियों के लिए 186 तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए आयोजित वेबिनार/प्रशिक्षण कार्यक्रमों में समग्र रूप से वृद्धि हुई। 2020-21 में, सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इसमें शामिल किया गया। इसके अलावा, कुल 49 ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें इस वर्ष 4242 प्रतिभागी अपनी रुचि के पाठ्यक्रमों में शामिल हुए। पिछले वर्ष एनआईडीएम द्वारा प्रकाशित प्रकाशनों की कुल संख्या 30 थी। निम्नलिखित ग्राफिक चित्रण एनआईडीएम में वर्षों से विभिन्न गतिविधियों में सापेक्ष वृद्धि को संक्षेप में प्रस्तुत करते हैं।






प्रकाशनों की संख्या
30
20
10
0
7
5
12
27
30
2016-17
2017-18
2018-19
2019-20
2020-21

अध्याय 1

सिंहावलोकन

अध्याय 1: सिंहावलोकन

1.1 संस्थान के बारे में

आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के अतंर्गत 30.10.2006[1] को गठित राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) को आपदा प्रबंधन नीतियों, निवारक तंत्र और शमन उपायों[2] के संबंध में आपदा प्रबंधन प्रलेखीकरण और राष्ट्रीय स्तर का सूचना आधार तैयार करने के क्षेत्र में योजना बनाने और प्रशिक्षण एवं अनुसंधान को प्रोत्साहन देने का दायित्व सौंपा गया है। भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन केंद्र से 16 अक्टूबर, 2003 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) के रूप में पुन: अधिकारिक नामकरण के बाद से एनआईडीएम सभी स्तरों पर आपदा नियन्त्रण और इसके लिए तैयार रहने की संस्कृति का विकास करके तथा इसे बढ़ावा देकर एक आपदा जागरुक भारत तैयार करने के अपने लक्ष्य की ओर निंतर अग्रसर है।

1.2 प्रबंधन संरचना

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान नियम, 2006 के अनुसार, संस्थान में 42 सदस्य हैं जिनमें भारत सरकार और राज्य सरकारों के विभिन्न नोडल मंत्रालयों/विभागों के सचिव, राष्ट्रीय स्तर के संबंधित वैज्ञानिक, अनुसंधान और तकनीकी संगठनों के अध्यक्ष, प्रसिद्ध विद्वान, वैज्ञानिक और व्यावसायिक शामिल हैं। केंद्रीय गृह मंत्री इस संस्थान के अध्यक्ष हैं। एनआईडीएम राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा निर्धारित व्यापक नीतियों और दिशा-निर्देशों के अधीन कार्य कर रहा है।

संस्थान की शासी परिषद् में 15 सदस्य हैं जिसके अध्यक्ष राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष हैं और गृह सचिव उपाध्यक्ष[3] हैं। संस्थान के दैनिक प्रशासन का संचालन कार्यकारी निदेशक द्वारा किया जाता है।

संस्थान के निम्नलिखित शैक्षिक विभाग हैं:-

- सुशासन एवं समावेशी डीआरआर प्रभाग (जीआईडीआरआर)
- आपदा प्रतिक्रिया और रिकवरी प्रभाग (डीआरआरडी)
- भौगोलिक-मौसम संबंधी जोखिम प्रबंधन प्रभाग (जीएमआरडी)
- आपदा समुत्थानशील संरचना प्रभाग (आरआईएफडी)
- सीबीआरएन और साइबर जोखिम प्रबंधन प्रभाग (सीआरएमडी)
- पर्यावरणीय आपदा जोखिम प्रबंधन प्रभाग (डीआरएम)

इसके अलावा, संस्थान के 21 केंद्र और 7 कार्यात्मक समन्वय प्रकोष्ठ हैं।

1.3 परिकल्पना

भारत में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन पर प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए एक अग्रणी उत्कृष्ठता प्राप्त संस्थान बनना और इस क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक अग्रणी संस्थान के रुप में अपनी पहचान बनाना। सभी स्तरों पर आपदा रोकने और इसकी तैयारी करने की संस्कृति का विकास और संवर्धन करके एक आपदामुक्त भारत के निर्माण के प्रति निरंतर प्रयास करना।[4]

[1]एनआईडीएम का गठन 30.10.2006 से एस.ओ. 1862(ई) द्वारा किया गया है।
[2]आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005, धारा 42(8)
[3]एनआईडीएम नियम, 2006 की धारा 6
[4]प्रबंधन समिति की दूसरी बैठक

1.4 मिशन

- नीति निर्माण में सहायता देकर सरकार के लिए एक विचारक मंडल के रूप में कार्य करना;
- निम्नलिखित द्वारा आपदाओं के दुष्परिणामों और प्रभावों को कम करने में सहायता देना;
  - प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण सेवाओं की आयोजना और संवर्धन;
  - अनुसंधान, प्रलेखीकरण और राष्ट्रीय स्तर का सूचना आधार तैयार करना;
  - आपदा के लिए प्रभावी ढंग से तैयारी करने और राहत के लिए पद्धति विकास और सुविज्ञता को प्रोत्साहित करना;
  - जागरूकता को बढ़ावा देना और सभी हितधारकों के ज्ञान और कौशल में वृद्धि करना;
  - सभी संबंधितों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए संस्थानिक तंत्र का सुदृढ़ीकरण;
  - नेटवर्किंग और सूचना, अनुभव और सुविज्ञता के आदान प्रदान को सुगम बनाना।[5]

1.5 कार्य

आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के अधीन संस्थान को निम्न कार्य[6] सौंपे गए हैं: -

- आपदा प्रबंधन में प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करना, आपदा प्रबंधन में अनुसंधान और प्रलेख करना और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना;
- आपदा प्रबंधन के सभी पहलुओं को समाहित करते हुए एक व्यापक मानव संसाधन विकास योजना का निर्माण और कार्यान्वयन;
- राष्ट्रीय स्तर की नीति तैयार करने में सहायता प्रदान करना;
- विभिन्न हितधारकों के लिए प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों के विकास के लिए प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थानों को आवश्यक सहायता प्रदान करना;
- राज्य स्तरीय नीतियों, रणनीतियों, आपदा प्रबंधन ढांचे के निर्माण और क्षमता निर्माण के लिए आवश्यक अन्य सहायता के रूप में राज्य सरकार और राज्य प्रशिक्षण संस्थानों को सहायता प्रदान करना;
- शैक्षिक और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों सहित आपदा प्रबंधन के लिए शैक्षिक सामग्रियों का विकास;
- कॉलेज या स्कूल के शिक्षकों और छात्रों, तकनीकी कर्मियों और बहु-जोखिम न्यूनीकरण, तैयारियों और प्रतिक्रिया उपायों से जुड़े अन्य लोगों सहित हितधारकों के बीच जागरूकता को बढ़ावा देना;
- उपरोक्त उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए देश के भीतर और बाहर अध्ययन पाठ्यक्रम, सम्मेलनों, व्याख्यानों, सेमिनारों को आयोजित करना और सुगम बनाना;

[5]प्रबंधन समिति की पहली बैठक की कार्यसूची
[6]आपदा प्रबंधन अधिनियम, धारा 42(9)

- पत्रिकाओं, शोध पत्रों और पुस्तकों के प्रकाशन के लिए सहायता प्रदान करना और पुस्तकालयों की स्थापना और रख-रखाव आदि;
- उपरोक्त उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सहायक तथा प्रासंगिक अन्य सभी विधि सम्मत कार्य करना;
- केंद्र सरकार द्वारा सौंपे जाने वाले अन्य कार्यों का निष्पादन;

1.6 प्रमुख क्षेत्र

1.6.1 प्रशिक्षण

i. **आमने-सामने प्रशिक्षण:** एनआईडीएम सरकारी कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के लिए व्यापक विषयों और क्षेत्रों को कवर करते हुए विभिन्न विषयों पर परिसर में और परिसर के बाहर दोनों जगह प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

ii. **वेब आधारित ऑनलाइन प्रशिक्षण:** यह संस्थान आपदा प्रबंधन से संबंधित विभिन्न विशेष विषयों पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। प्रयोक्ता पंजीकरण करके ऑनलाइन अध्ययन पोर्टल का प्रयोग कर सकते हैं।

iii. **स्व–अध्ययन पाठ्यक्रम:** संस्थान ने वेब आधारित स्व-अध्ययन पाठ्यक्रम शुरू किए हैं जिसके लिए, कोई भी, किसी भी समय लॉग-ऑन कर सकता है और इन पाठ्यक्रमों के अध्ययन से सीख सकता है।

1.6.2 अनुसंधान और प्रलेखीकरण

एनआईडीएम देश में होने वाली बड़ी आपदाओं का प्रलेखीकरण करता है ताकि इसके प्रबंधन से सबक लिया जा सके और इन मामलों के अध्ययन का प्रयोग प्रशिक्षण कक्षाओं के लिए संसाधन सामग्री और अनुकरण अभ्यास के लिए किया जा सके।

1.6.3 नीति अध्ययन और सहायता

ज्ञान और अनुसंधान संस्थान होने के नाते एनआईडीएम गृह मंत्रालय, एनडीएमए और अन्य हितधारकों को राष्ट्रीय स्तर के दिशा-निर्देश, नीतियां और योजनायें आदि तैयार करने में सहायता प्रदान करता है। एनआईडीएम राज्य स्तर की नीतियां, रणनीतियां, आपदा प्रबंधन ढांचा तैयार करने में राज्य सरकारों और राज्य प्रशिक्षण संस्थानों तथा हितधारकों के क्षमता निर्माण और उनके (राज्य सरकारों या राज्य प्रशिक्षण संस्थानों) द्वारा अपेक्षित कोई अन्य सहायता भी प्रदान करता है।

1.6.4 ज्ञान एकीकरण

एनआईडीएम नेटवर्किंग, प्रशिक्षण, शोध, प्रलेखीकरण आदि के लिए कार्यक्रम आधारित गतिविधियों पर कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ संस्थानों के साथ सहयोग द्वारा ज्ञान एकीकरण करता है।

अध्याय 2

संगठनात्मक व्यवस्था

अध्याय 2: संगठनात्मक व्यवस्था

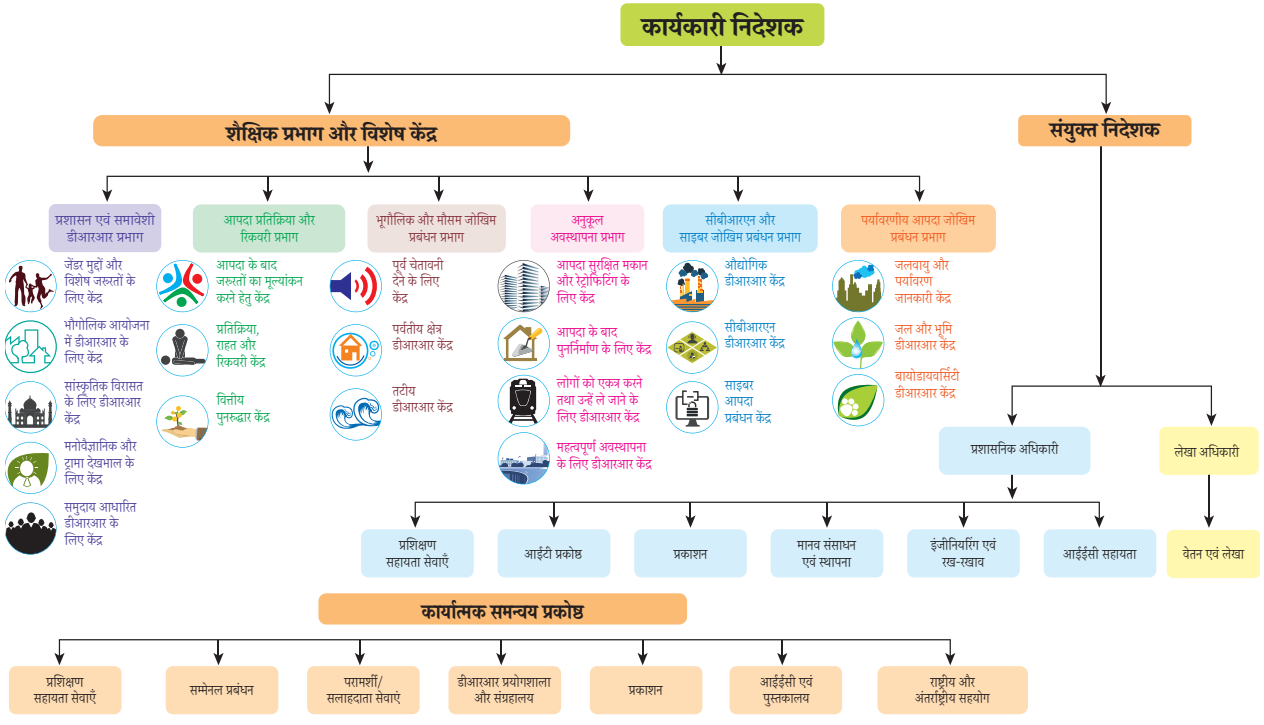
केंद्रीय गृह मंत्री इस संस्थान की आम सभा के अध्यक्ष हैं, और कार्यकारी निदेशक इसके सदस्य सचिव हैं।

संस्थान में 42 सदस्य हैं, जिनमें भारत सरकार और राज्य सरकारों के विभिन्न नोडल मंत्रालयों एवं विभागों के सचिव और राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक, अनुसंधान और तकनीकी संस्थानों के अध्यक्षों के अलावा प्रसिद्ध विद्वान, वैज्ञानिक और व्यवसायी शामिल हैं, **(8.1 अनुलग्नक-I: संस्थान की आम सभा के सदस्यों की सूची)**

संस्थान की एक शासी परिषद है जिसके अध्यक्ष राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष हैं और केंद्रीय गृह सचिव संस्थान के शासी परिषद् के उपाध्यक्ष हैं। **(8.2 अनुलग्नक-II: संस्थान की शासी परिषद् के सदस्यों की सूची)**

संस्थान के छ: प्रभाग और 21 विशेष केंद्र हैं जिनकी सहायता के लिए 7 कार्यात्मक समन्वय प्रकोष्ठ हैं। (चित्र 2.1)

2.1 संगठनात्मक ढांचा



एनआईडीएम की नियोजित शैक्षिक और कार्यात्मक संरचना

चित्र 2.1

तालिका 2.1: एनआईडीएम के कार्यकारी अधिकारी

क) कार्यकारी निदेशक

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1.	मेजर जनरल मनोज कुमार बिंदल, वी.एस.एम	कार्यकारी निदेशक (01.06.2019 से आज तक)

ख) संयुक्त निदेशक

क्र.सं.	नाम	पदनाम
2.	लेफ्टिनेंट कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ठ	संयुक्त निदेशक (14.11.2019 से आज तक)

ग) परामर्शदाता

क्र.सं.	नाम	पदनाम
3.	श्री सुरेन्द्र ठाकुर	परामर्शदाता (11.09.2019 से आज तक)
4.	श्री आशीष कुमार पांडा	परामर्शदाता (06.09.2019 से आज तक)

घ) प्रशासनिक अधिकारी

क्र.सं.	नाम	पदनाम
5.	श्री विक्रम गुर्जर	डिप्टी कमांडेंट (प्रशिक्षण एवं प्रशासन) (07.02.2019 से 23.12.2020 तक) एनडीआरएफ से संबद्ध किए जाने पर

तालिका 2.2: प्रभागवार एनआईडीएम की संकाय सूची

1. सीबीआरएन और साइबर जोखिम प्रबंधन (सीआरएमडी) प्रभाग		
डॉ. आमिर अली खान		सहायक प्रोफेसर एवं प्रमुख
प्रभाग के साथ संबद्ध केंद्र		केंद्र के प्रभारी संकाय सदस्य
i.	औद्योगिक आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) केंद्र (आईएनडी)	—
ii.	सीबीआरएन डीआरआर केंद्र (सीबीआरएन)	—
iii.	साइबर आपदा प्रबंधन केंद्र (सीवाईडी)	—

2. आपदा प्रतिक्रिया और रिकवरी (डीआरआरडी) प्रभाग		
डॉ. संतोष कुमार		प्रोफेसर एवं प्रमुख
प्रभाग के साथ संबद्ध केंद्र		केंद्र के प्रभारी संकाय सदस्य
i.	आपदा पश्चात् आवश्यकता मूल्यांकन केंद्र (पीडीएनए)	—
ii.	प्रतिक्रिया, राहत और रिकवरी केंद्र (आरआरआर)	श्री शेखर चतुर्वेदी, सहायक प्रोफेसर
iii.	वित्तीय पुनरुद्धार केंद्र (एफआर)	
3. पर्यावरणीय आपदा जोखिम प्रबंधन (ईडीआरएम) प्रभाग		
डॉ. अनिल कुमार गुप्त		प्रोफेसर एवं प्रमुख
प्रभाग के साथ संबद्ध केंद्र		केंद्र के प्रभारी संकाय सदस्य
i.	जलवायु अनुकूलन और पर्यावरण केंद्र (सीआरई)	डॉ. सुषमा गुलेरिया, सहायक प्रोफेसर
ii.	जल और भूमि डीआरआर केंद्र (डब्ल्यूएलडी)	डॉ. सुषमा गुलेरिया, सहायक प्रोफेसर
iii.	वन और जैव-विविधता डीआरआर केंद्र (एफबीडी)	श्री आशीष कुमार पांडा, परामर्शदाता
4. भू-मौसम संबंधी जोखिम प्रबंधन (जीएमआरडी) प्रभाग		
डॉ. सूर्य प्रकाश		प्रोफेसर एवं प्रमुख
प्रभाग के साथ संबद्ध केंद्र		केंद्र के प्रभारी संकाय सदस्य
i.	पूर्व चेतावनी संचार केंद्र (ईडब्लयूसी)	डॉ. सूर्य प्रकाश
ii.	पर्वतीय क्षेत्र डीआरआर केंद्र (एचएडीआरआर)	डॉ. सूर्य प्रकाश
iii.	तटीय डीआरआर केंद्र (सीडीआरआर)	डॉ. सूर्य प्रकाश
5. सुशासन और समावेशी डीआरआर (जीआईडीआरआर) प्रभाग		
डॉ. संतोष कुमार		प्रोफेसर एवं प्रमुख
प्रभाग के साथ संबद्ध केंद्र		केंद्र के प्रभारी संकाय सदस्य
i.	लैंगिक मुद्दों और विशेष आवश्यकताओं के लिए केंद्र (जीआईएन)	डॉ. अजिन्दर वालिया, सहायक प्रोफेसर
ii.	भौगोलिक आयोजना में डीआरआर के लिए केंद्र (जीपीएल)	डॉ. चंद्राणी बंद्योपाध्याय, सहायक प्रोफेसर, (21 अगस्त, 2020 तक)
iii.	सांस्कृतिक विरासत केंद्र (सीएचआर)	डॉ. चंद्राणी बंद्योपाध्याय, सहायक प्रोफेसर, (21 अगस्त, 2020 तक)

iv.	मनोवैज्ञानिक तथा ट्रामा देखरेख केंद्र (पीटीसी)	डॉ. अजिन्दर वालिया, सहायक प्रोफेसर
v.	समुदाय आधारित डीआरआर केंद्र (सीबीडीआरआर)	डॉ. चंद्राणी बंद्योपाध्याय, सहायक प्रोफेसर, (21 अगस्त, 2020 तक)
6. समुत्थानशील अवसंरचना (आरआईएफडी) प्रभाग		
डॉ. चंदन घोष		प्रोफेसर एवं प्रमुख (01.01.2021 से)
प्रभाग के साथ संबद्ध केंद्र		केंद्र के प्रभारी संकाय सदस्य
i.	आपदा सुरक्षित मकान और रेट्रोफिटिंग केंद्र (डीएसएचआर)	—
ii.	आपदा पश्चात् पुनर्निर्माण केंद्र (पीडीआर)	—
iii.	जन एकत्रीकरण और परिवहन डीआरआर केंद्र (एमसीटी)	श्री शेखर चतुर्वेदी, सहायक प्रोफेसर
vi.	महत्वपूर्ण अवसंरचना डीआरआर केंद्र (सीआईडी)	—
7. कार्यात्मक समन्वय प्रकोष्ठ		
i.	प्रशिक्षण सहायता सेवाएँ (टीसीएस)	i. श्री विक्रम गुर्जर, प्रभारी (23.12.2020 तक) ii. सुश्री ऋतु सूद, प्रशासनिक अधिकारी
ii.	सम्मेलन प्रबंधन (सीएफएम)	
iii.	परामर्शी/सलाहकार सेवाएँ (सीएएस)	i. डॉ. अनिल कुमार गुप्त प्रोफेसर एवं प्रमुख ii. श्री शेखर चतुर्वेदी, सहायक प्रोफेसर iii. सुश्री ऋतु सूद, प्रशासनिक अधिकारी
iv.	डीआरआर प्रयोगशाला और संग्रहालय (डीएलएम)	i. डॉ. चन्दन घोष, प्रोफेसर ii. डॉ. आमिर अली खान, सहायक प्रोफेसर iii. सुश्री ऋतु सूद, प्रशासनिक अधिकारी
v.	प्रकाशन (पीयूबी)	i. श्री संतोष कुमार तिवारी, पुस्तकालयाध्यक्ष
vi.	आईईसी और पुस्तकालय (आईईएल)	i. श्री विक्रम गुर्जर, डिप्टी कमांडेंट, प्रभारी, प्रशिक्षण तथा पुस्तकालय/प्रकाशन (23.12.2020 तक) ii. श्री संतोष कुमार तिवारी, पुस्तकालयाध्यक्ष iii. सुश्री जया, पुस्तकालय परिचारिका
vii.	राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग (एनआईसी)	i. डॉ. संतोष कुमार प्रोफेसर एवं प्रमुख ii. डॉ. अनिल कुमार गुप्ता, प्रोफेसर एवं प्रमुख iii. डॉ. सुषमा गुलेरिया, सहायक प्रोफेसर

2.2 सामान्य प्रशासन

संस्थान के कार्यकारी निदेशक संस्थान के प्रशासन के लिए जिम्मेदार हैं और शासी परिषद् के निर्देश और मार्गदर्शन के अधीन कार्य करते है। कार्यकारी निदेशक की सहायता के लिए संयुक्त निदेशक, परामर्शदाता (प्रशासन एवं मानव संसाधन), लेखा अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी हैं। संस्थान के प्रशासन में मुख्यतया समन्वय, सांविधिक बैठकों का आयोजन, स्थापना और कार्मिक प्रबंधन, सुरक्षा, परिसर सहायता सेवाएं और कर्मचारियों का कल्याण शामिल है। यह कार्यक्रमों के अबाध आयोजन के लिए आवश्यक अवस्थापना और प्रबंधकीय सहायता प्रदान करके संस्थान के शोध, प्रशिक्षण और परामर्शी कार्यों में मदद करता है। एनआईडीएम के कर्मचारियों की सूची तालिका 2.3 में दी गई है।

तालिका 2.3: एनआईडीएम के कर्मचारी

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1.	सुश्री ऋतु सूद	प्रशासनिक अधिकारी
2.	श्री सुरेन्द्र सिंह बिष्ट	लेखा अधिकारी
3.	श्री हेमंत कुमार	कंप्यूटर प्रोग्रामर
4.	श्री संतोष कुमार तिवारी	पुस्तकालयाध्यक्ष
5.	श्री अविनाश कुमार पाण्डेय	निजी सचिव
6.	श्री जे.एन. झा	कनिष्ठ अभियन्ता
7.	सुश्री अमृता गुप्ता	वैयक्तिक सहायक
8.	सुश्री संतोष मिश्रा	प्रशिक्षण सहायक
9.	सुश्री गीता शर्मा	प्रशिक्षण सहायक
10.	श्री राजीव कुमार	प्रशिक्षण सहायक
11.	श्री अमर सिंह	मशीन ऑपरेटर
12.	सुश्री जया	पुस्तकालय परिचारिका
13.	श्री लक्ष्मण सिंह	मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस)
14.	श्री विजय कनौजिया	मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस)
15.	श्री पंकज कुमार	मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस)

2.3 हिंदी का प्रगामी प्रयोग

एनआईडीएम का हिंदी प्रकोष्ठ कार्यालय के दैनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को सुगम बनाने के लिए पूर्णतया सक्रिय है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, चालू वर्ष में तीन हिंदी प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 125 अधिकारियों और कर्मचारियों ने आधिकारिक कामकाज की अनिवार्यताओं के अनुसार भाग लिया। एनआईडीएम ने गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के साथ स्वयं को पंजीकृत करवाया और उसके बाद तिमाही प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से भेजी जा रही है।

कार्यकारी निदेशक, एनआईडीएम की अध्यक्षता में विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित की गई है, जो कार्यालय में राजभाषा नियमों के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए त्रैमासिक बैठक करती है। कार्यालय ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (TOLIC) की सदस्यता ग्रहण की और प्रथम छमाही प्रगति रिपोर्ट भी भेजी जा चुकी है। एनआईडीएम के निरीक्षण के दौरान उठाए गए 20 बिन्दुओं के अनुसरण में की गई कार्रवाई सम्बंधी रिपोर्ट भी राजभाषा विभाग को भेज दी गई है।

एनआईडीएम में 14 सितंबर 2020 को हिंदी दिवस भी मनाया गया और इस अवसर पर एक हिंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता के विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। राजभाषा विभाग के निर्देशों के अनुपालन में कार्यालय में राजभाषा नियमों के कार्यान्वयन के लिए चेक प्वाइंट बनाए गए हैं।

गृह मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप, वर्ष 2020-21 की वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियां हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में गृह मंत्रालय को प्रस्तुत की गई हैं। इसके अतिरिक्त, हिंदी प्रकोष्ठ इस अवधि के दौरान आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों, भाषणों, आधिकारिक वेबसाइट के महत्वपूर्ण अध्यायों, त्रैमासिक समाचार पत्र टाइडिंग्स, आईडीआरएन पुस्तिकाओं, प्रशिक्षण मॉड्यूल, आपदा प्रबंधन के विभिन्न विषयों पर पुस्तकों और दैनिक सामान्य आधिकारिक कार्य की मदों के अनुवाद में सक्रिय रूप से संलग्न रहा है।

अध्याय 3

प्रशिक्षण कार्यक्रम

अध्याय 3: प्रशिक्षण कार्यक्रम

आपदा प्रबंधन में संलग्न पदाधिकारियों की क्षमता निर्माण पर जोर देना संस्थान के प्रमुख प्रयासों में से एक रहा है। इस प्रयास के रूप में, आपदा जोखिम न्यूनीकरण के संबंध में विभिन्न क्षमता निर्माण मुद्दों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) द्वारा नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं । कार्यक्रम उपलब्ध कराने की विधि के आधार पर इन्हें वर्गीकृत किया गया है :

i. आमने-सामने प्रशिक्षण
ii. ऑनलाइन प्रशिक्षण
iii. स्व-अध्ययन

एनआईडीएम, वर्तमान महामारी की स्थिति में, कार्यक्रमों के संचालन की निरंतरता बनाए रखने और आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 द्वारा दिए गए दायित्वों को पूरा करने के लिए, अपने कार्यकरण में ऑनलाइन मोड में कार्यक्रमों के संचालन की पद्धति को जोड़ा है। इन कार्यक्रमों को वेबिनार और ई-प्रशिक्षण कार्यक्रम कहा गया है। इसलिए पिछले वर्ष अर्थात् 2020-21 से अब तक, एनआईडीएम आमने-सामने प्रशिक्षण कार्यक्रमों के स्थान पर वेबिनार और ई-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

एनआईडीएम आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न उपयोगकर्ता समूहों को अपनी सेवायें प्रदान करता है, एनआईडीएम सरकारी अधिकारियों, सिविल समाज संगठनों (आपदा प्रबंधन पेशेवरों), सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, शिक्षाविदों तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों (सरकारी विभागों, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों, अंतर्राष्ट्रीय स्वंय सेवी संगठनों) को प्रशिक्षण प्रदान करता है ।

3.1 उद्देश्य

नीतियों, योजना और कार्यक्रमों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) को मुख्य धारा के रूप में जोड़ने के लिए कौशल प्रदान करना एनआईडीएम का एक प्राथमिक उद्देश्य है । एनआईडीएम द्वारा आपदा और विकास गतिविधियों में संलग्न आपदा प्रबंधन कार्यकर्ताओं और अन्य पेशेवरों को संकेंद्रित और समुचित प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए गए हैं :

- प्रभावी कार्यक्रम नियोजन और कार्यान्वयन के लिए जागरूकता पैदा करना, कौशल में सुधार करना और विकास प्राधिकारियों के ज्ञान को विस्तृत करना;
- सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों के संदर्भ में आपदा प्रबंधन क्षेत्र में उभरती जरूरतों के प्रति केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विकास विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को संवेदनशील बनाना;
- परिचय दौरों, मामलों के अध्ययन और विकासात्मक हस्तक्षेपों के माध्यम से विकास कर्मियों में व्यवहारिक बदलाव लाना ।

3.2 प्रशिक्षण कार्यक्रम

एनआईडीएम द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का वर्गीकरण उपलब्ध कराने की विधि, लक्षित समूह और विषय के आधार पर किया जाता है।

3.2.1 वेबिनार/ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान अपने दोनों परिसरों अथवा राज्य प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों (एटीआई) / राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) और अन्य प्रशिक्षण संस्थानों दोनों में आमने-सामने प्रशिक्षण पद्धति के माध्यम से व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करता है। आपदा प्रबंधन के लगभग सभी पहलुओं को शैक्षिक प्रभागों के विशिष्ठ क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से कवर किया जाता है।

भारत सरकार द्वारा निर्धारित कोविड-19 सम्बन्धी नवाचारों का अनुपालन करते हुए, अपने दायित्वों के निवर्हन के उद्देश्य से एनआईडीएम ने वर्ष 2020-21 के दौरान अनेक वेबिनार और ई-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, 422 एक दिवसीय वेबिनार आयोजित किए गए जिनमें 120422 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, 80454 प्रतिभागियों के लिए 186 तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के लिए आयोजित वेबिनार/प्रशिक्षण कार्यक्रमों में समग्र रूप से वृद्धि हुई। वर्ष 2020-21 में, सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कवर किया गया।

तालिका 3.1: वर्ष 2020-21 के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण

वेबिनार		ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम	
वेबिनार की कुल संख्या	प्रतिभागियों की कुल संख्या	ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुल संख्या	प्रतिभागियों की कुल संख्या
422	**120422**	**186**	**80454**

3.3 प्रशिक्षण विधि

उपल्बध कराये जा रहे विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण और कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की प्रोफाइल को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रशिक्षण विधियों का प्रयोग किया जाता है । प्रशिक्षण विधियों में शामिल हैं :

- व्याख्यान सह-विचार-विमर्श
- केस अध्ययन प्रस्तुतीकरण
- कार्य का अभ्यास
- समूह विचार-विमर्श / अभ्यास
- पैनल विचार-विमर्श
- अनुकरण और भूमिका निर्वहन
- टेबल टॉप अभ्यास

3.4 प्रतिभागियों की प्रोफाइल (विवरण)

चूंकि एनआईडीएम प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आपदा प्रबंधन में लगे विभिन्न उपयोगकर्ता समूहों को शामिल करता है अत: प्रशिक्षुओं की प्रोफाइल को निम्नलिखित श्रेणियों में बांटा गया है;

- सरकारी कर्मचारी (केंद्रीय, राज्य और जिला स्तर के अधिकारी);
- सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू);
- शिक्षाविद् (शोधकर्ता, वैज्ञानिक, स्कूल शिक्षक और विश्वविद्यालय संकाय);
- ज्ञान भागीदार संस्थान;
- अंतर्राष्ट्रीय भागीदार (सरकारी विभाग, यूएन एजेंसियां, आईएनजीओ);
- अवसंरचना व्यवसायिक (इंजीनियर, वास्तुकार, निर्माण एजेंसियां आदि);
- नागरिक समाज संगठन (आपदा प्रबंधन व्यावसायिक)

3.5 ई-लर्निंग

एनआईडीएम का ई-लर्निंग प्रभाग ऑनलाइन पाठ्यक्रम और स्व अध्ययन कार्यक्रमों के प्रबंधन के दायित्व का निर्वहन करता है।

3.5.1 ऑनलाइन पाठ्यक्रम

जीएफडीआरआर (विश्व बैंक) के साथ साझेदारी में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) आपदा जोखिम प्रबंधन के विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की एक श्रृंखला उपलब्ध कराता है। इसका उद्देश्य आपदा जोखिम प्रबंधन के क्षेत्रों में हितधारकों के बीच विश्लेषणात्मक कौशल और पेशेवर क्षमता को बढ़ाने के साथ साथ सभी स्तरों पर जागरूकता और तैयारी के स्तर को बढ़ाना है। एनआईडीएम ऑनलाइन कार्यक्रम एक अद्वितीय क्षमता निर्माण हस्तक्षेप है, जो मूडल (MOODLE) आधारित वर्चुअल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर आपसी विचार विमर्श के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करता है। विभिन्न ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को एक सामान्य चर्चा मंच पर अपने विचारों और सूचनाओं को विश्व स्तर पर साझा करने की सुविधा प्रदान करते हैं। यह कार्यक्रम प्रख्यात विषय विशेषज्ञों के साथ ऑनलाइन बातचीत करने और पेशेवर मार्गदर्शन में पाठ्यक्रम विषयों के विभिन्न पहलुओं को सीखने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं। संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल होने वाले प्रतिभागियों के ज्ञान स्तर को 'पाठ्यक्रम असाइनमेंट के मूल्यांकन' और 'पाठ्यक्रम परियोजना के समापन' जैसे निर्धारित मापदंडों के माध्यम से मापा जाता है, जिसके बाद उन्हें सफल घोषित किया जाता है और एनआईडीएम द्वारा जारी “पाठ्यक्रम पूर्णता प्रमाणपत्र” से सम्मानित किया जाता है।

कुल मिलाकर, एक समर्पित पोर्टल www.onlinenidm.gov.in के माध्यम से 10 ऑनलाइन पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिनमें से "व्यापक आपदा जोखिम प्रबंधन ढांचा" 'बुनियादी पाठ्यक्रम' है जो आपदा की मूलभूत अवधारणाओं और अनुप्रयोगों पर जानकारी प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त निम्नलिखित 9 "विषयगत पाठ्यक्रम" भी उन प्रतिभागियों को उपलबध कराए जाते हैं जो मूल पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करते हैं –

1. समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन
2. भूकंप जोखिम न्यूनीकरण
3. जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम
4. क्षति और पुनर्निर्माण की आवश्यकता का आकलन
5. आपदा रिकवरी और पुनर्निर्माण के लैंगिक पहलू
6. जोखिम संवेदनशील भूमि उपयोग योजना
7. जोखिम पहचान, आकलन और विश्लेषण
8. सुरक्षित शहर
9. आपदाओं के आर्थिक प्रभावों के प्रबंधन के लिए वित्तीय रणनीतियाँ

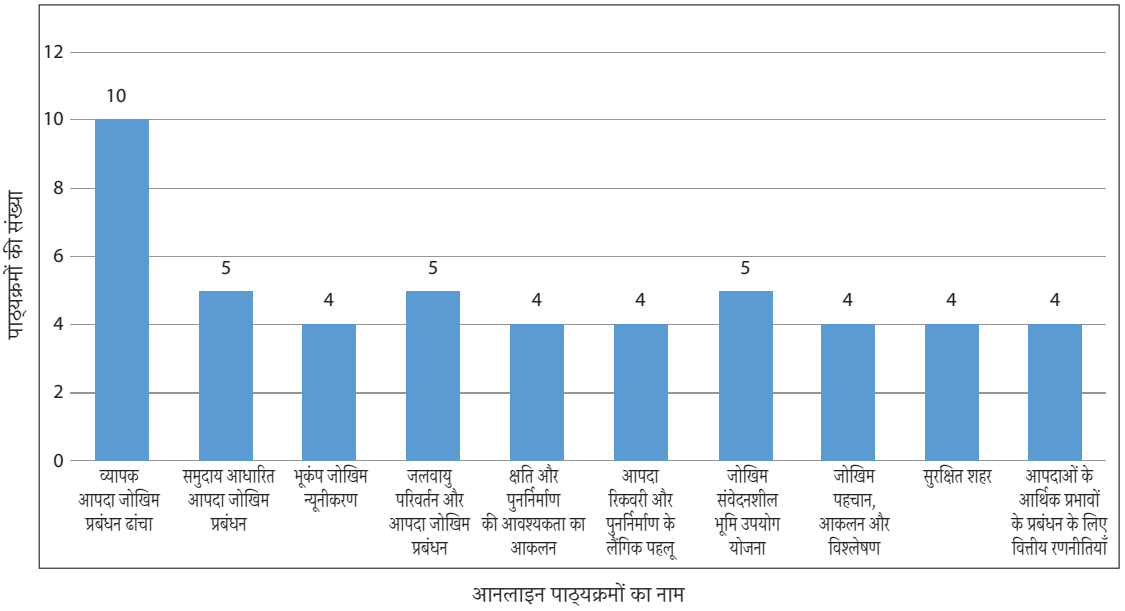
पाठ्यक्रम सामग्री पंजीकृत प्रतिभागियों के लिए उनके संबंधित पाठ्यक्रम प्लेटफार्म पर आसानी से उपलब्ध है, जिसे ऑफ़लाइन संदर्भ के लिए भी डाउनलोड किया जा सकता है।

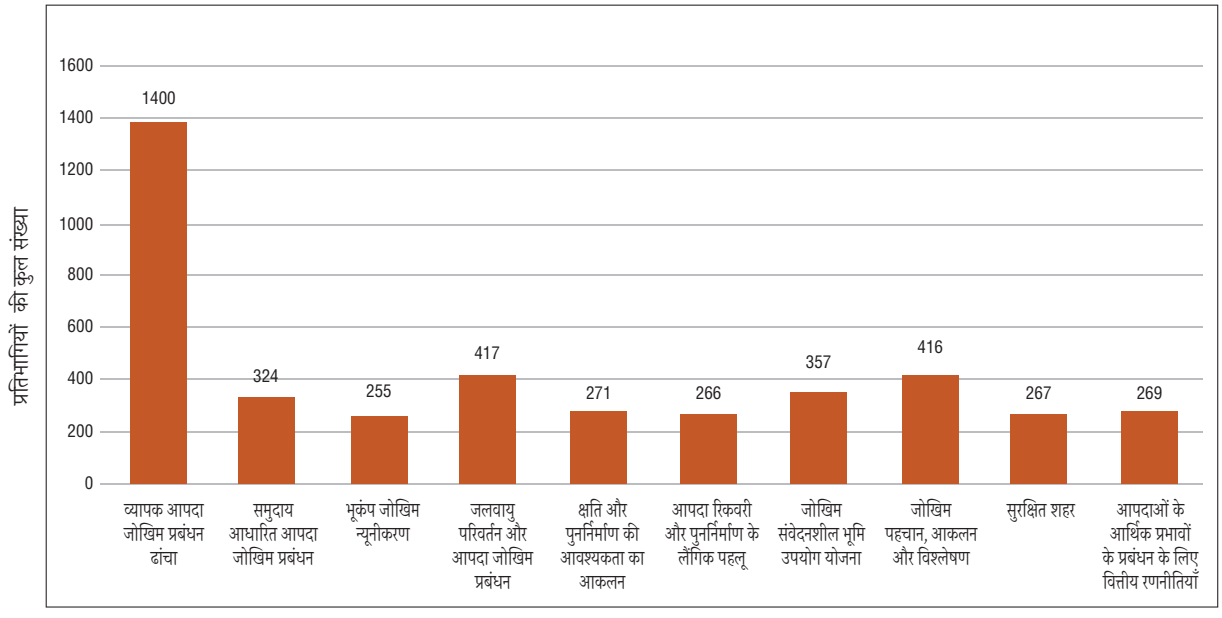
शैक्षणिक वर्ष **2020-21** में, कुल **49** ऑनलाइन पाठ्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें **4242** प्रतिभागियों ने अपनी रुचि के पाठ्यक्रम का अनुसरण किया। निम्नलिखित तालिका में वर्ष 2020-21 में आयोजित सभी पाठ्यक्रमों का विवरण दिया गया है:-

तालिका 3.2: वर्ष 2020-21 में ऑनलाइन पाठ्यक्रमों और प्रतिभागियों की संख्या

क्रमांक	पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
1.	व्यापक आपदा जोखिम प्रबंधन ढांचा	10	1400
2.	समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन	5	324
3.	भूकंप जोखिम न्यूनीकरण	4	255
4.	जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम प्रबंधन	5	417
5.	क्षति और पुनर्निर्माण की आवश्यकता का आकलन	4	271
6.	आपदा रिकवरी और पुनर्निर्माण के लैंगिक पहलू	4	266
7.	जोखिम संवेदनशील भूमि उपयोग योजना	5	357
8.	जोखिम पहचान, आकलन और विश्लेषण	4	416
9.	सुरक्षित शहर	4	267
10.	आपदाओं के आर्थिक प्रभावों के प्रबंधन के लिए वित्तीय रणनीतियाँ	4	269
	कुल	**49**	**4242**

उपरोक्त डेटा को नीचे बार चार्ट के रूप में भी दिखाया गया है –





कोविड काल के पश्चात्, एनआईडीएम आपदा संबंधी जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम को और विकसित करने का प्रयास कर रहा है।

3.5.2 स्व अध्ययन कार्यक्रम

एनआईडीएम का स्व-अध्ययन कार्यक्रम (एसएसपी) ई-लर्निंग की एक स्व-गतिशील प्रणाली है जिसमें सभी संबंधित हितधारकों को बिना किसी समय और स्थान की सीमा के आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं को अपनी गति से सीखने के लिए प्रोत्साहन और सुविधा प्रदान की जाती है। इसे सीडीएसी, नोएडा द्वारा एनआईडीएम के लिए विकसित किया गया है। उपयोगकर्ता बिना किसी मानवीय सहायता के प्रस्तावित विषयों पर स्वत: ज्ञान प्राप्त करने के लिए पोर्टल www.nidmssp.in24X7 में लॉग इन कर सकते हैं। एनआईडीएम का स्व-अध्ययन कार्यक्रम विभिन्न हितधारकों के ज्ञान को बढ़ाने में अत्यधिक उपयोगी साबित हुआ है।

एनआईडीएम द्वारा स्व-अध्ययन पोर्टल के माध्यम से निम्नलिखित 10 स्व अध्ययन मॉड्यूल पेश किए जा रहे हैं:

तालिका 3.3: वित्त वर्ष 2020-21 में स्व अध्ययन मॉड्यूल और उपयोगकर्ताओं की सूची

क्रमांक सं.	स्व अध्ययन मॉड्यूल	वित्त वर्ष 2020-21 में उपयोगकर्ताओं की कुल संख्या
1	आपदा प्रबंधन की मूल बातें	278
2	समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन	67
3	नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों के लिए एक गाइड	19
4	बाढ़ जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन का परिचय	31
5	चक्रवात जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन का परिचय	15
6	आपदा स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन का सामान्य अवलोकल	22
7	व्यापक भूस्खलन जोखिम प्रबंधन	2
8	स्कूल सुरक्षा	22
9	भूकंप जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन का परिचय	21
10	औद्योगिक आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन का परिचय	44
	कुल	**521**

शैक्षणिक वर्ष **2020-21** में कुल **521** उपयोगकर्ताओं ने विभिन्न पाठ्यक्रम मॉड्यूल पोर्टल में पंजीकरण किया और विभिन्न विषयों पर ज्ञान प्राप्त किया।

3.6 इंटर्नशिप कार्यक्रम

हर वर्ष, एनआईडीएम को शैक्षिक / शोध / प्रशिक्षण संस्थानों के छात्रों / शोधकर्ताओं से, विशेषकर गर्मी के महीनों में, इंटर्नशिप के लिए अनुरोध प्राप्त होते हैं । इंटर्नशिप के उद्देश्य हैं :-

- संबंधित विषय में स्नातक / स्नातकोत्तर करने वाले इच्छुक व पात्र उम्मीदवारों को समग्र आपदा प्रबंधन प्रणाली और इसके विभिन्न पहलुओं की जानकारी देना ।
- विश्वविद्यालयों / कॉलेजों के छात्रों को आपदा प्रबंधन प्रक्रिया, प्रशिक्षण और शोध में व्यवहारिक अनुभव लेने में मदद करना ।
- छात्रों को उनके कौशल के परीक्षण के लिए नवाचार और नए विचारों तथा तकनीकों को शामिल करने का पर्याप्त अवसर देना ।
- औपचारिक और अनौपचारिक साधनों के माध्यम से विभिन्न विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, व्यवसायिक संस्थानों को एनआईडीएम और उसके द्वारा किए जाने वाले काग्रकलापों की जानकारी देना ।
- एनआईडीएम में इंटर्नशिप के लिए एक नीति तैयार तथा अनुमोदित करके इस प्रक्रिया को औपचारिक बनाया गया है । इंटर्नशिप के लिए आवेदन खुले विज्ञापन के द्वारा आमंत्रित किए जाते हैं, जिसके बाद बहु-स्तरीय चयन प्रक्रिया का पालन किया जाता है । पूरे देश से विभिन्न विषयों, संस्थानों और विश्वविद्यालयों से इंटर्न शोध कार्य के लिए चुने जाते हैं ।

अध्याय 4

परियोजनाएँ

अध्याय 4: परियोजनायें

4.1 कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की राष्ट्रीय कृषि आपदा प्रबंधन योजना

पृष्ठभूमि और संदर्भ: आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रधान मंत्री के 10 बिन्दु एजेंडा के बिन्दु 1 के माध्यम से आपदा जोखिम न्यूनीकरण , पेरिस जलवायु समझौते और सतत विकास लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क को लागू करने की दिशा में एकीकृत दृष्टिकोण विकसित करता है, अर्थात सभी क्षेत्रों में आपदा जोखिम प्रबंधन के सिद्धांतों को आत्मसात करना होगा, और आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीति 2009 के अन्तर्गत वैद्यानिक अधिदेश का उपयोग करना होगा। तदनुसार, राष्ट्रीय कृषि आपदा प्रबंधन योजना (एनएडीएमपी) तैयार की गई है।

मुख्य लक्षित क्षेत्र / विषय: बहु-जोखिम और कमजोरियों का निदान करना, समुत्थानशीलता निर्माण के लिए बहु-आयामी दृष्टिकोण, और कृषि क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए समस्त भारत में कृषि प्रणाली के सभी पहलुओं को शामिल करना, जैसा कि मंत्रालय को सौंपे गए कार्यों के आवंटन के तहत दर्शाया गया है।

उद्देश्य:

क) मंत्रालय और उसके विभागों/प्रतिष्ठानों के तहत आपदाओं और चरम घटनाओं से बुनियादी ढांचे, परिसंपत्तियों, संपत्तियों और संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना,

बी) यह सुनिश्चित करना कि गतिविधियां (भौतिक विकास और व्यवस्थात्मक प्रथायें/संचालन सहित) आपदाओं के प्रति खतरों के जोखिम और कमजोरियों को और गंभीर न बनायें,

ग) यह सुनिश्चित करना कि मंत्रालय/क्षेत्र के तहत संचालित गतिविधियां/कार्यक्रम और योजनाऐं आपदाओं और चरम घटनाओं के जोखिम के प्रति समुत्थानशीलता बढ़ायें, और

घ) यह सुनिश्चित करना कि मंत्रालय और संबद्ध क्षेत्र और घटक किसी भी आपदा या आपातकालीन स्थिति से उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों से निपटने के लिए सभी स्तरों पर तैयार हैं।

दृष्टिकोण और तरीके:

- विस्तृत एचआरवीए प्रक्रिया (जोखिम मानचित्रण सहित मूल्यांकन), रोकथाम के घटकों, शमन और प्रतिक्रिया, वसूली योजनाओं आदि का संचालन करके और परामर्शी प्रक्रिया कार्यशालाओं/बैठकों के माध्यम से अंतिम रूप देते हुए योजना का मसौदा तैयार करके पेशेवर सहायता के साथ एनआईडीएम द्वारा सहभागी प्रक्रिया के तहत योजना विकसित की गई।

- सभी-खतरों के जोखिमों का घटकवार समाधान करने के उद्देश्य से वर्णनात्मक सह निर्देशात्मक दृष्टिकोण के संयोजन के माध्यम से व्यापक जोखिम-खतरा, भेद्यता और क्षमता मूल्यांकन तथा अंतराल और आवश्यकता विश्लेषण।

मुख्य परिणाम: कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए एक व्यापक आपदा प्रबंधन योजना।

प्रमुख प्रदेय (प्रकाशन, रिपोर्ट, योजनायें इत्यादि सहित):

क) कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए राष्ट्रीय कृषि आपदा प्रबंधन योजना तैयार की गई है।

ख) "भारत में समुत्थानशील कृषि का रोडमैप" पर एक विषयगत प्रपत्र प्रकाशित किया गया।

ग) कृषि क्षेत्र में आपदा जोखिम प्रबंधन पर जिला प्रशासन के लिए एक पुस्तिका प्रकाशित की गई है।

घ) "जलवायु और आपदा प्रतिरोधी कृषि प्रबंधन" पर एक प्रशिक्षण मैनुअल प्रकाशित किया गया है।

परियोजना के तहत आयोजित कार्यक्रम:

क) कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की आपदा प्रबंधन योजना के लिए एक क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन 12 जुलाई 2019 को एनआईडीएम द्वारा किया गया।

ख) एनएडीएमपी की तैयारी के लिए कार्य समूह की पहली बैठक 12 जुलाई 2019 को आयोजित की गई।

ग) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, दिल्ली और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) केंद्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा संयुक्त रूप से आईसीएआर-सीआरआईडीए, हैदराबाद में 15 नवंबर 2019 को आपदा प्रतिरोधी कृषि पर एक राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला और कार्यकारी समूह की दूसरी बैठक आयोजित की गई।

घ) कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय,भारत सरकार की "राष्ट्रीय कृषि आपदा प्रबंधन योजना" के तहत एक जोखिम खतरा भेद्यता और क्षमता विश्लेषण कार्यशाला 17 सितंबर 2019 को आयोजित की गई।

ड) 18 फरवरी 2020 को एनएडीएमपी के मसौदे पर चर्चा करने के लिए सचिव, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई।

च) 11 जून 2020 को एनएडीएमपी के मसौदे पर चर्चा के लिए सदस्य सचिव, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई।

परियोजना के तहत आयोजित कुछ कार्यक्रमों की झलक




कृषि और किसाान कल्याण मंत्रालय में जोखिम खतरा भेद्यता और क्षमता विश्लेषण पर कार्यशाला 17 सितंबर, 2019







आपदा प्रतिरोधी कृषि पर राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला तथा आईसीएआर-सीआरआईडीए में एनएडीएमपी कार्यकारी समूह की बैठक, हैदराबाद, 15 नवंबर, 2019




4.2 राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम)-विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी)

आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति और तीव्रता तथा मानवीय क्षेत्र पर दबाव के कारण प्रभावित समुदायों की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए नई रणनीतियों को अपनाने की आवश्यकता है। आपदा प्रतिक्रिया के सभी चरणों में खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक समग्र और अधिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। आपदाओं के बदलते परिदृश्य के मद्देनजर आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया को अधिक अनुकूल बनाने की आवश्यकता है। इस संबंध में, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) और संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम भारत के आपदा जोखिम प्रबंधन (डीआरएम) एजेंडा में भोजन और पोषण को मुख्यधारा में लाने के लिए सहयोग कर रहे हैं। सितंबर 2020 में डब्ल्यूएफपी और एनआईडीएम के बीच इस आशय के वक्तव्य पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें प्रशिक्षण पैकेजों में खाद्य और पोषण सहायता को शामिल करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने के कार्य के दायरे की पहचान की गई जिसके अनुसरण में नीतियों और दिशानिर्देशों के निर्माण की सिफारिशें की गईं।

डब्ल्यूएफपी इंडिया के कंट्री डायरेक्टर और एनआईडीएम के कार्यकारी निदेशक के बीच एक परामर्श बैठक के दौरान प्राकृतिक आपदाओं और खाद्य और पोषण सुरक्षा के बीच अंतर-संबंधों के महत्व की पहचान की गई और इस बात पर सहमति व्यक्त की गई कि एनआईडीएम और डब्ल्यूएफपी “आपात स्थिति, तैयारी और प्रतिक्रिया के लिए खाद्य और पोषण रणनीतियों" के लिए दिशानिर्देश और प्रशिक्षण पैकेज विकसित करने के लिए सहयोग कर सकते हैं। और भारत की आपदा प्रबंधन प्रतिक्रिया में खाद्य और पोषण सुरक्षा एजेंडा को मुख्यधारा में लाने के लिए अपनाए जाने वाले तरीकों और साधनों का पता लगाने के लिए सिफारिशों को आगे बढ़ा सकते हैं।

यह लक्ष्य तीन चरणों में हासिल किया जाएगा। तीन चरणों का उद्देश्य वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं, मानक और ढांचे, विकासशील दिशा-निर्देशों के संदर्भ में भारत में वर्तमान रणनीतियों में अंतराल की पहचान करना और भारत में क्षमता को मजबूत करने और दक्षिण-दक्षिण सहयोग के अन्तर्गत क्षेत्र में संभावित पैमाने पर योगदान देना होगा। चरणों का वर्णन नीचे दिया गया है:

पहला चरण : भारत के आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया (ईपीआर) पैकेज में खाद्य और पोषण रणनीतियों के एकीकरण के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देशों और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का विकास

एनआईडीएम के नेतृत्व में, डब्ल्यूएफपी तकनीकी विशेषज्ञों के साथ परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से वैश्विक मार्गदर्शन, अंतराल की पहचान के आधार पर दिशानिर्देश, संचालन प्रक्रियाएं और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम विकसित करेगा। भारत में अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं का एक संग्रह भी तैयार किया जाएगा जो दिशानिर्देशों और पाठ्यक्रम के विकास को सूचित करेगा। एनआईडीएम के नेतृत्व में फीडबैक, सत्यापन और विशेषज्ञ परामर्श लेने के लिए कई क्षेत्रीय परामर्श और विशेषज्ञ वेबिनार आयोजित किए जाएंगे। इस प्रक्रिया में कई हितधारकों को सम्मिलित किया जायेगा। कुछ राज्य आपदा प्रबंधन संस्थाओं के परामर्श से इसका प्रायोगिक संचालन भी किया जाएगा।

दूसरा चरण : आपात स्थिति में भोजन और पोषण संबंधी जरूरतों के लिए सहायक क्षमता सुदृढ़ीकरण और प्रशिक्षण

आवश्यकता के आधार पर, जमीनी स्तर पर कार्रवाई को सुगम बनाने के लिए राज्य और राष्ट्रीय सरकार की विशेषज्ञता के साथ एनआईडीएम के सहयोग से मास्टर प्रशिक्षकों का एक पूल बनाया जाएगा। एसआईडीएम और एसडीएमए के माध्यम से ईपीआर प्रशिक्षण में खाद्य और पोषण को सम्मिलित करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की जाएगी।

तीसरा चरण : अन्य देशों के लाभ के लिए आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया में खाद्य और पोषण पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर के परामर्श का आयोजन

“आपात स्थिति के लिए भोजन और पोषण रणनीतियों” पर अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय और राज्य स्तर की आपदा संस्थाओं के प्रतिभागियों के साथ-साथ डब्ल्यूएफपी से इस विषय पर क्षेत्रीय विशेषज्ञों को अपने अनुभव और विशेषज्ञता साझा करने के लिए आमन्त्रित किया गया।

4.3 एनआईडीएम-यूनिसेफ

आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) के लिए सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन (एस बी बी सी) संचार प्रशिक्षण पैकेज

पृष्ठभूमि: 85 प्रतिशत भारत भूकंप, बाढ़, चक्रवात और सूखे के साथ-साथ आग, औद्योगिक दुर्घटनाओं और मानव निर्मित आपदा नागरिक अशांति और अन्य विभिन्न खतरों से अत्यधिक प्रभावित है। भारत में हर साल पचास मिलियन से अधिक लोग आपदाओं से प्रभावित होते हैं और औसतन 4000 लोग अपनी जान गंवाते हैं। [1]सालाना प्रभावित होने वालों लोगो में से लगभग 8.5 मिलियन पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चे होते हैं और लगभग 3.3 मिलियन गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताएं होती हैं। आवर्तक आपदाओं के आर्थिक वृद्धि दर, विकास और गरीबी न्यूनीकरण के लक्ष्यों पर प्रतिकूल दीर्घकालिक परिणाम भी दिखाई देते हैं।

[1]ई एम-डी एटी (2013): इंडिया कंट्री प्रोफाइल नैचुरल डिजास्टरस

एसबीसीसी पर क्षमता निर्माण के लिए एनआईडीएम और संयुक्त राष्ट्र बालकोष (यूनिसेफ) के बीच साझेदारी: डीआरआर के सामाजिक और व्यवहारिक पहलुओं को संबोधित करने के लिए एसबीसीसी से संबद्ध सरकारी अधिकारियों और प्रमुख हितधारकों की क्षमताओं और कौशल को बढ़ाने के लिए एनआईडीएम और यूनिसेफ एक साथ आए हैं। इस साझेदारी का समग्र उद्देश्य विभिन्न स्तरों पर सेवा प्रदाताओं को सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन के महत्व और मूल अवधारणाओं को समझने के लिए सशक्त बनाना और संकट के दौरान प्रतिक्रिया और रिकवरी के माध्यम से एसबीसीसी को आपदा जोखिम प्रबंधन के सभी रूपों, रोकथाम, शमन और तैयारियों में एकीकृत करने की क्षमता का सृजन करना है। ज्ञान सहयोगी के रूप में यूनिसेफ, जोखिम के बारे में सुविज्ञ निर्णय लेने में पुरुषों, महिलाओं और बच्चों की सहायता करने के लिए सामुदायिक जुड़ाव में एसबीसीसी की भूमिका को स्पष्ट करते हुए प्रशिक्षण सामग्री विकसित करने में सहायता करेगा और उन्हें उन जोखिमों के लिए प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने के लिए प्रोत्साहित करेगा, जबकि एनआईडीएम अपने प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षण सामग्री उपलब्ध कराने में सहायता करेगा और राज्यों/जिलों में संचार उपकरणों और सामग्री का प्रसार करेगा।

2020-2021 के दौरान यूनिसेफ ने एनआईडीएम की सहायता से निम्न उपकरण विकसित किये:-

- एसबीसीसी पर 90 मिनट का मॉड्यूल जिसे डीआरआर पर विभिन्न प्रशिक्षणों के साथ जोड़ा जा सकता है। मॉड्यूल में 60 मिनट एसबीसीसी की मूल अवधारणाओं के लिए और 30 मिनट विभिन्न आपदाओं जैसे बाढ़, चक्रवात, भूकंप और सार्वजनिक स्वास्थ्य की विशिष्ट एसबीसीसी जरूरतों के लिए दिये गए हैं।
- इस उद्देश्य से जुलाई, 2020 में राजस्थान राज्य (रीपा, जयपुर के सहयोग से) और त्रिपुरा (सिपार्ड, त्रिपुरा के सहयोग से) 2 वेबिनार आयोजित करके 60 मिनट के एसबीसीसी मॉड्यूल का प्रायोगिक परीक्षण किया गया। प्राप्त सुझावों के आधार पर माड्यूल को संशोधित किया गया और पूरे भारत के लगभग 20 विशेषज्ञों को भेजा गया। इन विशेषज्ञों से प्राप्त जानकारी के आधार पर मॉड्यूल को संशोधित किया गया और मार्च 2021 में आयोजित एक परामर्श बैठक में भी इसे सभी के सामने प्रस्तुत किया गया था।
- आपात स्थिति में बाढ़, चक्रवात, भूकंप और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर चार उप-मॉड्यूल भी विकसित किए गए हैं और विषय विशेषज्ञों द्वारा विधिवत समीक्षा के पश्चात् इन्हें संशोधित किया गया है। मॉड्यूल वर्तमान में मुद्रणाधीन हैं और एक बार डिज़ाइन और सत्यापित होने के बाद एनआईडीएम की वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।
- स्वास्थ्य, पोषण, वाश, शिक्षा, बाल संरक्षण आदि प्रमुख क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार की आपदाओं (ऊपर लिखित) के लिए महत्वपूर्ण व्यवहार संदेशों के साथ एसबीसीसी टूलकिट विकसित की गई हैं।

4.4 बहु-जोखिम पर्यावरण में समुत्थानशीलता और सतत विकास के लिए जलवायु अनुकूली योजना (सीएपी-आरईएस)

पृष्ठभूमि और संदर्भ: जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय ज्ञान मिशन (एनकेएमसीसी) के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार ने एनआईडीएम के सीईसीआर-ईसीडीआरएम प्रभाग द्वारा कार्यान्वित किए जाने वाले बहु-जोखिम पर्यावरण में समुत्थानशीलता और सतत विकास के लिए जलवायु अनुकूली योजना (सीएपी-आरईएस) कार्यक्रम

का समर्थन किया है। यह परियोजना पांच व्यापक विषयगत क्षेत्रों पर केंद्रित है जो वर्तमान और भविष्य के जलवायु प्रेरित आपदा जोखिम से निपटने के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं।

मुख्य लक्षित क्षेत्र/विषय: परियोजना में पांच विषयगत क्षेत्र शामिल हैं: क) हरित विकास और डीआरआर; ख) समुत्थानशील कृषि; ग) समुत्थानशील स्वास्थ्य; घ) आपदा राहत और रिकवरी के दौरान जलवायु रोधन; और ड.) डीआरआर में नीति उपकरण। सीएपी-आरईएस तीन विशिष्ट क्षेत्रीय संदर्भों पर केंद्रित है, अर्थात भारतीय हिमालय क्षेत्र (उत्तर पूर्व के लिए विशेष संदर्भ), तटीय क्षेत्र और मध्य पश्चिमी क्षेत्र। बाढ़, सूखा, पानी की कमी, जंगल की आग, चक्रवात/तूफान, तटीय क्षरण, ढलान कटाव/भूस्खलन, आंधी, ग्रीष्म लहर, रोग महामारी, औद्योगिक/रासायनिक जोखिम इत्यादि सहित क्षेत्र विशिष्ट जलवायु संबंधी जोखिम इत्यादि इसमें शामिल हैं।

उद्देश्य:

क) चरम घटनाओं और आपदा समुत्थानशीलता के लिए जलवायु जोखिम प्रबंधन के संदर्भ में ज्ञान और क्षमता अंतराल का आकलन करने के लिए विज्ञान-नीति-योजना-अभ्यास इंटरफेस का विश्लेषण;

ख) कमियों और चुनौतियों को दूर करने के लिए ज्ञान संग्रह के रूप में मामला अध्ययन और सर्वोत्तम प्रथाओं का दस्तावेजीकरण और संकलन;

ग) ज्ञान साझेदारी मंचों, नीतिगत टिप्पणियों, दृष्टिकोण पत्रों और लेखों के माध्यम से आपदा जोखिम प्रबंधन को जलवायु कार्यों के साथ एकीकृत करने के लिए नीति विश्लेषण और सहायता;

डी) क्षमता अंतराल विश्लेषण और ज्ञान आधारित संग्रह के परिणाम का उपयोग करके प्रशिक्षण रणनीति और डिजाइन, प्रशिक्षण मॉड्यूल, निर्देश मैनुअल, संदर्भ पठन सहित प्रशिक्षण क्षमता निर्माण के लिए टूलकिट विकसित करना, और

ई) विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से नीति निर्माताओं, प्रशिक्षकों और शोधकर्ताओं सहित प्रमुख पेशेवरों के ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण के संदर्भ में क्षमता वृद्धि करना।

दृष्टिकोण और तरीके

- उपकरणों पर विस्तृत चर्चा के लिए, आपदा जोखिम न्यूनीकरण और सतत विकास के लिए जलवायु समुत्थानशीलता पर विज्ञान नीति-नियोजन-अभ्यास को रेखांकित करते हुए अनुसंधान विधियों, विश्लेषण राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान-नीति-नियोजन-अभ्यास परामर्श कार्यशाला।
- आवश्यकता और क्षमता अंतराल का आकलन, प्रशिक्षण की आवश्यकता का विश्लेषण, पाठ्यचर्या के उद्देश्य और दायरे, प्रशिक्षण प्रारूप, प्रशिक्षण डिजाइन/मॉड्यूल और तरीके आदि।
- मामला अध्ययनों/अच्छे अभ्यासों का संग्रह विकसित करना (सभी 5 विषयगत क्षेत्रों को शामिल करते हुए 40-50 मामला अध्ययन, प्रत्येक विषयगत खंड में औसतन 8-10 मामला अध्ययन)।
- 5 विषयगत क्षेत्रों के अंतर्गत क्षेत्र विश्लेषण आधारित अध्ययन करना।

मुख्य परिणाम: परियोजना ने परामर्श बैठकों/कार्यशालाओं और सहयोगी अध्ययनों के माध्यम से जलवायु अनुकूलन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्र में संस्थानों के नेटवर्क और ज्ञान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस परियोजना ने विशेष प्रशिक्षण टूलकिट के विकास और कार्यान्वयन के माध्यम से प्रशिक्षण और क्षमता के अंतर को दूर करने में भी मदद की है।

प्रमुख परिदेय (प्रकाशन, रिपोर्ट, योजना आदि सहित)

- योजना और विज्ञान-नीति कार्यशाला
- आवश्यकता और क्षमता अंतराल आकलन रिपोर्ट
- संस्थागत मानचित्रण और एकीकरण रणनीति रिपोर्ट
- प्रशिक्षण मॉड्यूल
- प्रशिक्षण कार्यवाही (पाठों का दस्तावेज़ीकरण)
- योजना कार्यशाला का कार्यवाही वृतांत
- विषयगत नीति/तकनीकी प्रपत्र (पठन संदर्भ)
- पत्रिका प्रपत्र (अन्तर्राष्ट्रीय-विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा)
- मामला अध्ययन/ज्ञान संग्रह
- प्रशिक्षण कार्यक्रम
- नीति कार्यशाला
- राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम अभ्यास कार्यशाला
- प्रशिक्षु डेटाबेस
- राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम अभ्यास कार्यशाला
- संसाधन व्यक्ति डेटाबेस
- प्रशिक्षण सत्र संसाधन
- वीडियो दस्तावेज़ीकरण
- परियोजना समीक्षा दस्तावेज
- परियोजना प्रगति/तकनीकी रिपोर्ट

परियोजना के तहत आयोजित कार्यक्रम

- एनआईडीएम और आईआईटी इंदौर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "जल-मौसम विज्ञान और चरम घटनाए तथा आपदा जोखिम प्रबंधन" पर 3 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम, 1 से 21 जून 2020 (ऑनलाइन)
- "अर्न्तविषयक व्यावसायिक पाठ्यचर्या के माध्यम से आपदा जोखिम न्यूनीकरण" पर वेबिनार, 4 जून 2020 सुबह 10:00 से 11:30 बजे तक
- कोविड -19 पर वेबिनार: गलत व्यवहार की एक महामारी, 15 जून, 2020 सुबह 11.00 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान-नीति -सीएपी-आरईएस डीएसटी-जीओआई परियोजना के तहत जलवायु जोखिम प्रबंधन के लिए अभ्यास इंटरफेस, आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रधान मंत्री के 10 बिन्दु एजेंडा को लागू करना – बिन्दु 05 विज्ञान और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना, 25 से 27 अगस्त 2020 (ऑनलाइन)
- एनआईडीएम और एसपीए भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "समुत्थानशील बस्तियां - 2030 (स्थानिक योजना की भूमिका)" पर 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, 8-10 सितंबर 2020
- "प्राकृतिक त्रासदियों /आपदा के दौरान कृषि उपज का कटाई के बाद प्रबंधन" पर प्रशिक्षण, एनआईडीएम और आईसीएआर-सीआईपीएचईटी, लुधियाना द्वारा, अक्टूबर 2020 में संयुक्त रूप से आयोजित
- आईएसईसी, बैंगलोर और एनआईडीएम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "जलवायु समुत्थानशीलता और डीआरआर के लिए हरित विकास रणनीतियां: नीतियां, रास्ते और उपकरण" पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम, 26-28 नवंबर 2020 (ऑनलाइन)
- "कृषि में मौसम और आपदा तनाव से निपटना:नवाचार और विस्तार" पर 03 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, 09-11 दिसंबर 2020 (ऑनलाइन) एनआईडीएम और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित
- एनआईडीएम द्वारा पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और आईयूसीएन के साथ संयुक्त रूप से आयोजित "पर्वतीय जैव विविधता का संरक्षण: जलवायु परिवर्तन को संबोधित करना, प्रकृति आधारित समाधानों के माध्यम से आपदा जोखिम न्यूनीकरण" पर वेबिनार, 11 दिसंबर 2020
- "बर्ड फ्लू: एक स्वास्थ्य आपातकाल-जोखिम और प्रतिक्रिया" पर वेबिनार, 12 जनवरी 2021 11:00 बजे से दोपहर 12:30
- एनआईडीएम द्वारा स्प्रिंगर नेचर के साथ संयुक्त रूप से आयोजित "कोरोना वायरस के साथ रहना: 2021 और उसके बाद" पर वेबिनार, 18 जनवरी 2021 दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक

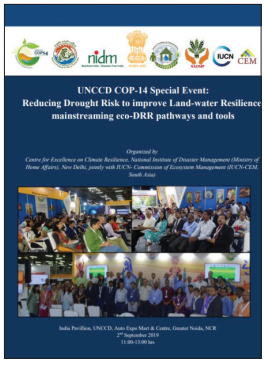
- "चिरस्थायी भविष्य तथा जलवायु परिवर्तन : अंतराल अनुकूलन रिपोर्ट 2020 से अंतर्दृष्टियां पर वेबिनार, 25 जनवरी 2021 दोपहर 3:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक
- एनआईडीएम और कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन में भविष्य के रुझान" पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, 27-29 जनवरी 2021 (ऑनलाइन)
- सीडीकेएन पहल के तहत एनआईडीएम और जीईएजी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'शहरी समुत्थानशीलता के लिए परि-नगरीय पारिस्थितिकी तंत्र: अनुभव साझा करना और ज्ञान उत्पादों का शुभारंभ' पर कार्यशाला का शुभारंभ, 23 फरवरी 2021 (मिश्रित माध्यम से)
- एनआईडीएम और एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "आपदा प्रबंधन में सतत जलवायु समुत्थानशीलता" पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, 17 से 19 मार्च 2021 (ऑनलाइन)

पहले से ही सम्पन्न परिदेय

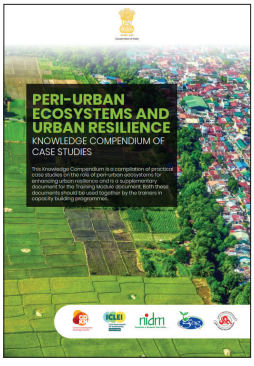
- कार्यवाही वृतांत : सीएपी-आरईएस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'आपदा समुत्थानशीलता और सतत विकास के लिए हरित - विकास'
- कार्यवाही वृतांत : सीएपी-आरईएस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान - नीति - जलवायु जोखिम प्रबंधन के लिए अभ्यास इंटरफेस'
- प्रशिक्षण कार्यशाला रिपोर्ट' जलवायु परिवर्तन, आपदा और स्वास्थ्य: महामारी विज्ञान और प्रतिक्रिया तैयारी'
- राष्ट्रीय परामर्शदात्री कार्यशाला रिपोर्ट: 'जलवायु समुत्थानशीलता के लिए प्रकृति आधारित समाधान'- भारतीय मैंग्रोव का भविष्य
- 'जल-मौसम विज्ञान और चरम घटनाएँ आपदा जोखिम प्रबंधन' पर प्रशिक्षण कार्यशाला रिपोर्ट
- 'जलवायु और आपदा समुत्थानशीलता के लिए हरित विकास लाभ: शहरी और बुनियादी ढांचा प्रणालियों के लिए चिंता' पर नीति संक्षेप
- 'भारत में समुत्थानशील कृषि का रोडमैप' पर नीति संक्षेप
- सार्वजनिक स्वास्थ्य समुत्थानशीलता पर नीति संक्षेप
- 'भारत में जलवायु संबंधी स्वास्थ्य अनुकूलन और समुत्थानशीलता : पूर्वी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र' पर नीति संक्षेप
- पुस्तक अध्याय-'क्षेत्रीय नीतियों, सामरिक उपकरणों और व्यापार निरंतरता के माध्यम से प्रकृति आधारित समाधान प्रवेश बिंदु'

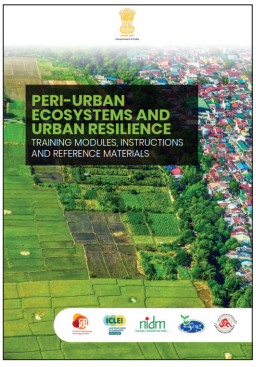
- पुस्तक अध्याय - 'एनबीएस के लिए सतत विकास लक्ष्यों को साकार और हासिल करने के लिए नए रास्ते और 2015 के बाद के लक्ष्य: समुत्थानशीलता निर्माण में परिवर्तनकारी दृष्टिकोण'
- 'इंटीग्रेटेड रिस्क ऑफ पैन्डेमिक: कोविड-19 इम्पैक्ट्स, रेजिलिएंस एंड रिकमेंडेशन्स' नामक पुस्तक में प्रकाशित अध्याय 'एन्हांसिंग एपिडेमिक रेजिलिएंस: प्लानिंग एंड इंस्टीट्यूशनल रेजिलिएंस' के साथ आईएसबीएन 978-981-15-7678-2 (प्रिंट)_978-981-15-7679-9
- 'जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम प्रबंधन पर नीति दस्तावेज' नामक पुस्तक में अध्याय 'जलवायु परिवर्तन - चरम आपदाएं और समुत्थानशील विकास के लिए आह्वान' (वर्तमान में प्रकाशन के लिए पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को प्रस्तुत) आईएसबीएन 978-981-15-7678-2 (प्रिंट)_978-981-15-7679-9
- पुस्तक अध्याय 'भारत में वन की आग पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव और जलवायु अनुकूली प्रबंधन रणनीतियाँ' नामक पुस्तक में 'जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम प्रबंधन पर नीति दस्तावेज़' (वर्तमान में प्रकाशन के लिए पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को प्रस्तुत)।
- 'इकोसिस्टम-बेस्ड डिजास्टर एंड क्लाइमेट रेजिलिएंस: इंटीग्रेशन ऑफ ब्लू-ग्रीन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन सस्टेनेबल डेवलपमेंट' पुस्तक में 'इकोसिस्टम-बेस्ड अप्रोच एंड पॉलिसी पर्सपेक्टिव फ्रॉम इंडिया' पर अध्याय : स्प्रिंगर जापान (2021)
- 'जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य क्षेत्र समुत्थानशीलता' पर राष्ट्रीय कार्यक्रम का कार्यवाही वृतांत
- भू-जल न्यूनीकरण : समुत्थानशीलता में सुधार के लिए सूखा जोखिम न्यूनीकरण ईकोडीआरआर विकल्पों और उपकरणों को मुख्यधारा में लाना पर यूएनसीसीडी के विशेष कार्यक्रम का कार्यवाही वृतांत
- एनआईडीएम-डब्ल्यूएचओ स्वास्थ्य संग्रह में 'आपातकाल के दौरान स्वास्थ्य प्रतिक्रिया: यमुना बाढ़ का मामला अध्ययन' शीर्षक से मामला अध्ययन
- 'पर्यावरण स्थिरता, हरित विकास और आपदा समुत्थानशीलता' पर सीएपी-आरईएस ज्ञान संग्रह
- जलवायु समुत्थानशील कृषि और सामाजिक-पारिस्थितिकी स्थिरता: एक मामला अध्ययन
- 'जलवायु परिवर्तन के तहत मध्य भारत में कृषि समुत्थानशीलता आकलन' पर एक मामला अध्ययन
- जलवायु परिवर्तन के तहत हिमालय में एकीकृत और समुत्थानशील कृषि प्रणाली का अध्ययन: कुमाऊं हिमालय के ऊपरी कोसी क्षेत्र में जलग्रहण का एक मामला

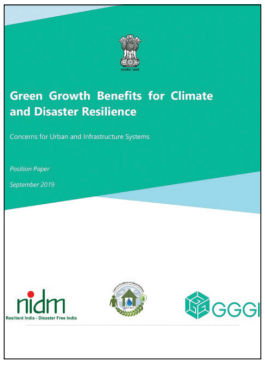
- जन स्वास्थ्य समुत्थानशीलता पर प्रशिक्षण संक्षेप
- जन स्वास्थ्य समुत्थानशीलता पर प्रशिक्षण मॉड्यूल
- समुत्थानशील कृषि प्रणाली पर प्रशिक्षण मॉड्यूल
- 'भारत के उत्तराखंड राज्य में जलवायु परिवर्तन और समुत्थानशील विकास पर स्थानीय सरकारी अधिकारियों की धारणा' पर पत्रिका प्रपत्र

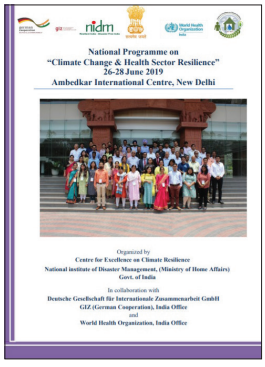




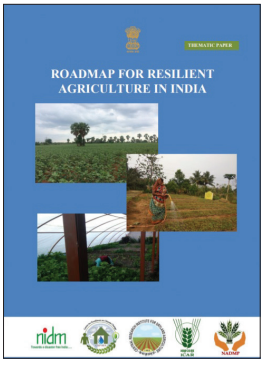


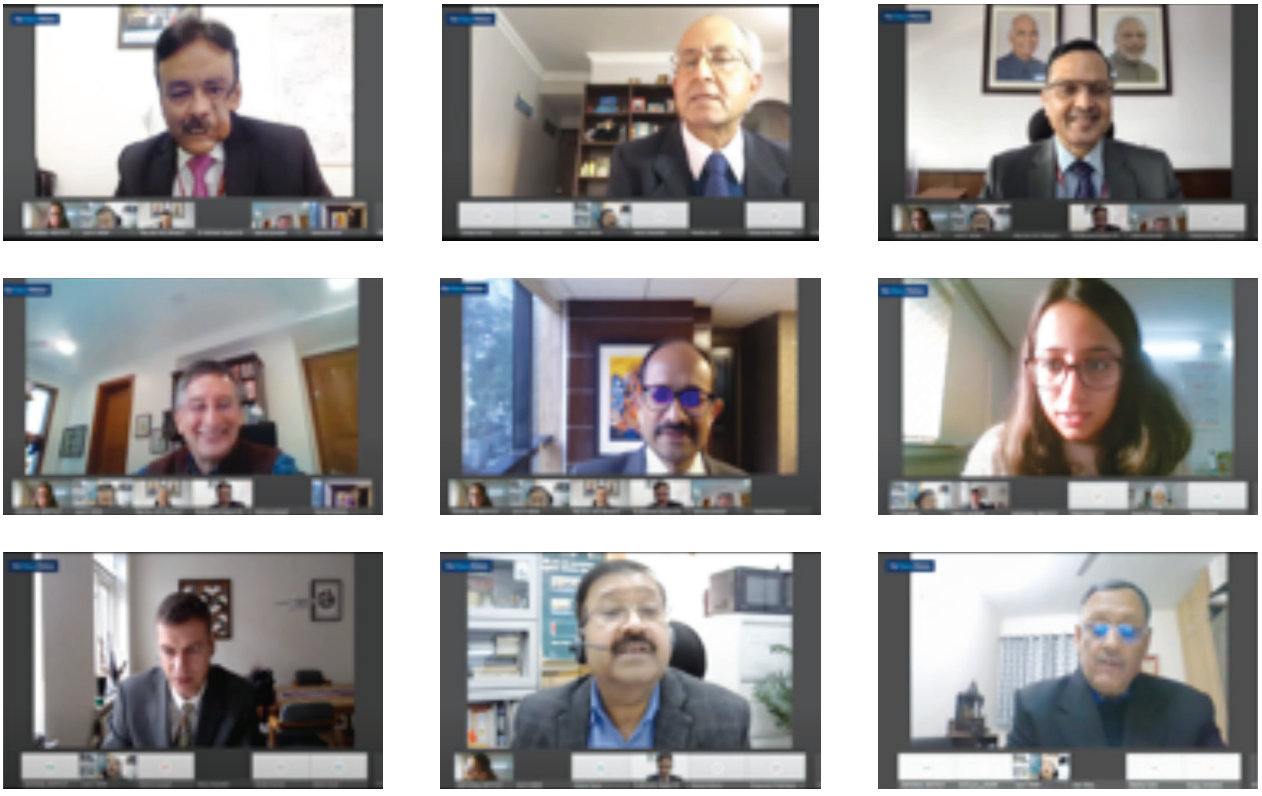












4.5 सीएमपी-डब्ल्यूबी परियोजना

शीर्षक: पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित कैबिनेट सचिवालय, नई दिल्ली द्वारा प्रदान किए गए (सीक्रेट) क्राइसिस मैनेजमेंट प्लान टेम्प्लेट (2019) के अन्तर्गत, "जल निकायों के संदूषण से निपटने के लिए संकट प्रबंधन योजना" (सीएमपी-डब्ल्यूबी)।

लक्ष्य: जल निकायों के संदूषण के लिए संकट प्रबंधन योजना तैयार करना (सीएमपी-डब्ल्यूबी) और जल संदूषण की सभी अप्रत्याशित घटनाओं, तैयारी, रोकथाम और रिकवरी के लिए एक मार्गदर्शिका प्रस्तुत करना।

उद्देश्य:

क) अचानक जल संदूषण से निपटने की तैयारियों के लिए संकट प्रबंधन योजना में मौजूदा कमियों और चुनौतियों को समझना।

ख) जल निकायों के संदूषण सम्बन्धी संकट प्रबंधन योजना के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करना।

कार्यप्रणाली: जल, शिक्षा, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, कृषि, जल स्वच्छता, ग्रामीण और शहरी विकास, उद्योग, चिकित्सा संस्थानों, निजी क्षेत्र और गैर-सरकारी संगठनों के विभिन्न हितधारकों के प्रतिनिधित्व के साथ एक विशेषज्ञ समूह समिति का गठन किया गया। मौजूदा वैश्विक संकट प्रबंधन योजनाओं और नीतियों का विश्लेषण करने के लिए व्यापक साहित्य समीक्षा की गई। एक सहभागी दृष्टिकोण अपनाते हुए एक राष्ट्रीय स्तर का परामर्श आयोजित किया गया जिसमें सभी केंद्रीय, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रमुख कार्यक्रम प्रबंधकों, जल क्षेत्र और अन्य गैर सरकारी संगठनों, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में काम करने वाले शैक्षणिक संगठनों के प्रतिनिधियों को विचार-विमर्श के लिए आमंत्रित किया गया था। इसके बाद, सभी विशिष्ट मुद्दों को समझने और क्षमता निर्माण योजना और वित्तीय रणनीतियों के साथ-साथ संकट प्रबंधन, तैयारी, चेतावनी, पहचान और मूल्यांकन, सुरक्षा और शमन, प्रतिक्रिया और स्थिति प्रबंधन, पुनर्वास और पुनर्प्राप्ति के सभी चरणों के बारे में चर्चा करने के लिए चार राष्ट्रीय परामर्श आयोजित किए गए। जल निकायों के संदूषण के लिए राष्ट्रीय संकट प्रबंधन योजना (सीएमपी-डब्ल्यूबी), प्रशिक्षण मैनुअल, नीति और विषयगत कागजात आदि को इस प्रकार नीति निर्माताओं और कार्यक्रम प्रबंधकों के लिए एक मार्गदर्शिका के रूप में काम करने के लिए तैयार किया गया था जिससे जल निकायों के अचानक संदूषण से जुड़ी संकट प्रबंधन समस्याओं का समाधान किया जा सके।

प्रगति:

- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के लिए 'जल निकायों के संदूषण के लिए राष्ट्रीय संकट प्रबंधन योजना' तैयार कर ली गई है।
- पहली राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला 27 मई 2020 को आयोजित की गई थी जिसमें मंत्रालयों, राज्य प्रदूषण बोर्डों जैसे पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, सीपीसीबी, एनआरसीडी, टीएसपीसीबी, एमपीसीबी, जीपीसीबी, एनईईआरआई, आरजीएनआईवायडी, एनआईएच, आईआईटीआर, सफदरजंग अस्पताल के प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- दूसरी राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला 13 अगस्त 2020 को आयोजित की गई जिसमें प्रमुख केंद्रीय मंत्रालयों (पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, सीपीसीबी, एनआरसीडी, सीडब्ल्यूसी, सीजीडब्ल्यूबी) और दस राज्य प्रदूषण बोर्डों / समितियों (यानी, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, असम, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश) और एनआरसीडी, टीएसपीसीबी, एमपीसीबी, जीपीसीबी, एनईईआरआई, आरजीएनआईवायडी, एनआईएच, आईआईटीआर, सफदरजंग अस्पताल, आदि से प्रतिभागी शामिल हुए।
- सीएम-डब्ल्यूबी योजना की समीक्षा के लिए 15 सितंबर 2020 को तीसरी कार्यकारी समूह की बैठक आयोजित की गई।
- सीपीसीबी परिसर में सीपीसीबी अधिकारियों के साथ सीएमपी-डब्ल्यूबी की समीक्षा के लिए 13 नवंबर 2020 को चौथी कार्य समूह की बैठक आयोजित की गई।
- जल निकायों के अचानक संदूषण के लिए सीएमपी-डब्ल्यूबी के लिए एक प्रसार कार्यशाला 19 मार्च 2021 को आयोजित की गई।

परिणाम:

- **राष्ट्रीय संकट प्रबंधन योजना**

  जल निकायों के संदूषण के लिए राष्ट्रीय संकट प्रबंधन योजना (2021) तैयार की गई। पर्यावरण, जलवायु और आपदा जोखिम प्रबंधन प्रभाग, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली।

- **प्रशिक्षण मैनुअल**

  जल निकायों के संदूषण के लिए राष्ट्रीय संकट प्रबंधन योजना (2021), पर एक प्रशिक्षण मैनुअल विकसित किया गया, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली।

- **मामलों का अध्ययन:**

  1) जल निकायों के संदूषण के लिए आपात स्थिति और संकट प्रबंधन (2021) - जलवायु परिवर्तन और संबंधित आपदाओं के साथ स्वास्थ्य अनुकूलन और समुत्थानशीलता मामलों के अध्ययन का एक संग्रह, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली (आईएसबीएन संख्या 978-93-82571 -52-0)

  2) चरम मौसम की घटनाओं के प्रभाव और परिणाम: जलवायु परिवर्तन और संबंधित आपदाओं के साथ स्वास्थ्य अनुकूलन और समुत्थानशीलता में लातूर जल संकट 2016 (2021) - मामलों के अध्ययन का एक संग्रह, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली (आईएसबीएन नंबर 978-93-82571-52-0)

- **पुस्तक अध्याय:**

  1) बिंदल, एस., आचार्य, पी., गुप्ता, ए.के. और किशोर, जे., 2020। एन्हांसिंग एपिडेमिक रेजिलिएंस: प्लानिंग एंड इंस्टीट्यूशनल रेजिलियैन्स (2020), इन्टीग्रेटेड रिस्क ऑफ पैन्डमिक: कोविड-19 इम्पैक्ट, रैजिलियैन्स एण्ड रिकम्मडेशनस, डिजास्टर रैजिलियैन्स एण्ड ग्रीन ग्रोथ, 481-496, स्प्रिंगर, सिंगापुर। (आईएसबीएन: 978-981-15-7679-9)https://doi.org/10.1007/978-981-15- 7679-9_1

4.6 आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए भारत विश्वविद्यालय और संस्थान नेटवर्क (आईयूआईएन) (आईयूर्आईएनडीआरआर-एनआईडीएम)

ह्योगो फ्रेमवर्क पर प्रथम कार्रवाई के लिए बनाया गया “आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए भारत विश्विद्यालय और संस्थान नेटवर्क (आईयूआईएन)”, जिसमें 'ज्ञान, नवाचार और शिक्षा को एक प्रमुख प्राथमिकता के रूप में सुरक्षा और समुत्थानशीलता की संस्कृति बनाने के लिए शमिल किया गया है, आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क 2015 - 2030, "आपदा जोखिमों को समझना" को अपनी पहली प्राथमिकता स्वीकार करता है। औपचारिक और अन-औपचारिक शिक्षा, अनुसंधान, नागरिक और व्यावसायिक शिक्षा तथा सभी स्तरों पर प्रशिक्षण सहित जागरूकता बढ़ाने को इस उद्देश्य को प्राप्त करने के कुछ महत्वपूर्ण साधनों के रूप में पहचाना गया है। उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई), विश्वविद्यालयों और अन्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी समुदायों के साथ भागीदारी की परिकल्पना, नवीन प्रौद्योगिकी और अनुसंधान को बढ़ावा देने, क्षमता विकास की सुविधा और स्थानीय जोखिमों का समाधान और सबसे कमजोर लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए निर्णय लेने में योगदान देने के लिए की गई है।

इस नेटवर्क की पृष्ठभूमि माननीय प्रधान मंत्री के 10 बिन्दू एजेंडा से उभरी है, जिसे उन्होंने 2016 में नई दिल्ली में भारत सरकार द्वारा आयोजित एशियाई मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के दौरान एशियाई और प्रशांत देशों के नेताओं के सामने रेखांकित किया था। माननीय प्रधान मंत्री के 10 बिन्दु एजेंडे का बिन्दु 6 "भारत में आपदा के मुद्दों पर काम करने के लिए विश्वविद्यालयों का एक नेटवर्क विकसित करने" की आवश्यकता पर जोर देता है। भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करने और विश्वविद्यालयों और संस्थानों के महत्व को ध्यान में रखते हुए, एनआईडीएम द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों और संस्थानों के नेटवर्क (आईयूआईएन-डीआरआर) की स्थापना की जा रही है।

इस नेटवर्क में, एनआईडीएम के अलावा, कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय और संस्थान, डीआरआर पर काम कर रहे अन्य हितधारकों के बड़े समूह के बीच आपदा जोखिम प्रबंधन से संबंधित ज्ञान, संसाधनों को साझा करने के लिए एक साथ आ रहे हैं। वर्तमान में, यह नेटवर्क सार्वजनिक डोमेन के लिए आईयूआईएनडीआरआर-एनआईडीएम के ऑनलाइन पोर्टल पर सभी विश्वविद्यालयों / संस्थानों को ला रहा है और वर्तमान में पूरे भारत के लगभग 100 विश्वविद्यालय और संस्थान आईयूआईएनडीआरआर-एनआईडीएम के भागीदार के रूप में नेटवर्क में शामिल हो गए हैं। इस नेटवर्क में कार्यकारी समिति के सदस्यों के रूप में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ के प्रतिनिधि भी शामिल हैं।

उद्देश्य:

आईयूआईएनडीआरआर-एनआईडीएम की स्थापना निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ की गई:

- आपदा जोखिम न्यूनीकरण और संबंधित क्षेत्र में कार्यान्वयन उन्मुख शिक्षा और अनुसंधान में विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका की मान्यता में वृद्धि करना;
- देश भर के विभिन्न राज्यों में शिक्षा और नीति के बीच इंटरफेस के लिए एक मंच प्रदान करना;

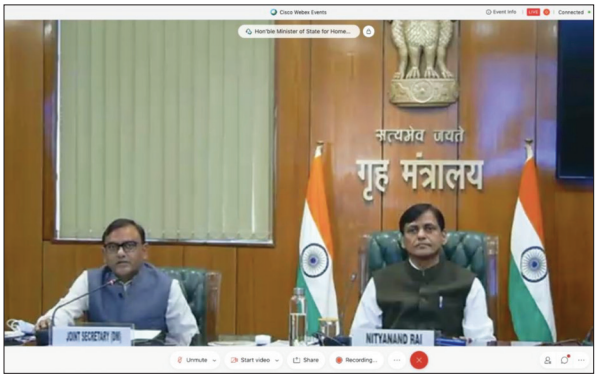
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्र में ज्ञान उत्पादों का दस्तावेजीकरण, विकास और प्रसार करना;
- उच्च शिक्षा में आपदा जोखिम न्यूनीकरण को बढ़ावा देने के लिए सहयोग करना और एक साथ काम करना (स्नातकोत्तर शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना, लेकिन यहां तक सीमित नहीं रहना);
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण और संबंधित विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए क्षेत्र आधारित और नीति उन्मुख अनुसंधान पर सहयोग करना;
- गैर सरकारी संगठनों, निजी क्षेत्र, मीडिया और स्थानीय सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के सहयोग से आपदा जोखिम न्यूनीकरण क्षेत्र में शिक्षा और सीखने के दायरे को व्यापक बनाना;
- परामर्श, सूचना साझा करने और सहयोग के लिए एक मंच प्रदान करना।

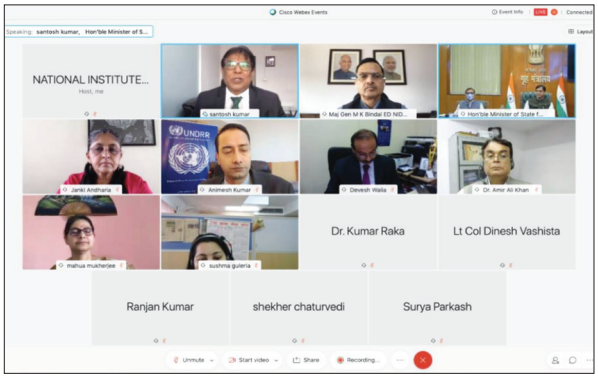
भारत के माननीय प्रधान मंत्री के 10 बिंदु एजेंडा के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, 25 फरवरी, 2021 को माननीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय द्वारा पूर्वाभास कार्यशाला का उद्घाटन किया गया।

डीआरआर पर माननीय प्रधान मंत्री के 10 बिन्दु एजेंडा को दोहराते हुए, इसके बिंदु 6 के विशेष उल्लेख के साथ विश्वविद्यालयों के नेटवर्क पर प्रकाश डालते हुए माननीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय द्वारा पूर्वाभास कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। उन्होंने केवल भारतीय राज्यों को ही नहीं बल्कि सार्क के सदस्य देशों, बिम्सटेक आदि को भारत द्वारा ज्ञान समर्थन पर जोर दिया। उन्होंने यूरोप में आपदा समुत्थानशीलता के लिए अकादमिक नेटवर्क (एंड्रॉइड), पर्यावरण और आपदा प्रबंधन के एशियाई विश्वविद्यालय नेटवर्क (एयूईडीएम), अफ्रीका यूनिवर्सिटी नेटवर्क (पेरीपेरी), एसोसिएशन ऑफ पैसिफिक रिम यूनिवर्सिटीज (एपीआरयू), आसियान यूनिवर्सिटी नेटवर्क (एयूएन) और आसिया-यूनिनेट का भी उल्लेख किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एनआईडीएम इस विश्वविद्यालय नेटवर्क की मदद से उन स्थानीय विशेषज्ञों की पहचान करे जो किसी नेटवर्क/संस्थान/विश्वविद्यालय से जुड़े नहीं हैं, लेकिन उनका ज्ञान महत्वपूर्ण हैं, उन्हें इसमें शामिल किया जाना चाहिए। विभिन्न संबंधित मुद्दों पर संकाय सदस्यों और संस्थानों से डेटा साझा करके इस क्षेत्र में आवश्यक शोध को सुविधाजनक बनाने में मदद मिलेगी। माननीय प्रधान मंत्री को उद्धृत करते हुए उन्होंने 'वसुदेव कुटुम्बकम' के आदर्श वाक्य के साथ भारत के विश्वगुरु बनने का उल्लेख किया। उन्होंने विश्वविद्यालयों के नेटवर्क को इस उद्देश्य से मजबूत करने पर जोर दिया कि इसका लाभ अंतिम छोर तक पहुंचे।

कार्यशाला के दौरान, श्री संजीव कुमार जिंदल, संयुक्त सचिव (डीएम), गृह मंत्रालय, मेजर जनरल मनोज कुमार बिन्दल, कार्यकारी निदेशक, एनआईडीएम, प्रो० संतोष कुमार, प्रमुख, जीआईडीआरआर, एनआईडीएम और एनआईडीएम तथा यूएनडीआरआर, टीआईएसएस, एमआईटी आईआईटी, नेहु जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के अन्य विशेषज्ञों ने डीआरआर और इससे संबंधित क्षेत्र के मुद्दों पर चर्चा की। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के कुल 366 प्रतिभागी और प्रतिनिधि इसमें शामिल हुए।

आईयूएनडीआरआर-एनआईडीएम. पूर्वाभास कार्यशाला की झलकियाँ





4.7 बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर), एनआईडीएम (वर्ष 2020-21)

बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण केंद्र (सीसीडीआरआर) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), गृह मंत्रालय, भारत सरकार और संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (यूनिसेफ) की एक संयुक्त पहल है। केंद्र की स्थापना दिसंबर, 2018 में हुई थी और मई, 2019 के बाद से इसने राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर विभिन्न मंत्रालयों की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से कार्य करना शुरू कर दिया है ताकि जलवायु सहित बच्चों पर अन्य आपदाओं के प्रभाव को रोकने, तैयारी करने और न्यूनीकरण के लिए उनकी क्षमताओं और योजनाओं को मजबूत किया जा सके। प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, अनुसंधान, नीति समर्थन और परामर्श सीसीडीआरआर केंद्र के हस्तक्षेप के प्रमुख क्षेत्र हैं।

सीसीडीआरआर केंद्र द्वारा आयोजित प्रशिक्षण का डेटा सारांश

वर्ष 2020-21 के दौरान, सीसीडीआरआर केंद्र ने 153 प्रशिक्षण, आयोजित किए। 47 तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण और 105 वार्तायें / एक-दिवसीय प्रशिक्षण सीसीडीआरआर द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में कुल लगभग 80,608 प्रतिभागियों ने भाग लिया; लगभग 22,211 प्रतिभागियों ने 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण में भाग लिया और लगभग 54,069 ने एक दिवसीय वार्ता / वेबिनार में भाग लिया। सीसीडीआरआर द्वारा मार्च 8-10, 2021 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में लगभग 4,328 प्रतिभागियों द्वारा उपस्थिति दर्ज की गई। वर्ष 2020-21 के दौरान सीसीडीआरआर प्रशिक्षण/वेबिनार वार्ता के लिए प्राप्त अभिव्यक्तियों की कुल संख्या लगभग 1,23,627 थी; तीन दिवसीय प्रशिक्षण (41,861) और एक दिवसीय वेबिनार वार्ता/प्रशिक्षण (81,766) के लिए। तालिका नीचे दी गई है ।

सीसीडीआरआर प्रशिक्षण 2020

श्रेणी	आयोजनों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
3-दिन ऑनलाइन	47	22,211
1-दिवसीय वेबिनार वार्ता/प्रशिक्षण	105	54,069
राष्ट्रीय सम्मेलन	1	4,328
कुल	**153**	**80,608**

कोविड-19 ने पूरी दुनिया में सभी गतिविधियों (आर्थिक, शैक्षिक, उत्पादन, परिवहन आदि) को ठप्प कर दिया, और इस सम्बंध में भारत कोई अपवाद नहीं था। सीसीडीआरआर एनआईडीएम ने समय की अभूतपूर्व आवश्यकता को समझते हुए, तुरंत अपने आमने-सामने के जमीनी हस्तक्षेपों और गतिविधियों को वर्चुअल प्लेटफॉर्म के लिए उपयुक्त ऑनलाइन मॉड्यूल में परिवर्तित किया और कोविड संबंधी मुद्दों और अन्य शिशु केन्द्रित विषयों पर "ऑनलाइन प्रशिक्षण" आयोजित करके जनता (हितधारकों) तक पहुंचना शुरू किया। महामारी के पूर्व और पश्चात् एक ही प्रकार के संसाधनों के साथ सीसीडीआरआर केंद्र ने प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के अपने प्रयासों को जारी रखा।

सीसीडीआरआर केन्द्र यूनिसेफ द्वारा समर्पित सरकार (एनआईडीएम-एमएचए) की पहली ऐसी ईकाई बना जिससे देश के सभी 36 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में 336 विशेषज्ञों / पेशेवरों के सहयोग से 153 ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित किए और केंद्र और राज्य सरकार, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राज्य आपदा प्रबंधन बल, प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान, नागरिक सुरक्षा, एनसीसी, एनएसएस, एनवाईकेएस, राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों (स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायती राज, ग्रामीण विकास, राजस्व, महिला एवं बाल कल्याण, पुलिस विभाग और अन्य संबंधित विभाग), शिक्षाविद, नागरिक समाज संगठन, माता-पिता, शिक्षक, छात्र इत्यादि 80,608 हितधारकों को प्रशिक्षित किया। सीसीडीआरआर के लगभग 30 प्रतिशत कार्यक्रम तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण थे और 70 प्रतिशत एक दिवसीय वेबिनार वार्ता / प्रशिक्षण थे।

मील के पत्थर 2020-21: सीसीडीआरआर 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में शामिल

सीसीडीआरआर केन्द्र, एनआईडीएम ने असाधारण जोश और अनुकरणीय गतिशीलता के साथ प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच अभूतपूर्व समय में अपनी व्यावसायिकता के लिए एक मुकाम हासिल किया और अपनी उपलब्धियों को दो बार दर्ज करके प्रतिष्ठित इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह बनाकर एक मील का पत्थर स्थापित किया। सीसीडीआरआर केंद्र की दो उपलब्धियों के बाद, एनआईडीएम ने इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के वर्ष 2021 के संस्करण में स्थान अर्जित किया है:

रिकॉर्ड शीर्षक और विवरण

आपदा जोखिम प्रबंधन पर लाइव सत्र में अधिकतम भागीदारी

आपदा जोखिम प्रबंधन पर लाइव सत्र में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की अधिकतम संख्या 7,319 है और यह रिकॉर्ड 'बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) केंद्र', राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया है। 14 सितंबर, 2020, "आपदा जोखिम प्रबंधन की बुनियादी अवधारणा" पर लाइव सत्र आयोजित किया गया था, जिसमें सिस्को वेबएक्स प्लेटफॉर्म पर 1,952 और यू ट्यूब लाइव पर 5,367 प्रतिभागी पंजीकृत थे, जैसा कि 5 अप्रैल, 2021 को पुष्टि की गई थी।

बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर ऑनलाइन सत्र में अधिकतम भागीदारी

'बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) केंद्र', राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित ऑनलाइन सत्रों में भाग लेने वाले लोगों की अधिकतम संख्या। यह सत्र 14 सितंबर और 16 सितंबर, 2020 के बीच सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक आयोजित किया गया था, जिसमें 6,5157 प्रतिभागी सिस्को वेबएक्स पर और 11,277 प्रतिभागी यू ट्यूब लाइव पर पंजीकृत थे, जिसकी 5, अप्रैल 2021 को पुष्टि की गई थी।

अनुसंधान अध्ययन (वर्ष 2020-21)

इस अवधि के दौरान सीसीडीआरआर केंद्र द्वारा निम्नलिखित शोध अध्ययन भी आरम्भ और सम्पन्न किए गए:

- सुनामी से अनाथ बच्चों की पंद्रह साल की चुनौतियों, मुद्दों और सफलता पर अध्ययन
- भारत में बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण सम्बन्धी जागरूकता पर अध्ययन
- सुनामी द्वारा अनाथ बच्चों की बुराइयों और उपलब्धियों पर अध्ययन
- बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण शीर्षक से पुस्तक का मसौदा: भारतीय संदर्भ
- सीसीडीआरआर पर प्रशिक्षण मैनुअल
- सभी 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए कोविड-19 के संबंध में दैनिक अद्यतन जानकारी
- लॉकडाउन 1.0, 2.0, 3.0 और 4.0 तथा 1.0, 2.0, 3.0, 4.0 और 5.0 लॉकडाउन हटाने पर रिपोर्ट
- एनआईडीएम के आदेशानुसार अंतर्राज्यीय यात्रा और प्रवासी कामगारों पर रिपोर्ट
- एनआईडीएम के आदेशानुसार कोविड-19 मामलों के दोगुने होने की दर पर रिपोर्ट
- लॉकडाउन, जोखिम जागरूकता और निगरानी पर कोविड-19 के संदर्भ में अध्ययन

- यूनिसेफ के लिए बहु-खतरा भेद्यता डेटा
- सीसीडीआरआर केंद्र, एनआईडीएम द्वारा तैयार किए गए छह शोध प्रस्ताव

4.8 एचईआर-सीएपी परियोजना

शीर्षक: "स्वास्थ्य अनुकूलन और समुत्थानशीलता : सामरिक ज्ञान और क्षमताओं को आगे बढ़ाना" (एचईआर-सीएपी) विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) भारत के सहयोग से

पृष्ठभूमि और संदर्भ: विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) भारत के सहयोग से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान ने प्रशिक्षण टूलकिट, नीति, विषयगत प्रपत्र, केस स्टडी आदि का संग्रह तैयार करने के उद्देश्य से "स्वास्थ्य अनुकूलन और समुत्थानशीलता : सामरिक ज्ञान और क्षमताओं को आगे बढ़ाना" (एचईआर-सीएपी) परियोजना को लागू किया है, जो हितधारकों को जलवायु परिवर्तन और आपदाओं के कारण उत्पन्न होने वाले स्वास्थ्य सम्बंधी मुद्दों के अनुकूलन की संरचना के नियोजन में मदद करेगी।

मुख्य लक्षित क्षेत्र और विषय:

- समुत्थानशील स्वास्थ्य सेवाओं और प्रणालियों को विकसित करने के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र की तैयारियों में मौजूदा कमियों और चुनौतियों को समझना ताकि जलवायु परिवर्तन सम्बंधी आपदाओं के स्वास्थ्य पर प्रभावों का शमन और प्रबंधन किया जा सके तथा तैयारी और क्षमता को सुदृढ़ बनाने में संस्थाओं की सहायता करना जलवायु सम्बंधी आपदाओं के प्रभावों का शमन करना।

उद्देश्य:

- जलवायु प्रभावों से निपटने के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र की तैयारियों में मौजूदा कमियों और चुनौतियों को समझना;
- भारत के विभिन्न भागों में आपदाओं के बाद सूचना डेटाबेस तैयार करना और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार करना;
- नीति/विषयगत प्रपत्र, प्रशिक्षण मैनुअल और केस स्टडी के संग्रह के रूप में एक व्यापक पठन सामग्री विकसित करना।

दृष्टिकोण और कार्यप्रणाली

स्वास्थ्य, शिक्षा, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, कृषि, जल स्वच्छता, ग्रामीण और शहरी विकास, उद्योग, चिकित्सा संस्थानों, निजी क्षेत्र और गैर-सरकारी संगठनों के क्षेत्रों के विभिन्न हितधारकों के प्रतिनिधित्व के साथ एक विशेषज्ञ समूह समिति का गठन किया गया था। मौजूदा वैश्विक अनुकूलन योजनाओं और नीतियों का विश्लेषण करने के लिए व्यापक साहित्य समीक्षा की गई। एक सहभागी दृष्टिकोण अपनाया गया और एक राष्ट्रीय स्तर का परामर्श आयोजित किया गया, जिसमें सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रमुख कार्यक्रम प्रबंधक, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और अन्य गैर सरकारी संगठनों, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को विचार-विमर्श के लिए आमंत्रित किया गया।

इसके बाद, सभी क्षेत्र विशिष्ट मुद्दों को शामिल करने के लिए चार क्षेत्रीय परामर्श आयोजित किए गए। इस तरह राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुकूलन योजना (एनएचएपी), प्रशिक्षण मैनुअल, केस स्टडी का संग्रह, नीति और विषयगत प्रपत्र इत्यादि इस प्रकार नीति निर्माताओं और कार्यक्रम प्रबंधकों के लिए जलवायु परिवर्तन से संबंधित आपदाओं से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान करने और अनुकूलित करने के लिए एक मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करने के लिए तैयार किए गए थे। .

प्रमुख परिणाम:

- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए 'आपदा संबंधित बीमारियों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुकूलन योजना' तैयार की गई है;
- आपदा से संबंधित बीमारियों के लिए एनएचएपी के लिए 29 सितंबर 2020 को एक प्रसार कार्यशाला आयोजित की गई;
- 'स्वास्थ्य अनुकूलन और जलवायु जोखिमों के प्रति समुत्थानशीलता' शीर्षक से एक प्रशिक्षण मैनुअल विकसित और प्रकाशित किया गया हैं।
- 'स्वास्थ्य अनुकूलन और जलवायु परिवर्तन और संबंधित आपदाओं के प्रति समुत्थानशीलता' पर केस स्टडी का एक संग्रह और प्रकाशित विकसित किया गया है, जिसमें 22 केस स्टडी शामिल की गई हैं ।
- 'तापमान संबंधी आपदाएं: गर्मी और शीत लहरें (स्वास्थ्य अनुकूलन पर प्रभाव और समुत्थानशीलता)' शीर्षक के साथ से एक विषयगत प्रपत्र तैयार और प्रकाशित किया गया है।
- 'जल संबंधी आपदाएं: बाढ़ और सूखा (स्वास्थ्य अनुकूलन और समुत्थानशीलता के लिए निहितार्थ)' शीर्षक के साथ एक अन्य विषयगत प्रपत्र भी विकसित और प्रकाशित किया गया है।
- इसके अलावा, 'वायु प्रदूषण और सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति' और 'आपदाओं और आपात स्थितियों में स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए पर्यावरण सेवाएं' पर दो अन्य विषयगत पत्रों का मसौदा तैयार किया गया है ।
- क्षेत्रीय मुद्दों को सम्मिलित करते हुए 'जलवायु संबंधी स्वास्थ्य अनुकूलन और भारत में समुत्थानशीलता' पर चार नीति पत्र तैयार किए गए हैं।

मुख्य प्रदेय

- **राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुकूलन योजना:**

  आपदा संबंधी बीमारियों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुकूलन योजना (2021) का मसौदा तैयार किया गया है । पर्यावरण, जलवायु और आपदा जोखिम प्रबंधन प्रभाग, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली

- **प्रशिक्षण मैनुअल:**

  स्वास्थ्य अनुकूलन और जलवायु जोखिमों के प्रति समुत्थानशीलता पर एक प्रशिक्षण मैनुअल (2021), तैयार किया गया, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली (आईएसबीएन संख्या 97893-82571-53-7)

- **केस स्टडी संग्रह:**

  जलवायु परिवर्तन और संबंधित आपदाओं के लिए स्वास्थ्य अनुकूलन और समुत्थानशीलता पर केस स्टडी का एक संग्रह (2021), तैयार किया गया, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली (आईएसबीएन नंबर 978-93-82571-52-0)

- **केस स्टडी:**

  1) **जलवायु परिवर्तन और संबंधित आपदाओं के साथ स्वास्थ्य अनुकूलन और समुत्थानशीलता में जल निकायों (2021)** के संदूषण के लिए आपात स्थिति और संकट प्रबंधन - केस स्टडी का एक संग्रह, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली **(आईएसबीएन नंबर 978-93-82571 -52-0)**

  2) **चरम मौसम की घटनाओं के प्रभाव और परिणाम : लातूर जल संकट 2016 (2021), जलवायु परिवर्तन और संबंधित आपदाओं के साथ स्वास्थ्य अनुकूलन और समुत्थानशीलता** - केस स्टडी का एक संग्रह, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली **(आईएसबीएन नंबर 978-93-82571-52-0)**

- **विषयगत प्रपत्र:**

  1) **जल संबंधित आपदाएं:** बाढ़ और सूखा - स्वास्थ्य अनुकूलन और समुत्थानशीलता पर प्रभाव (2021) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली **(आईएसबीएन नंबर 978-93-82571-54-4)**

  2) **तापमान संबंधी आपदाएं: ग्रीष्म और शीत लहर** - स्वास्थ्य अनुकूलन और समुत्थानशीलता पर प्रभाव (2021) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली **(आईएसबीएन नंबर 978-93-82571-55-1)**

- **नीति पत्र:**

  1) **भारत में जलवायु संबंधी स्वास्थ्य अनुकूलन और समुत्थानशीलता: उत्तरी क्षेत्र** (2021) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली।

  2) **भारत में जलवायु संबंधी स्वास्थ्य अनुकूलन और समुत्थानशीलता: पूर्वी और उत्तर पूर्वी क्षेत्र** (2021) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली।

3) **भारत में जलवायु संबंधी स्वास्थ्य अनुकूलन और समुत्थानशीलता: दक्षिणी क्षेत्र** (2021) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली।

4) **भारत में जलवायु संबंधी स्वास्थ्य अनुकूलन और समुत्थानशीलता: पश्चिमी क्षेत्र** (2021) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली।

- **पुस्तक अध्याय:**

1) **लेसन्स फ्रॉम ट्रांस-डोमेन एसेसमेंट ऑफ कोविड 19 आउटब्रेक (2020),** इन्टीग्रेटेड रिस्क ऑफ पैन्डमिक : कोविड 19 इम्पैक्टस, रेजिलियैन्स एण्ड रिकम्मडेशनस, डिजास्टर रेजिलियैन्स एण्ड ग्रीन ग्रोथ, 481-496, स्प्रिंगर, सिंगापुर। **(आईएसबीएन: 978-981-15-7679-9)** https://doi.org/10.1007/978-981-15-7679-9-24

2) **लेसन्स फ्रॉम ट्रांस-डोमेन एसेसमेंट ऑफ कोविड 19 आउटब्रेक (2020),** इन्टीग्रेटेड रिस्क ऑफ पैन्डमिक : कोविड 19 इम्पैक्टस, रेजिलियैन्स एण्ड रिकम्मडेशनस, डिजास्टर रैजिलियैन्स एण्ड ग्रीन ग्रोथ, 3-20, स्प्रिंगर, सिंगापुर। **(आईएसबीएन: 978-981-15-7679-9)** https://doi.org/10.1007/978-981-15-7679-9-1

3) **हैल्थ सेक्टर रेजिलियैन्स टू क्लाईमेट रिलेटेड डिजास्टर्स ;** इंडियाज एक्सपीरियंस ऑफ नेशनल हैल्थ एडेप्टेशन प्लानिंग (2021) (पुस्तक के लिए प्रस्तुत– पर्सपेक्टिव्स ऑफ एनवायरमेंटल हैल्थ एण्ड इटस मैनेजमेंट, प्रकाशक: टेयलर एण्ड फ्रांसिस) : **(आईएसबीएन: 9781003095422-21) https://doi.org/10.1201/9781003095422.**

4) **रिसर्च चेलेंजस इन डिजास्टर प्रीपेयरडनेस एण्ड ईमरजेंसी प्लानिंग मेजर्स फॉर मैनेजमेंट ऑफ एअर पॉल्यूशन** एण्ड रिलेटेड एक्सट्रीम्स (2021) (सब्मिटिड टू बुक – एक्सट्रीम्स इन एटमॉसफेरिक प्रोसेस एण्ड फेनोमिना : एसेसमेंट, इम्पैक्ट एण्ड मिटिगेशन, प्रकाशन : स्प्रिंगर-नेचर) **(आईएसबीएन:: 978-981-16-7727-4)**

5) **जलवायु परिवर्तन संबंधी आपदाएं और स्वास्थ्य समुत्थानशीलता:** जलवायु परिवर्तन और संबंधित आपदाओं के लिए स्वास्थ्य अनुकूलन और समुत्थानशीलता में एक सिंहावलोकन - केस स्टडी का एक संग्रह (2021) **(आईएसबीएन नंबर 978-93-82571-52-0)**

6) **जलवायु परिवर्तन संबंधी आपदाएं और स्वास्थ्य समुत्थानशीलता:** जलवायु परिवर्तन और संबंधित आपदाओं के लिए स्वास्थ्य अनुकूलन और समुत्थानशीलता में सबक और आगे की राह - केस स्टडी का एक संग्रह (2021) **(आईएसबीएन नंबर 978-93-82571-52-0)**

4.9 एनईएफसी-डीएमपी परियोजना

(पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सहयोग से इस मंत्रालय के लिए राष्ट्रीय, पर्यावरण वन और जलवायु आपदा प्रबंधन योजना)

पृष्ठभूमि और संदर्भ:

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, पर्यावरण, वानिकी और जलवायु परिवर्तन संबंधी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की योजना, प्रचार, समन्वय और निगरानी के लिए केंद्र सरकार के प्रशासनिक ढांचे में नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रधान मंत्री का 10 बिन्दु एजेंडा, बिन्दु 1 के द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क, पेरिस जलवायु समझौते और एसडीजी को लागू करने की दिशा में एकीकृत दृष्टिकोण बनाता है, अर्थात सभी क्षेत्रों में आपदा जोखिम प्रबंधन के सिद्धांतों को आत्मसात करने के लिए आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन (डीएम) नीति 2009 के तहत अधिदेश का उपयोग किया जाएगा। डीएम अधिनियम की धारा 35 (i) जोखिम शमन के माध्यम से आपदा रोकथाम के उपाय करना, केंद्र सरकार के मंत्रालयों के स्तर पर विकास योजनाओं और परियोजनाओं में तैयारी और वित्तीय संसाधनों को मुख्यधारा में लाने का आह्वान करती है। इसकी धारा 36 मंत्रालयों की भूमिका पर है जिसमें आपदाओं की रोकथाम, शमन और तैयारी, नीतियों, कानूनों, नियमों और विनियमों की समीक्षा करना, आपदा रोकथाम, शमन और तैयारियों के प्रावधानों को एकीकृत करना शामिल हैं:, धारा 37 (i) में उन तरीकों का उल्लेख है जिनके अनुसार प्रत्येक मंत्रालय रोकथाम और शमन (राष्ट्रीय योजना के अनुसार), विकास योजनाओं और कार्यक्रमों में जोखिम शमन के एकीकरण, तैयारी और क्षमता निर्माण, वित्तीय प्रावधानों और भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के लिए अपनी योजना तैयार करेगा। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) को डीएम अधिनियम 2005 के तहत सरकार/मंत्रालयों और संबंधित एजेंसियों को उनकी नीतियों, योजनाओं, क्षमता निर्माण और अनुसंधान आदि के विकास में सहायता करने का अधिदेश प्राप्त है।

मुख्य लक्षित क्षेत्र:

पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की डीएम योजना बहु-जोखिम खतरों और कमजोरियों, समुत्थानशीलता निर्माण के लिए बहु-आयामी दृष्टिकोण, और समग्र रूप से भारत में पर्यावरण प्रणाली के सभी पहलुओं को शामिल करने के साथ-साथ पर्यावरण क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करेगी, जैसा कि मंत्रालय को आवंटित उत्तरदायित्वों में स्पष्ट किया गया है। इसमें पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय सहित खान मंत्रालय, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, रसायन और उर्वरक मंत्रालय इत्यादि को प्राप्त अनुदेशों से सम्बद्ध बुनियादी ढांचा/प्रतिष्ठान, संसाधन, लोग, सेवाएं और गतिविधियां, अन्य क्षेत्रों/मंत्रालयों विभागों और हितधारकों के बीच उनकी विभिन्न स्तरों पर अन्योन्याश्रयता शामिल है।

उद्देश्य:

पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की डीएम योजना के प्रमुख उद्देश्यों में निम्नलिखित तत्व शामिल होंगे -

क) मंत्रालय और उसके विभागों/प्रतिष्ठानों के तहत आपदाओं और चरम घटनाओं से बुनियादी ढांचे, परिसम्पत्तियों, संपत्ति और संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना;

ख) यह सुनिश्चित करना कि गतिविधियां (भौतिक विकास और व्यवस्थित प्रथाओं / संचालन सहित) आपदा जोखिम खतरे और भेद्यता को और गंभीर न बनाए;

ग) यह सुनिश्चित करना कि मंत्रालय/क्षेत्र के तहत जारी गतिविधियां/कार्यक्रम और योजनाएं आपदाओं और चरम घटनाओं के जोखिम के प्रति समुत्थानशीलता में वृद्धि करें; और

घ) यह सुनिश्चित करना कि मंत्रालय और संबद्ध क्षेत्र तथा घटक किसी भी आपदा या आपातकालीन स्थितियों से उत्पन्न होने वाली स्थितियों से निपटने के लिए सभी स्तरों पर तैयार हो।

दृष्टिकोण और विधि:

- योजना की संरचना व्यापक रूप से डीएम अधिनियम 2005 के तहत परिभाषित व्यापक पहलुओं के अनुसार तैयार की जाएगी, जो एनडीएमए द्वारा दिए गए टेम्पलेट पर आधारित होगी, जो क्षेत्र/मंत्रालय की जरूरतों के अनुकूल और राष्ट्रीय डीएम योजना, डीआरआर पर सेंडाई फ्रेमवर्क, प्रधानमंत्री के 10 बिंदु एजेंडा और सतत विकास लक्ष्यों के साथ तालमेल स्थापित करने और बनाए रखने पर आधारित होगी। ,

- योजना का मसौदा तैयार करके, जोखिम मानचित्रण सहित विस्तृत एचआरवीए प्रक्रिया का मूल्यांकन करके, रोकथाम के घटकों, शमन और प्रतिक्रिया, रिकवरी योजनाओं, आदि में पेशेवर सहायता के साथ एनआईडीएम द्वारा सुगम भागीदारी प्रक्रिया के तहत यह योजना तैयार की जाएगी और परामर्श प्रक्रिया कार्यशालाओं/बैठकों के माध्यम से इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

- व्यापक जोखिम-खतरा, भेद्यता और क्षमता मूल्यांकन, तथा अंतराल और आवश्यकता विश्लेषण मंत्रालय (क्षेत्र, प्रणालियों और बुनियादी ढांचे / प्रतिष्ठानों सहित) के लिए सभी जोखिम खतरों के समाधान के लिए वर्णनात्मक सह निर्देशात्मक दृष्टिकोण के संयोजन से घटक-वार किया जाएगा।

- मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत संस्थानों/प्रतिष्ठानों की डीएम योजना मार्गदर्शक मैनुअल तथा मॉडल/टेम्पलेट के साथ निर्देशात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से प्रस्तुत की जाएगी।

मुख्य परिणाम: पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के लिए एनईएफसी-डीएमपी योजना।

प्रमुख प्रदेय :

- विषयगत प्रपत्र
- प्रशिक्षण मैनुअल

4.10 अवसंरचना (रोहिणी और दक्षिणी परिसर)

4.10.1 नई दिल्ली के रोहिणी में एनआईडीएम के नए परिसर की आधारभूत संरचना के विकास में प्रगति

डीडीए ने भूखंड संख्या 15, ब्लॉक बी, सेक्टर 29 रोहिणी में एनआईडीएम के परिसर की स्थापना के लिए 2.87 हेक्टेयर भूमि आवंटित की । गृह मंत्रालय द्वारा एनआईडीएम के परिसर की स्थापना के लिए 59.19 करोड़ रुपए आबंटित किए गए और एनबीसीसी के माध्यम से कार्य को करने की मंजूरी दी गई ।

मार्च 2021 तक कार्य की भौतिक प्रगति कार्य के प्रारंभिक आकलन का लगभग 99% है और परिसर को पूरी तरह कार्यात्मक बनाने के लिए कुछ अतिरिक्त/आवश्यक कार्य करना अपेक्षित है। हालांकि, गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार, एनआईडीएम 30.03.2021 से एनडीसीसी-द्वितीय से रोहिणी परिसर में स्थानांतरित हो गया है। परिसर में निम्नलिखित ब्लॉक शामिल हैं:

- **प्रशासनिक और प्रशिक्षण ब्लॉक**

  प्रशासनिक और प्रशिक्षण ब्लॉक भूतल+4 मंजिला भवन है जिसका निर्मित क्षेत्र 5162 वर्ग मीटर है। इसमें कार्यकारी निदेशक का कार्यालय कक्ष, संयुक्त निदेशक, प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, परामर्शदाता, सहायक प्रोफेसर और प्रशासनिक कर्मचारी कार्यालय, 300 व्यक्तियों की क्षमता वाला सभागार, 100 व्यक्तियों की क्षमता वाला सम्मेलन हॉल, व्याख्यान हॉल, ग्राफिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) लैब, आपातकालीन संचालन केन्द्र (ईओसी), बैठक कक्ष, पुस्तकालय और भोजन हॉल शामिल हैं।

- **छात्रावास ब्लॉक**

  छात्रावास ब्लॉक भूतल+4 मंजिला इमारत है जिसका निर्मित क्षेत्र 3803.5 वर्ग मीटर है। इसमें एकल उपयोग के 68 कमरे, 10 सूट, पेंट्री और डाइनिंग हॉल, मनोरंजन सुविधाओं के लिए कॉमन रूम शामिल हैं।

- **आवास**

  आवासीय ब्लॉक स्टिलट+4 मंजिला इमारत है जिसका निर्मित क्षेत्र 2502.5 वर्ग मीटर है। इसमें टाइप VI का 1, टाइप V के 04, टाइप IV के 04, टाइप III के 08 और टाइप II के 04 आवास शामिल हैं।

- **एच.टी. सबस्टेशन**

  परिसर में चौबीसों घंटे बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक एच.टी. सबस्टेशन, एचटी पैनल, एलटी पैनल, ऑटो करेक्टिंग पैनल और डीजी सेट स्थापित किया गया है।

- **सौर ऊर्जा प्रणाली, एसटीपी और वर्षा जल संचयन के लिए प्रावधान**

  परिसर में 175.9 किलोवाट क्षमता की सौर ऊर्जा प्रणाली, एसटीपी और वर्षा जल संचयन का प्रावधान है।

- **अग्निशमन व्यवस्था**

  दुर्भाग्यपूर्ण आग की घटना के खतरे से निपटने के लिए परिसर में इमारतें अग्निशामक उपकरणों से सुसज्जित हैं, जिनमें अग्निशामक यंत्र, धुयें का पता लगाने, स्प्रिंकलर और हाइड्रेंट सम्बंधी प्रणाली शामिल हैं।

एक सीमिति जिसमें एनआईडीएम से प्रो. ए.के. गुप्ता, लेफ्टिनेंट कर्नल डीसी वशिष्ठ, डॉ अजिंदर वालिया और अभियंता जे.एन. झा तथा स्वतंत्र सदस्य के रूप में अभियंता दिनेश कुमार, पूर्व मुख्य अभियंता एवं सदस्य इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियर्स, सम्मिलित हैं, एनआईडीएम परिसर के निर्माण की भौतिक प्रगति और गुणवत्ता की निगरानी कर रही है। निगरानी समिति के साथ अतिरिक्त सचिव (यूटी), संयुक्त सचिव (डीएम), गृह मंत्रालय, कार्यकारी निदेशक और संयुक्त निदेशक के दौरे के दौरान ली गई अद्यतन तस्वीरें इस प्रकार हैं:







4.10.2 आंध्र प्रदेश में एनआईडीएम दक्षिणी परिसर के बुनियादी ढांचे के विकास की प्रगति

आंध्र प्रदेश सरकार ने एनआईडीएम दक्षिणी परिसर की स्थापना के लिए आंध्र प्रदेश के गन्नवरम मंडल कृष्णा जिले के कोंडापोवल्लुरु गांव में 10 एकड़ भूमि आवंटित की। एमएचए ने रुपये मंजूर किए हैं। एनआईडीएम के परिसर की स्थापना के लिए 43 करोड़ और एनबीसीसी के माध्यम से कार्य करने की स्वीकृति प्रदान की।

मार्च 2021 तक कार्य की भौतिक प्रगति इस प्रकार है:

क) प्रशासनिक ब्लॉक-संरचना का काम पूरा।

ख) छात्रावास ब्लॉक-संरचना का काम पूरा हो गया।

ग) निवास प्रकार II, प्रकार III, प्रकार IV और V, प्रकार VI की संरचना का कार्य पूर्ण हो गया है।

घ) फिनिशिंग का काम, सीवरेज का काम, सड़क का काम और अग्नि शमन प्रणाली का काम इत्यादि प्रगति पर है। मार्च 2021 तक लगभग 90% भौतिक प्रगति हासिल कर ली गई है।

संयुक्त निरीक्षण दल जिस में एनआईडीएम से लेफ्टिनेंट कर्नल डी.सी. वशिष्ठ, संयुक्त निदेशक और अभियन्ता जेएन झा, एनडीआरएफ से सेकेंड-इन-कमांडेंट, एनबीसीसी से अतिरिक्त महा प्रबंधक और एक स्वतंत्र सदस्य के रूप में इन्स्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स से प्रो. पी.के. रामाराव एनआईडीएम दक्षिण परिसर के निर्माण की भौतिक प्रगति, गुणवत्ता और मात्रा की निगरानी कर रहा हैं। संयुक्त निरीक्षण दल के साथ संयुक्त निदेशक के दौरे के दौरान ली गई अद्यतन तस्वीरें इस प्रकार हैं:







अध्याय 5

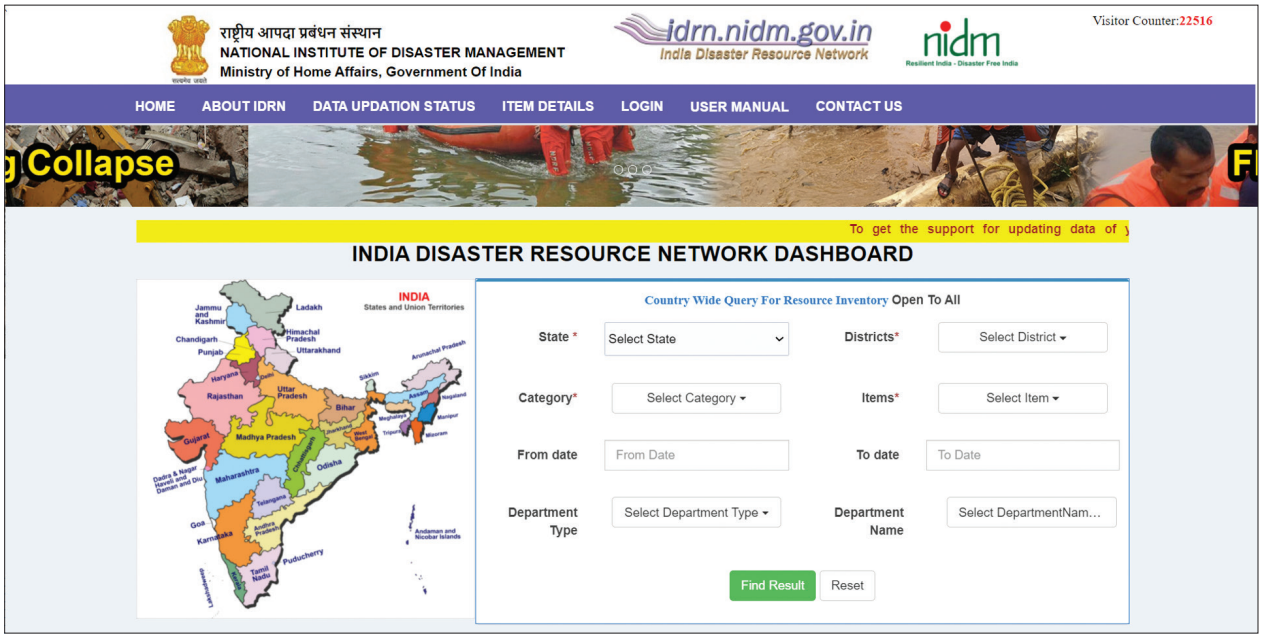
ज्ञान प्रबंधन और जागरुकता गतिविधियाँ

अध्याय 5: ज्ञान प्रबंधन और जागरुकता गतिविधियाँ

5.1 भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन)

आईडीआरएन की शुरुआत गृह मंत्रालय द्वारा भारत सरकार-यूएनडीपी आपदा जोखिम प्रबंधन (डीआरएम) कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2003 में की गई थी । आईडीआरएन के राष्ट्रीय महत्व को ध्यान में रखते हुए गृह मंत्रालय ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) को वर्ष 2008 से आईडीआरएन की निगरानी और रख-रखाव का दायित्व सौंपा है । आइडीआरएन एक महत्वपूर्ण उपकरण है क्योंकि यह उपकरण, मानव संसाधन और महत्वपूर्ण आपूर्ति के संबंध में आवश्यक सूचना उपलब्ध कराता है, जो जिला स्तर पर संबद्ध विभागों और एजेंसियों के पास उपलब्ध है ।

आईडीआरएन पोर्टल को **https://idrn.nidm.gov.in** पर स्थानांतरित कर दिया गया है और जून 2020 से इसे नए डिजाइन और संवादात्मक रूप के साथ पुनर्निर्मित किया गया है। नया आईडीआरएन वेब पोर्टल नवीनतम वेब तकनीकों और प्लेटफॉर्म स्वतंत्रता, जैसी सुविधाओं के साथ विकसित किया गया, जो समझने में आसान है। यह संवादात्मक और उपयोगकर्ता अनुकूल, वहन (बीयर) सुरक्षा और धीमे इंटरनेट कनेक्शन पर भी कार्य निष्पादन जैसी विशेषताओं से सुसज्जित है। एनआईडीएम ने भारत के 36 राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों के लिए (29 जुलाई 2020 से 15 दिसंबर, 2020) के दौरान सभी जिलों के लिए आईडीआरएन के पहले चरण के ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, ताकि ये 36 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश नए आईडीआरएन पोर्टल को समय रहते और कुशलता से अद्यतन बनाने में सक्षम बन सकें।

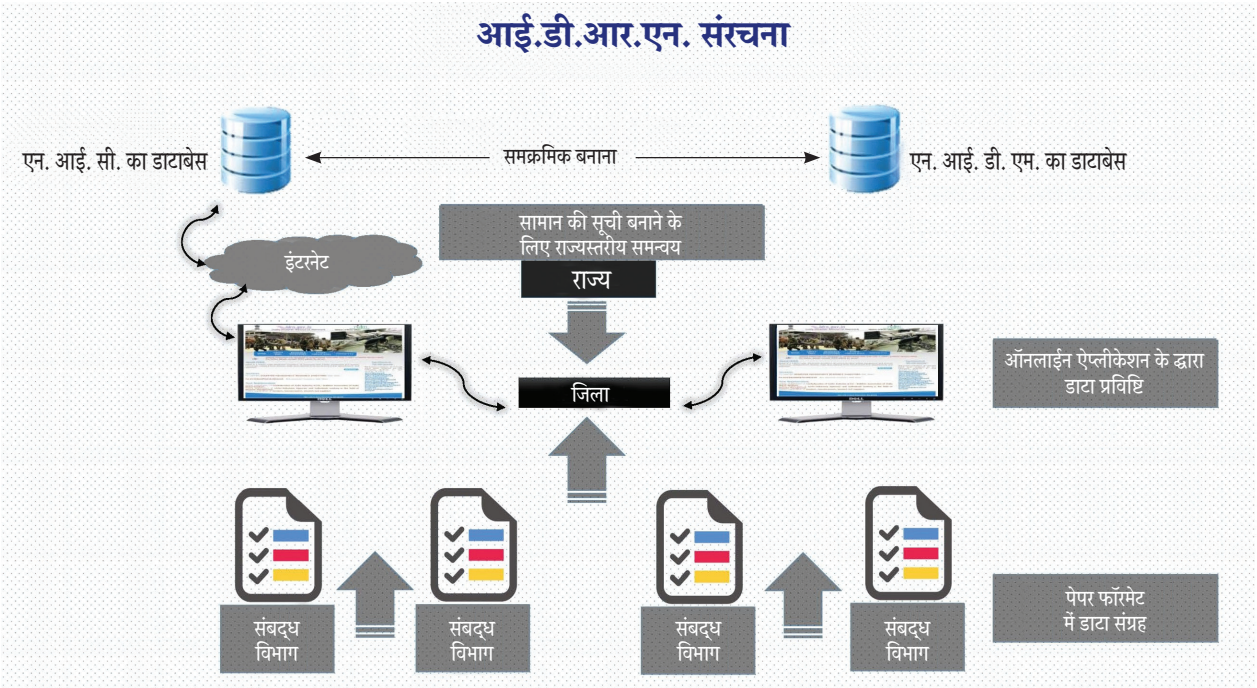


एनआईसी की भूमिका - आईडीआरएन पोर्टल एनआईसी सर्वर पर होस्ट किया गया है

एनआईडीएम की भूमिका – आईडीआरएन की निगरानी और रखरखाव वर्तमान में एनआईडीएम द्वारा केंद्रीयकृत रूप से की जाती है। एनआईडीएम की भूमिका उपयोगकर्ता प्रशासक, विकास और तकनीकी रखरखाव, प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता तक सीमित है। एनआईडीएम डेटा संग्रह या अद्यतनीकरण में शामिल नहीं है।

आई.डी.आर.एन कैसे कार्य करता है

राज्य प्राधिकारियों की भूमिका- राज्य राहत विभाग / आपदा प्रबंधन / एसडीएमए आईडीआरएन में आंकड़ो को अघतन बनाने के लिए डीएम / डीसी के साथ समन्वय करते हैं ।



जिला प्राधिकारियों की भूमिका

जिला स्तर पर आंकड़ो के संग्रह और उन्हें अघतन रूप देने के कार्य को सुगम बनाने के लिए जिला कलेक्टर / मजिस्ट्रेट प्राधिकृत अधिकारी होता है । आंकड़ों के संग्रह का प्रारूप सभी सम्बद्ध विभागों और एजैंसियों को जिला प्रशासन द्वारा भेजना होता है और एक या दो सप्ताह में उसे एकत्र करना होता है । जिला सूचना विज्ञान अधिकारियों की तकनीकी सेवाओं का उपयोग करते हुए जिला स्तर पर आंकड़ो की प्रविष्टियां की जानी चाहिए ।

आईडीआरएन पोर्टल का उपयोग

सभी उपलब्ध संसाधनों की अद्यतन जानकारी समय पर प्राप्त करने के लिए कोई भी, किसी भी आपात स्थिति के दौरान आईडीआरएन पोर्टल का उपयोग कर सकता है जो किसी भी आपात स्थिति के दौरान जानमाल की क्षति और संपत्ति तथा अन्य बुनियादी ढांचे की क्षति को कम करने में अत्यंत सहायक होगा। आईडीआरएन पर संसाधन मदों की सूची देखने के लिए उपयोगकर्ता नाम और पासवर्ड की आवश्यकता नहीं है।

नवीन मुख्य विशेषता: सार्वजनिक क्षेत्र/निजी क्षेत्र की संसाधन मदों की सूची को अद्यतन बनाना पोर्टल में जोड़ा गया है।

5.2 एनआईडीएम प्रशिक्षु डाटाबेस

एनआईडीएम ने अधिकारियों और अन्य हितधारकों के लिए आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में वेबिनार और ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए है। आपदा तैयारी के लिए इन प्रशिक्षुओं का पता लगाने में सरकारों/हितधारकों की मदद करने के लिए इन प्रशिक्षणों, प्रशिक्षुओं और प्रतिभागियों का पूरा डेटाबेस ऑनलाइन रखा गया है। यह जानकारी एनआईडीएम की बेवसाइट **URL: http://nidm.gov.in/trainee.asp** पर 2009 से उपलब्ध है

5.3 सूचना प्रसार

5.3.1 पुस्तकालय:

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान का पुस्तकालय अपने संकाय/कर्मचारियों, भारत और विदेशों के शोधार्थियों, एनआईडीएम द्वारा आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण/कार्यक्रमों के प्रतिभागियों और अन्य अतिथि संकाय और उपयोगकर्ता की सूचना प्राप्त करने सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन और शिक्षण स्रोत के रूप में कार्य कर रहा है।

यह सर्वोत्तम संदर्भ पुस्तकालयों और सूचना केंद्रों में से एक है जिसमें आपदा प्रबंधन क्षेत्र से सम्बंधित पुस्तकों, पत्रिकाओं, सरकारी रिपोर्टों, मामला अध्ययनों, प्रकाशनों का विशाल भंडार है।

एनआईडीएम पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं का उल्लेख नीचे किया गया है।

- पुस्तकों और पत्रिकाओं तथा अन्य पठन सामग्री का अधिग्रहण
- संदर्भ और संप्रेषण कार्य
- परिसंचरण कार्य
- पुस्तकालय स्वचालन

एनआईडीएम पुस्तकालय ओपेक: http://nidm.bestbookbuddies.com

ओपेक: ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग

5.3.2 दस्तावेज़ीकरण और प्रकाशन

सूचना को एक संसाधन के रूप में माना जाता है, जो संगठनात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति में योगदान देता है। एक परिसंपत्ति के रूप में सूचना के मूल्य को इसके प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से सर्वोच्च स्तर तक लाया जाता है। प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्श गतिविधियों को समर्थन देने के लिए आपदा प्रबंधन और विकास संबंधी जानकारी को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए निरंतर आधार पर ठोस प्रयास करना एनआईडीएम के अधिदेशों में से एक है।

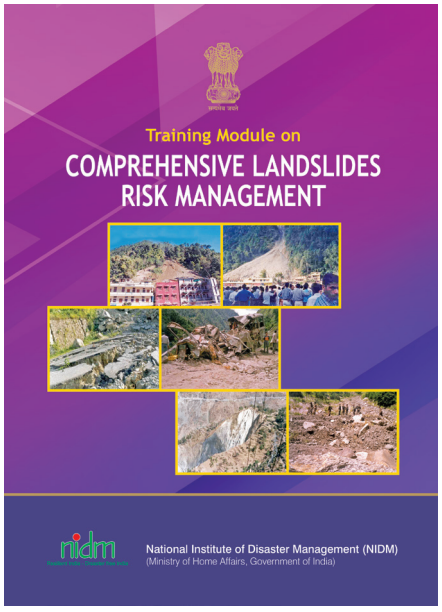
सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री

संस्थान को आपदा प्रबंधन और संबंधित पहलुओं पर सूचना प्रसारित करने का अधिदेश प्राप्त है। अधिदेश को पूरा करने में, संस्थान नियमित रूप से एक त्रैमासिक समाचार पत्रिका और विभिन्न प्रकाशन प्रकाशित करता है। विभिन्न आपदाओं और उनके प्रबंधन के बारे में जानकारी और जागरूकता पैदा करने के लिए, एनआईडीएम नियमित रूप से विभिन्न जागरूकता सृजन संदेशों के साथ आईईसी सामग्री प्रकाशित करता है जिसे विभिन्न वेबिनार और ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में रखा जाता है। ये उपकरण एनआईडीएम की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और इन्हें http://nidm.gov.in./iec.asp पर देखा जा सकता है। एनआईडीएम द्वारा विकसित आईईसी सामग्री का आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काम करने वाले विभिन्न हितधारकों द्वारा एनआईडीएम को समुचित श्रेय देते हुए स्वतंत्र रूप से उपयोग किया जा सकता है और व्यापक प्रसार के लिए विभिन्न भाषाओं में इसका अनुवाद किया जा सकता है। एनआईडीएम द्वारा विकसित जागरूकता सामग्री का विवरण नीचे सूचीबद्ध है:

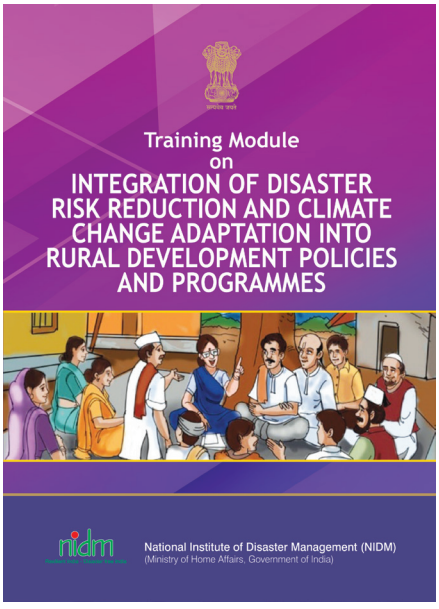
एनआईडीएम के प्रकाशन

(i) व्यापक भूस्खलन जोखिम प्रबंधन पर प्रशिक्षण मॉड्यूल

पर्वतीय राज्यों और देश के अन्य हिस्सों में भूस्खलन के गंभीर खतरे की आशंका अकाट्य है। भारत में कई भयावह भूस्खलन आपदाएं देखी गई हैं, जिन्होंने जीवन, आजीविका, पर्यावरण, संरचनाओं और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने के अलावा सामाजिक-आर्थिक विकास और वृद्धि को बाधित किया है। समय-समय पर आने वाले भूस्खलनों ने आपदाओं के विरुद्ध सुरक्षा की संस्कृति विकसित करने की हमारी क्षमताओं पर प्रश्न चिन्ह लगाया है। मॉड्यूल को बहु-जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण के साथ डिजाइन किया गया है और एक एकीकृत समग्र तरीके से सभी हितधारकों के लिए भूस्खलन के विरुद्ध सुरक्षा की विकासशील संस्कृति के सभी पहलुओं पर इसमें संक्षेप में चर्चा की गई है।



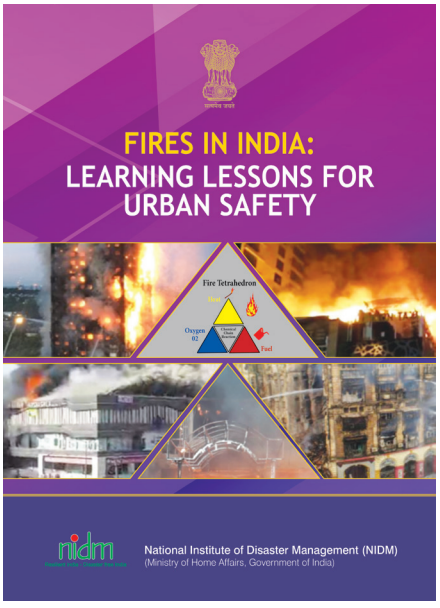
(ii) ग्रामीण विकास नीतियों और कार्यक्रमों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के एकीकरण पर प्रशिक्षण मॉड्यूल



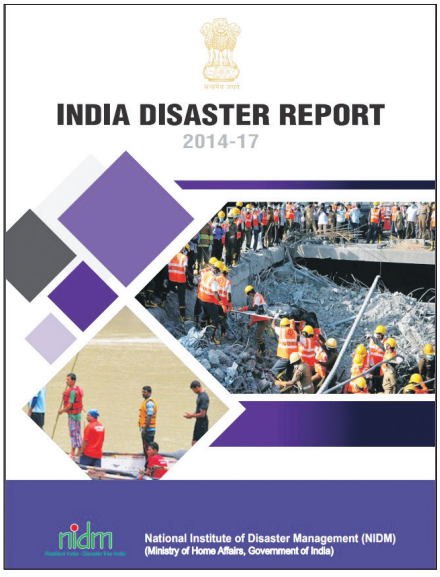
यह प्रशिक्षण मॉड्यूल भारत में ग्रामीण विकास क्षेत्र के भीतर नीति निर्माण, योजना और नियोजन प्रक्रियाओं में आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन (सीसीए) तत्वों को मुख्यधारा में लाने के लिए अपने उपयोगकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए एक उपकरण के रूप में विकसित किया गया है। संपूर्ण मॉड्यूल शिक्षार्थी केंद्रित है जहां प्रतिभागियों की भागीदारी एक प्रमुख भूमिका निभाएगी। मॉड्यूल को 4 उप-मॉड्यूल में विभाजित किया गया है और प्रत्येक उप-मॉड्यूल को विभिन्न शिक्षण इकाइयों में बाँटा गया है और प्रत्येक शिक्षण इकाई को कई सत्रों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक सत्र अपने उद्देश्य, प्रक्रिया, सुविधाकर्ता द्वारा आवश्यक कौशल और आवश्यक सामग्री के विवरण के साथ शुरू होता है। सभी मॉड्यूल, शिक्षण इकाईयाँ और सत्र वयस्क शिक्षा के सिद्धांतों के आधार पर बनाए गए हैं और सत्रों को अनुभवात्मक सीखने के तरीकों के आधार पर रखने की कोशिश की गई है।

(iii) भारत में आग की घटनायें : शहरी सुरक्षा के लिए सीखने योग्य सबक

भारत ने कई विनाशकारी अग्नि आपदाओं को मंदिरों, अस्पतालों, स्कूलों, बाजारों, कारखानों, सिनेमा हॉल आदि जैसे विभिन्न स्थलों पर घटित होते देखा है जिसके परिणामस्वरुप परिहार्य मौतें और विकलांगता होती है। आवश्यक सेवाओं और बड़ी सभाओं के आयोजन स्थलों पर आग लगने की घटनायें घटित हुई, जिससे भारी नुकसान हुआ है। इन सभी रोकी जा सकने वाली घटनाओं का कारण अनेक कारकों का संयोजन था। इस प्रकार इन घटनाओं का दस्तावेजीकरण करने और जोखिमों और कारणों की पहचान करने की तत्काल आवश्यकता है ताकि पाठ्यक्रम में अपेक्षित सुधार किया जा सके। इस पुस्तक में सबक सीखने और निवारक कार्रवाई करने के दृष्टिकोण से आठ विनाशकारी आग की घटनाओं का दस्तावेजीकरण किया गया है जो देश के विभिन्न हिस्सों में मुख्य रूप से लोगों के बड़ी संख्या में एक स्थान पर एकत्रित होने के स्थलों और महत्वपूर्ण बुनियादी अवसंरचनाओं जैसे मंदिरों, बाजारों, थिएटरों, स्कूलों और अस्पतालों में घटित हुई हैं। अतीत से सीख लेकर ही हम एक सुरक्षित और समुत्थानशील भविष्य बनाने में सक्षम होंगे।



(iv) भारत आपदा रिपोर्ट 2014-17



राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) ने वर्ष 2011 में भारत आपदा रिपोर्ट (आईडीआर) के रूप में एक कैलेंडर वर्ष में होने वाली आपदाओं के दस्तावेजीकरण की शुरुआत की । भारत आपदा रिपोर्ट 2014 से 2017 का संग्रह इस अवधि में घटित उन प्रमुख आपदाओं से संबंधित है, जिनमें वित्त पोषण और संसाधन जुटाने के मामले में राष्ट्रीय हस्तक्षेप की आवश्यकता पड़ी।

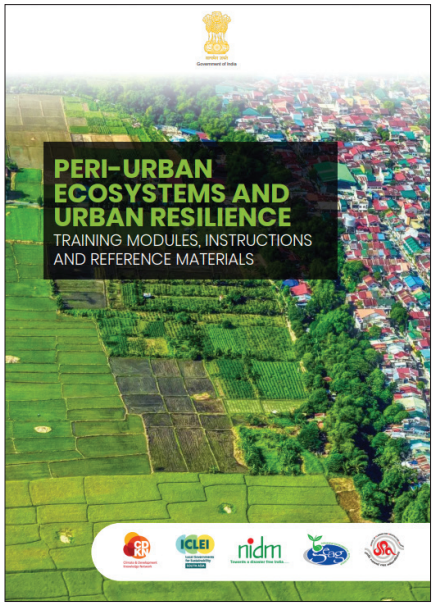
(v) भारतीय आपदा रिपोर्ट (2018)

वर्ष 2018 प्राकृतिक और मानव प्रेरित आपदाओं के संदर्भ में एक असाधारण वर्ष था। आईडीआर-2018 केरल बाढ़-2018 पर अधिक जोर देते हुए वर्ष की बड़ी और छोटी आपदाओं पर ध्यान केंद्रित करती है। इस रिपोर्ट में बाढ़ से जुड़ी उपयोगी जानकारी का विस्तृत विवरण दिया गया है। केरल बाढ़ के अलावा, देश के विभिन्न हिस्सों में उस समय में आई अन्य बाढ़ों को भी इसमें शामिल किया गया है।

वर्ष के दौरान हुई अन्य आपदाओं में केरल राज्य में निपाह वायरस का प्रकोप जैसी जैविक आपदाएं और जंगल की आग, इमारतों में आग, सड़क और रेल दुर्घटना आदि शामिल हैं। इन सभी आपदा घटनाओं को भी रिपोर्ट में संक्षेप रूप में सूचीबद्ध किया गया है।



(vi) परि-नगरीय पारिस्थितिकी तंत्र और शहरी समुत्थानशीलता (प्रशिक्षण मॉड्यूल, निर्देश और संदर्भ सामग्री)

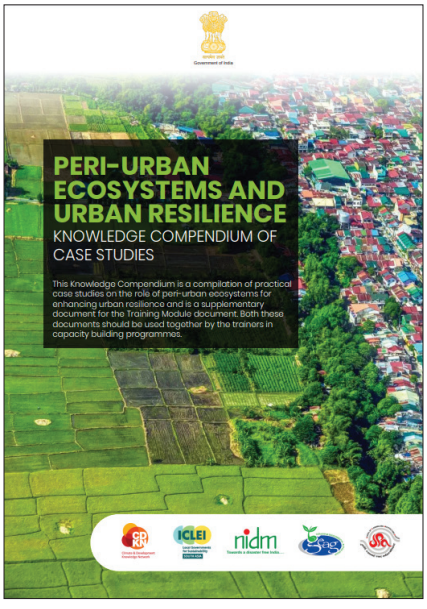


प्रमुख हितधारकों की क्षमता निर्माण में सहायता और सुविधा के लिए, उदाहरणों और मामला अध्ययनों सहित विशिष्ट मॉड्यूल के साथ प्रशिक्षण मैनुअल युक्त एक विस्तृत टूलकिट तैयार किया गया है, जिसमें विकासशील देशों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। चूंकि परि-नगरीय पारिस्थितिक तंत्र पर ध्यान केंद्रित करने और शहरों या शहरी क्षेत्रों की समुत्थानशीलता और सतत विकास के कारण उनकी प्रासंगिकता अनिवार्य है, यह दस्तावेज़ हितधारकों के कार्य निष्पादन अंतराल को पाटने और बढ़ावा देने की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक विस्तृत प्रशिक्षण डिजाइन और प्रशिक्षण योजना तथा परि-नगरीय पारिस्थितिक तंत्र के प्रति एक व्यवस्थित दृष्टिकोण प्रदान करता है।

इस प्रकाशन का उद्देश्य शहरी स्थानीय निकायों (अधिकारियों, निर्वाचित सदस्यों और नीति निर्माताओं, अधिकारियों, चिकित्सकों और सामुदायिक प्रतिनिधियों) से जुड़े प्रमुख हितधारकों के कार्य निष्पादन को सुगम बनाने के लिए क्षमता-निर्माण टूलकिट प्रदान करना है ताकि शहरी प्रणालियों के समुत्थानशील विकास और सतत प्रबंधन के लिए पारिस्थितिक तंत्र-आधारित विशेष रूप से परि-नगरीय पारिस्थितिक तंत्र से जुड़े समाधानों का उपयोग और उन्हें बढ़ावा दिया जा सके।

(vii) परि-नगरीय पारिस्थितिकी तंत्र और शहरी समुत्थानशीलता (मामला अध्ययनों का ज्ञान संग्रह)

परि-नगरीय पारिस्थितिकी तंत्र में गिरावट और नुकसान का खतरा बढ़ रहा है क्योंकि तेजी से शहरीकरण और बढ़ती मानव गतिविधि के कारण परि-नगरीय क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधनों की खपत और कचरे में वृद्धि होती है। शहर पृथक्कृत रूप में नहीं बल्कि आसपास के क्षेत्रों और उनके पारिस्थितिक तंत्र पर "निर्भरता के क्षेत्र" के भीतर काम करते हैं। इस प्रकार, इन पारिस्थितिक तंत्रों के क्षरण के परिणामस्वरूप पारिस्थितिक तंत्र सेवाओं का नुकसान होता है जो शहरी और उप-शहरी आबादी की सहायता करते हैं। यह ज्ञान संग्रह भारत के विभिन्न शहरों से मामला अध्ययनों का एक संग्रह है जो परि-नगरीय पारिस्थितिक तंत्र और शहरी समुत्थानशीलता की भूमिका के बीच महत्वपूर्ण संबंध स्थापित करता है।



(viii) ढलान पर स्थित भवनों की सुरक्षा के लिए भूस्खलन तैयारी सम्बन्धी मार्गदर्शिका



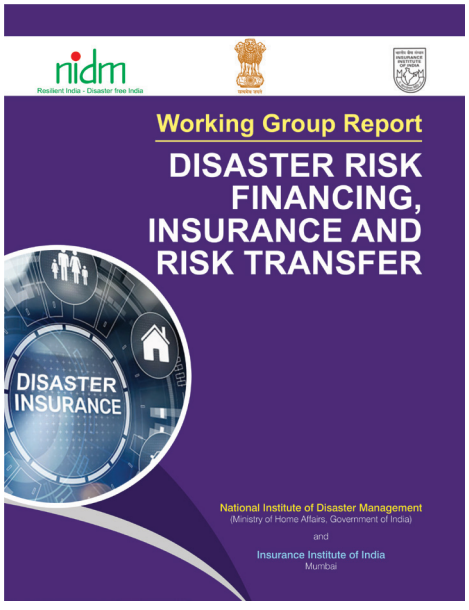
"ढलान पर स्थित भवनों की सुरक्षा के लिए भूस्खलन तैयारी सम्बन्धी मार्गदर्शिका" पुस्तक भूस्खलन, भूस्खलन उत्प्रेरक कारकों और शमन के सम्बन्ध में मूल विचार प्रस्तुत करने के उद्देश्य से तैयारी की गई है।

इससे योजनाकर्ताओं, नीति निर्माताओं, वित्त पोषकों, स्थानीय प्रशासकों तथा सम्बन्धित विभागों को भूस्खलन प्रवण क्षेत्रों में किसी भी संरचना के निर्माण से पूर्व अपनाई जाने वाली सावधानियों तथा तैयारी के उपायों की जानकारी मिलेगी।

(ix) कार्यकारी समूह की रिपोर्ट: आपदा जोखिम वित्तपोषण, बीमा और जोखिम हस्तांतरण

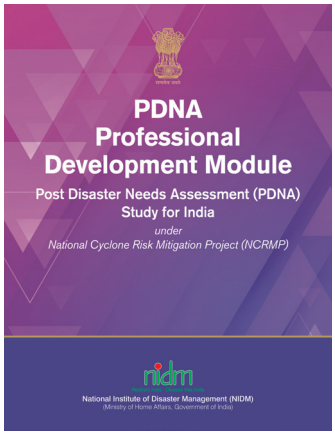
एनआईडीएम ने भारतीय बीमा संस्थान, मुंबई के साथ फरवरी 2020 में एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इसके बाद, इस विषय पर आगे विचार करने के लिए एक कार्यदल का गठन किया गया। कार्यकारी समूह ने, कोविड-19 के अत्यधिक कठिन समय के बावजूद, इस विषय पर विचार-विमर्श करने और वस्तुतः वेब-आधारित चर्चा पोर्टल के माध्यम से बैठक करने की दिशा में शानदार काम किया।

वैब आधारित चर्चा में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कार्यकारी दल के मार्गदर्शन के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। असम, ओडिशा, नागालैंड, बिहार, उत्तराखण्ड, आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र की राज्य सरकारों ने कार्यकारी समूह के राज्य स्तरीय विचार-विमर्श में भाग लिया। बीमा विनिमय विकास प्राधिकरण निरंतर सभी चर्चाओं में संलग्न रहा और सिफारिशों को अंतिम रूप देने में योगदान दिया। अंतिम रिपोर्ट के कार्यकारी सारांश में संक्षिप्त रूप रेखा की चर्चा की गई है।



(x) पीडीएनए व्यावसायिक विकास मॉड्यूल :





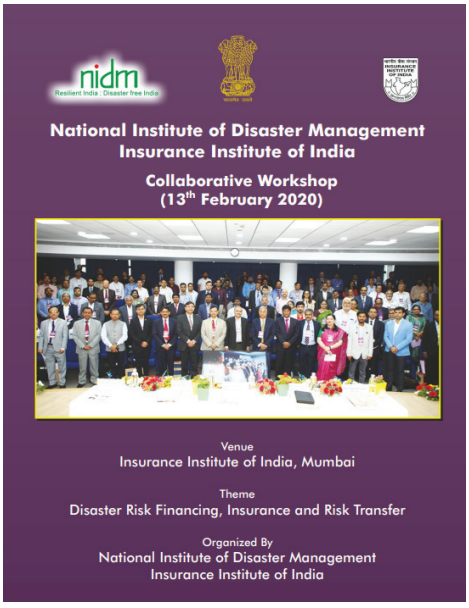
राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान ने भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल भारत सरकार की राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम शमन परियोजना के तहत पीडीएनए उपकरण विकसित किया है जिसका क्रियान्वयन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकारण द्वारा और वित्त पोषण विश्व बैंक द्वारा किया गया। यह एक बहुत ही व्यावहारिक और आसानी से उपयोग में आने वाला उपकरण है। एनआईडीएम ने पीडीएनए उपकरण का उपयोग करने के लिए एक उपयोगकर्ता पुस्तिका और व्यावहारिक विकास माड्यूल भी तैयार किया है।

(xi) कार्यवाही वृत्तांत: "तटीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता (सीडीआरआर एंड आर) - 2020" पर राष्ट्रीय सम्मेलन

तटीय क्षेत्रों में दुनिया का सबसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र जैसे मैंग्रोव, आर्द्रभूमि, प्रवाल भित्तियाँ, टीले और समुद्र तट विद्यमान है। तटीय क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न प्राकृतिक खतरों में जल-मौसम संबंधी आपदाएं (चक्रवात, तेज हवाओं से होने वाली क्षति, तूफानी लहरें, गर्म और शीत लहरें, भारी वर्षा, बिजली, सूखा, बाढ़), भू-विज्ञानी आपदाएं (भूकंप, सुनामी, भूस्खलन), महामारी जैसी जैविक आपदाएं संभावित तकनीकी, औद्योगिक, रासायनिक और रेडियोलॉजिकल आपदाओं के अलावा मानवजनित आपदाएं जैसे भगदड़, तेल रिसाव और आग शामिल हैं। इसलिए, जोखिमों को कम करने और प्रभावित समुदायों के बीच समुत्थानशीलता बढ़ाने के लिए इन आपदाओं की प्रकृति, गतिशीलता, प्रवृत्तियों और पैमाने को अच्छी तरह से समझना बहुत महत्वपूर्ण है। इसी पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए सम्मेलन के आयोजन की योजना बनाई गई।



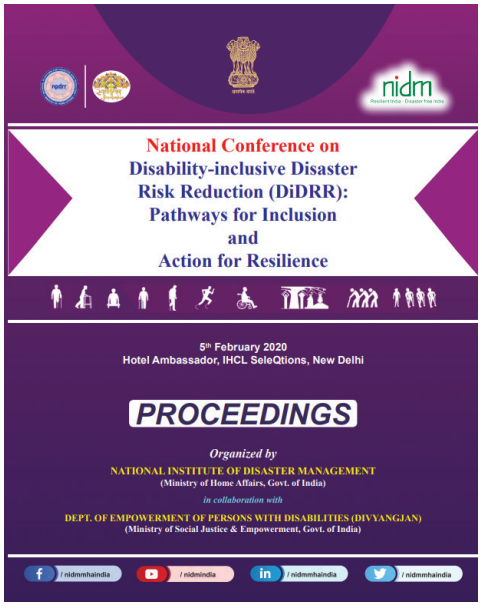
(xii) कार्यवाही वृत्तांत: "आपदा जोखिम वित्तपोषण, बीमा और जोखिम हस्तांतरण" पर एक दिवसीय कार्यशाला



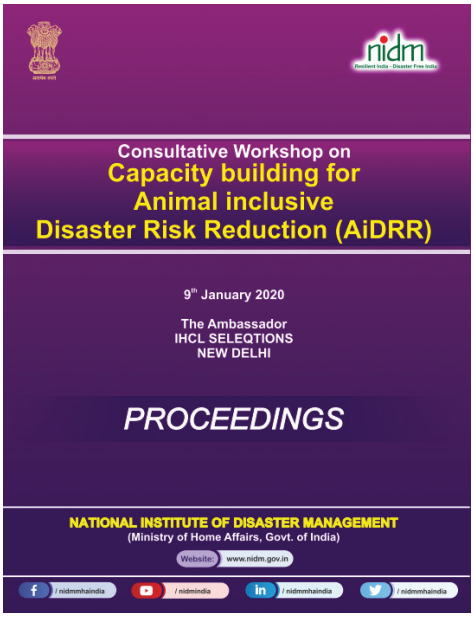
बीमा कंपनियों, नीति निर्माताओं और विचारकों को समस्या के संभावित समाधानों पर विचार करने के लिए एक मंच पर लाने के लिए, एनआईडीएम ने भारतीय बीमा संस्थान के सहयोग से 13 फरवरी 2020 को मुंबई में "आपदा जोखिम वित्तपोषण, बीमा और जोखिम हस्तांतरण" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य आपदा जोखिम निवारण और एक समुत्थानशील समाज बनाने के सामूहिक प्रयास में विभिन्न बीमा संगठनों और नवीन पहलों को एक साथ लाना था। उपकरणों और प्लेटफार्मों के माध्यम से जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए, विशेषज्ञों के विचारों के साथ-साथ महत्वाकांक्षी सोच और कार्रवाई को एक साथ लाने का हमारा यह प्रयास था।

(xiii) कार्यवाही वृत्तांत: "विकलांगता-समावेशी आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआईडीआरआर): समावेश के लिए मार्ग और समुत्थानशीलता के लिए कार्रवाई" पर राष्ट्रीय सम्मेलन

एनआईडीएम ने दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) के सहयोग से 05 फरवरी 2020 को एंबेसडर होटल, नई दिल्ली में विकलांगता-समावेशी आपदा जोखिम न्यूनीकरण: समावेश के लिए मार्ग और समुत्थानशीलता के लिए कार्रवाई पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। राष्ट्रीय सम्मेलन 18 अक्टूबर 2019 को इस विषय पर आयोजित एक परामर्शदात्री कार्यशाला के अनुसरण में आयोजित किया गया, जिसमें डीआईडीआरआर में क्षमता निर्माण के लिए एक रूपरेखा तैयार करने पर विचार-विमर्श किया गया था। सम्मेलन का उद्देश्य समावेशी समुत्थानशीलता के लिए कार्यों की पहचान करने के लिए विकलांगता और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्र से व्यवसायिकों और हितधारकों को एक साथ लाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।



(xiv) कार्यवाही: "पशु समावेशी आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए क्षमता निर्माण" पर परामर्श कार्यशाला (एआईडीआरआर)"

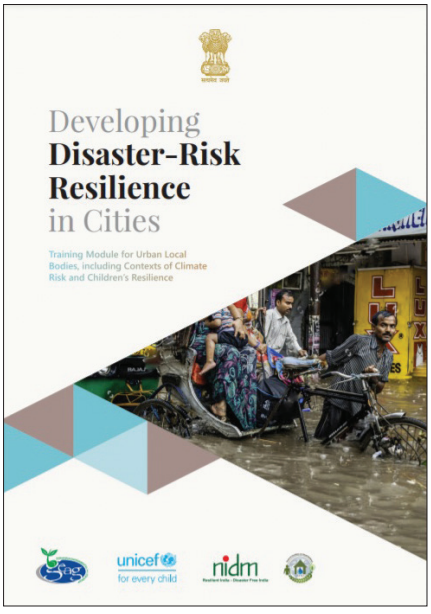


इस विषय पर 9 जनवरी 2020 को राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। यह सम्मेलन पशु समावेशी आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्र से जुड़े व्यवसायिकों और हितधारकों को एक साथ लाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था ताकि समावेशी समुत्थानशीलता के लिए कार्यों की पहचान की जा सके।

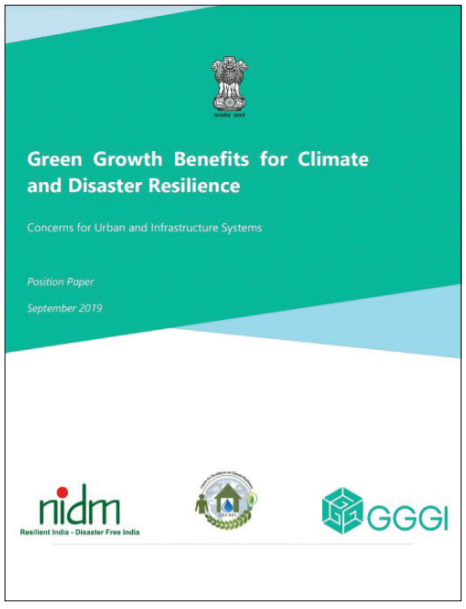
(xv) शहरों में आपदा-जोखिम समुत्थानशीलता विकसित करना: स्थानीय शहरी निकायों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल, जिसमें जलवायु जोखिम और बच्चों में समुत्थानशीलता के संदर्भ शामिल हैं

स्थानीय स्तर पर समुत्थानशीलता, और इसलिए, स्थानीय नियोजन, और शहरी स्थानीय निकायों की भूमिका और संबद्ध पदाधिकारियों और हितधारकों की क्षमता निर्माण, विकास में शहरी समुत्थानशीलता को सक्षम बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। भारत में शहरी आपदा समुत्थानशीलता के विभिन्न पहलुओं पर अनेक प्रायोगिक और मामला अध्ययन विद्यमान थे।

इन अध्ययनों से सबक लेते हुए, क्षमता निर्माण गतिविधियों का समर्थन करने के लिए आपदा जोखिम समुत्थानशीलता पर इस प्रशिक्षण मैनुअल को विकसित किया गया है। इस प्रकाशन की सामग्री शहरी प्रशासन, योजना, अनुसंधान और प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं पर काम कर रहे प्रशिक्षकों और पेशेवरों के लिए उपयोगी होगी।



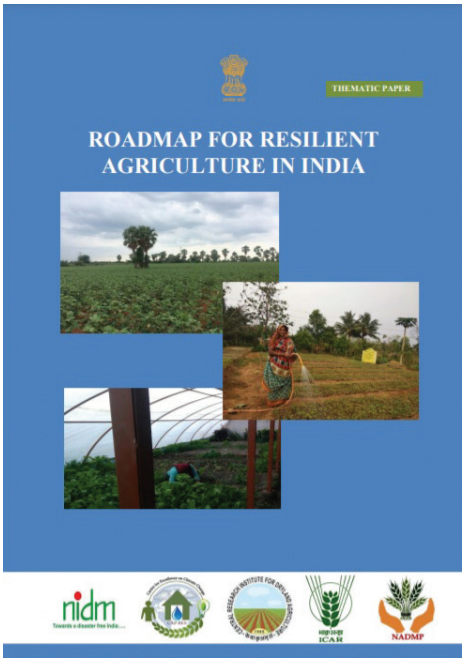
(xvi) जलवायु और आपदा समुत्थानशीलता के लिए हरित विकास लाभ: शहरी और बुनियादी ढांचा प्रणालियों के लिए चिंताएं



यह प्रपत्र शहरी और बुनियादी ढांचे के विकास के संदर्भ में समाज के लिए आपदा संबंधी जोखिमों और व्यवधान को कम करने के लिए हरित विकास दृष्टिकोण के विकल्प का परिचय देता है। हरित विकास दृष्टिकोण समग्र विकास को प्राप्त करने के लिए आर्थिक विकास, पर्यावरणीय स्थिरता, गरीबी में कमी और सामाजिक समावेश पर जोर देता है। शहरी आपदा प्रबंधन चक्र में अंतराल को भरने के लिए सफल रणनीतियों और उपकरणों को उजागर करने और भारतीय शहरों में हरित विकास हस्तक्षेपों को लागू करने के लिए सर्वोत्तम रणनीतियों को सिद्ध करने के लिए मामला अध्ययनों पर इसमें विचार किया गया है। भारत में बुनियादी ढांचे और शहरी विकास की उच्च गति के साथ, आपदा और जलवायु समुत्थानशीलता पहल में निवेश सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा।

(xvii) भारत में समुत्थानशील कृषि के लिए मार्गदर्शिका

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के लिए एक राष्ट्रीय कृषि आपदा प्रबंधन योजना (एनएडीएमपी) विकसित कर रहा है, जिसका उद्देश्य आपदाओं और मौसम की अनिश्चितताओं से निपटने के लिए कृषक समुदाय की समुत्थानशीलता को मजबूत करना है। यह दस्तावेज़ संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों के साथ-साथ कृषि विभाग के भीतर अन्य एजेंसियों को आपदा से पूर्व, उसके दौरान और बाद में आपदाओं के जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेगा। इसमें आपदाओं के क्षेत्रीय और विभागीय जोखिमों का आकलन करना, आपदाओं के मौजूदा जोखिमों को कम करना, आपदाओं के नए जोखिमों के निर्माण को रोकना, राज्य डीएम नीति और राज्य डीएम योजना में परिभाषित अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों को निभाने के लिए अपनी तैयारी की स्थिति प्रस्तुत करना, क्षमता निर्माण और तैयारियों आदि को मजबूत करने के लिए प्रस्तावित उपाय शामिल है।



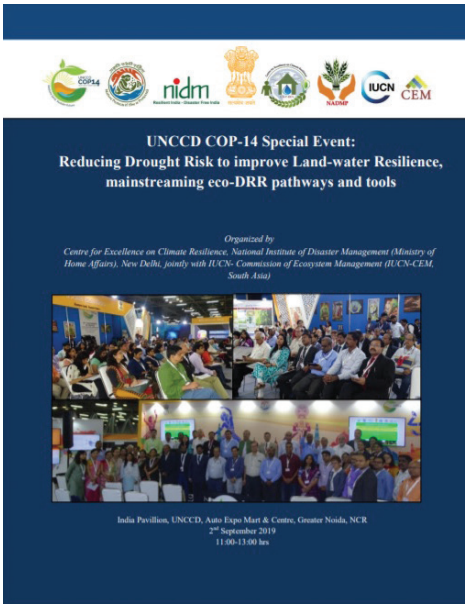
(xviii) कार्यवाही: भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - 2019



भारत और अन्य देशों में भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता में सबसे हालिया प्रगति का पता लगाने और चर्चा करने के लिए, एनआईडीएम ने भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता-2019 पर एक दिवसीय पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। यह पुस्तिका विस्तृत जानकारी के साथ इस विषय पर आयोजित कार्यशाला का कार्यवाही वृत्तांत है।

(xix) यूएनसीसीडी कोप-14 विशेष कार्यक्रम: भूमि-जल समुत्थानशीलता में सुधार के लिए सूखे के जोखिम को कम करना, पर्यावरण-डीआरआर मार्गों और उपकरणों को मुख्य धारा में लाना

इस विशेष आयोजन का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में सूखे की बढ़ती गंभीरता और सूखे के कारण भूमि क्षरण के प्रमुख क्षेत्रों के बारे में चर्चा करना, मौजूदा सूखा जोखिम न्यूनीकरण की रणनीतियों की समीक्षा करना और विकासात्मक योजना में ईकोडीआरआर-आधारित समाधान के लिए समुत्थानशीलता उपकरणों की पहचान करना और विकसित करना और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक रोडमैप तैयार करना था।



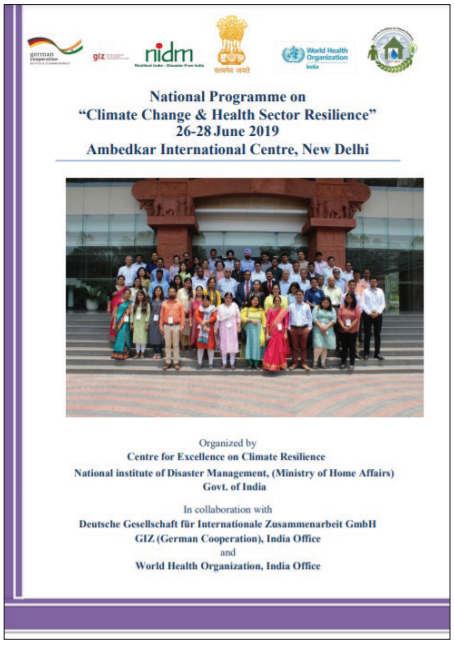
(xx) "राष्ट्रीय कृषि आपदा प्रबंधन योजना" पर क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला



परामर्श कार्यशाला का उद्देश्य कृषि, जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काम करने वाले विशेषज्ञों के बीच ज्ञान साझा करने की सुविधा प्रदान करना था। टीम कार्यशाला की एक संकलित रिपोर्ट लेकर आई है जिसमें प्रतिभागियों द्वारा दी गई प्रमुख सिफारिशें, सुझाव और इनपुट शामिल हैं। यह रिपोर्ट कृषि क्षेत्रीय परिदृश्य और कृषि संबंधी आपदाओं को समझने में मदद करेगी।

(xxi) "जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य क्षेत्र में समुत्थानशीलता" पर राष्ट्रीय कार्यक्रम

कार्यशाला का उद्देश्य जलवायु संबंधी स्वास्थ्य प्रभावों को संबोधित करने और मामला अध्ययनों के माध्यम से ज्ञान और अनुभव साझा करने को बढ़ावा देना, नीतियों, अनुसंधान और क्षमता के मुद्दों पर चर्चा करना और आकलन तथा योजना के लिए दृष्टिकोण और उपकरणों को समझने पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक मार्गदर्शिका विकसित करना था। वक्ताओं और चर्चा में भाग लेने वालों के विशिष्ट बिन्दुओं और प्रमुख सिफारिशों को सम्मिलित करते हुए, इस रिपोर्ट को कई प्रतिष्ठित वक्ताओं और चर्चाकारों की मूल्यवान अंतर्दृष्टि और सिफारिशों के साथ एक सफल कार्यक्रम आयोजित करने के बाद संकलित किया गया।



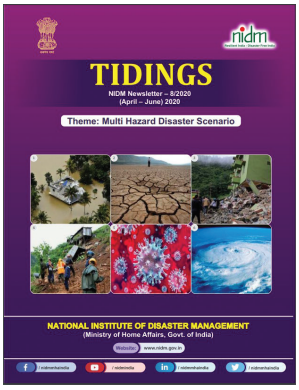
(xxiii) वार्षिक रिपोर्ट (2019-20)

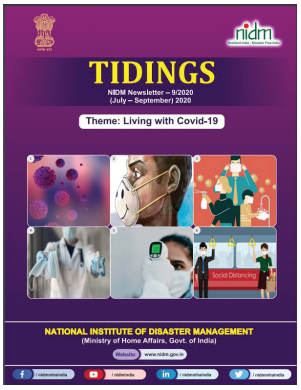


वर्ष 2019-20 के लिए एनआईडीएम की वार्षिक रिपोर्ट अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में प्रकाशित की गई है। रिपोर्ट में संस्थान के दृष्टिकोण, मिशन, शासनादेश, संरचना, कार्यों और प्रमुख उपलब्धियों का विवरण है। रिपोर्ट को आठ अध्यायों में संरचित किया गया है। जैसे सिंहावलोकन, संगठनात्मक व्यवस्था, प्रशिक्षण कार्यक्रम, परियोजनाएं, ज्ञान प्रबंधन और जागरूकता गतिविधियाँ, प्रमुख कार्यक्रम / कार्यशाला / सम्मेलन/ आयोजित सेमिनार और आउटरीच गतिविधियाँ, प्रशासन, वित्त और लेखा; इसके अतिरिक्त प्रशिक्षण/प्रशिक्षुओं की संख्या, प्रशिक्षण के प्रकार आदि के संदर्भ में प्राप्त प्रगति और गतिविधियों को इसमें सूचीबद्ध किया गया है। भौगोलिक, टाइपोलॉजिकल और अस्थायी रुझानों को दर्शाने के लिए उपलब्धियों को मानचित्र, चार्ट और आंकड़ों के रूप में प्रस्तुत किया गया है। एनआईडीएम परिसर और परिसर से बाहर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की विस्तृत सूची, एनआईडीएम के शासी निकाय के सदस्यों की सूची आदि के संबंध में पांच अनुलग्नक संलग्न किए गए हैं।



(xxiii) समाचार पत्रिका "टाइडिंग्स"









एनआईडीएम की समाचार पत्रिका "टाइडिंग्स" एक त्रैमासिक प्रकाशन है। यह विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सेमिनारों और कार्यशालाओं की सिफारिशों पर प्रकाश डालता है, जो एनआईडीएम द्वारा नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। अगले महीने के लिए निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर अग्रिम प्रचार देने के अलावा, इस समाचार पत्रिका में संकाय विकास, सफलता की कहानियों, यात्राओं और प्रतिनिधिमंडलों आदि के बारे मे समाचार शामिल किए जाते हैं।

(xxiv) आपदा एवं विकास जर्नल

वॉल्यूम 8, संख्या 1 और 2, जनवरी 2014 - दिसंबर 2019 और वॉल्यूम 9, संख्या 1, जनवरी - जून 2020





संस्थान "आपदा और विकास" (डिजास्टर एण्ड डिवलैपमैंट) शीर्षक से एक द्वि-वार्षिक पत्रिका प्रकाशित करता है।

पत्रिका का पहला अंक 29 नवंबर 2006 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में प्रथम भारत आपदा प्रबंधन कांग्रेस के उद्घाटन समारोह में भारत के तत्कालीन माननीय प्रधान मंत्री डॉ मनमोहन सिंह द्वारा जारी किया गया था। वित्त वर्ष (2020-21) के दौरान, दो पत्रिकाओं को प्रकाशित किया गया जिनके विषय है। 1. भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता 2. महामारी

अध्याय 6

वेबिनार

एनआईडीएम द्वारा 1.04.2020 से 31.03.2021 तक आयोजित वेबिनार

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
अप्रैल, 2020				
1.	सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए वर्तमान संकट के दौरान मीडिया पर कार्यक्रम तैयार कैसे करें।	10 अप्रैल, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	40
2.	सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए वर्तमान संकट के दौरान मीडिया पर कार्यक्रम तैयार कैसे करें।	10 अप्रैल, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	40
3.	कोविड – 19 महामारी – आपदा प्रबंधन परिप्रेक्ष्य	22 अप्रैल, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	34
4.	श्री शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से : वैश्विक महामारी कोविड – 19 के दौरान शहरी स्वास्थ्य जोखिम और तैयारी	29 अप्रैल, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	219
			योग	**333**
मई, 2020				
5.	वैश्विक महामारी कोविड – 19 के दौरान शहरी स्वास्थ्य जोखिम और तैयारी	02 मई, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	219
6.	कोविड 19 - महामारी: मुद्दे और हस्तक्षेप	9 मई, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	41
7.	“महामारी, लॉकडाउन और आगे का रास्ता”	15 मई, 20	श्री आशीष कुमार पांडा	168
8.	नवीन सामान्य परिस्थितियां: आपदा प्रतिक्रिया के लिए प्रणाली और प्रौद्योगिकी	15 मई, 20	प्रो० संतोष कुमार	85
9.	बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल तथा पोषण आवश्यकताओं पर कोविड 19 - का प्रभाव	15 मई, 20	डॉ० कुमार राका	36
10.	लॉकडाउन के बाद उद्योगों को फिर से खोलना : औद्योगिक सुरक्षा की दिशा में कदम बढ़ाना	15 मई, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	635
11.	अदृश्य आपदा और महामारी के प्रति समुत्थानशीलता	16 मई, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	179
12.	कोविड -19 के दौरान स्कूल बंद होने के कारण बच्चों के समक्ष आने वाली चुनौतियाँ	16 मई, 20	श्री रंजन कुमार	82
13.	नवीन सामान्य परिस्थितियां : कोविड -19 काल में आपदा प्रतिक्रिया	18 मई, 20	प्रो० संतोष कुमार	174

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
14.	कोविड -19 काल के दौरान और पश्चात् बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण	19 मई, 20	डॉ० बालू आई	108
15.	कोविड-19 के आलोक में प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के मुद्दे और चुनौतियाँ	20 मई, 20	श्री शेखर चतुर्वेदी	59
16.	नवीन परिस्थितियों में औद्योगिक सुरक्षा की चुनौती	22 मई, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	1068
17.	बच्चों की शैक्षिक, स्वास्थ्य देखभाल और पोषण संबंधी आवश्यकताओं पर कोविड -19 का प्रभाव	22 मई, 20	डॉ० कुमार राका	31
18.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण	23 मई, 20	डॉ० बालू आई	50
19.	स्कूल बंद होने के कारण बच्चों के कोविड-19 सम्बन्धी मुद्दे	23 मई, 20	श्री रंजन कुमार	23
20.	वैश्विक स्तर से स्थानीय स्तर तक कोविड 19 महामारी का प्रभाव	26 मई, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	97
21.	जल निकायों के प्रदूषण से निपटने के लिए संकट प्रबंधन योजना पर राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला (सीएमपी-डब्ल्यूबी)	27 मई, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	47
22.	"कोविड -19 महामारी और भारतीय अर्थव्यवस्था"	28 मई, 20	श्री आशीष कुमार पांडा	178
23.	नवीन सामान्य परिस्थितियां : आपदा अनुसंधान और शिक्षा के लिए क्षमता निर्माण	29 मई, 20	प्रो० संतोष कुमार	200
24.	बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और पोषण संबंधी आवश्यकताओं पर विचार मंथन सत्र	29 मई, 20	डॉ० कुमार राका	87
25.	महामारी के लिए समुदाय आधारित आपदा तैयारी	29 मई, 20	डा० चंद्रानी बंद्योपाध्याय	764
26.	लॉकडाउन के दौरान महिलाओं के समक्ष आने वाली चुनौतियाँ और मुद्दे	30 मई, 20	डॉ० बालू आई	108

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
			योग	**4439**
जून, 2020				
27.	महामारी की स्थिति में प्राकृतिक आपदाओं के लिए आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	1 जून, 20	डा० चंद्रानी बंद्योपाध्याय	63
28.	कोविड -19 : वैश्विक और राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य - अब तक हमने क्या सीखा है	2 जून, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	260
29.	कोविड 19 के आलोक में प्रतिक्रियादाताओं की सुरक्षा	2 जून, 20	श्री शेखर चतुर्वेदी	89
30.	कोविड -19 काल में आपदा प्रबंधन पर संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम	3 जून, 20	डॉ० आमिर अली खान	184
31.	कोविड -19 काल में आपदा प्रबंधन पर संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम	4 जून, 20	डॉ० आमिर अली खान	199
32.	अर्न्त-विषयक तथा व्यवसायिक पाठ्यक्रम के माध्यम से आपदा जोखिम न्यूनीकरण	4 जून, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	150
33.	बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी मुद्दे	5 जून, 20	डॉ० कुमार राका	115
34.	कोविड -19 और बच्चे	6 जून, 20	डॉ० बालू आई	75
35.	कोविड -19 : प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के समक्ष आने वाली चुनौतियां	6 जून, 20	श्री रंजन कुमार	117
36.	व्यापक चट्टान स्खलन और हिमचट्टान स्खलन पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार	7 जून, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	212
37.	भूकंप जोखिम शमन के लिए सामुदायिक तैयारी	8 जून, 20	डॉ० आमिर अली खान	324
38.	"कोविड-19 और परिवर्तनशील पर्यावरण"	9 जून, 20	श्री आशीष कुमार पांडा	547
39.	डेटा विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका	9 जून, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	402
40.	नवीन सामान्य : लॉकडाउन के बाद ग्रीष्म लहर का प्रत्युतर	9 जून, 20	प्रो० संतोष कुमार	68
41.	महामारी के दौरान आपदाओं के लिए संग्रहालय की तैयारी योजना	11 जून, 20	डा० चंद्रानी बंद्योपाध्याय	117
42.	कोविड -19 काल में महामारी और मानव तस्करी	12 जून, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	67

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
43.	उत्तर पूर्व भारत में भूकंप जोखिम न्यूनीकरण	12 जून, 20	डॉ० आमिर अली खान	192
44.	स्कूल बंद होने और लॉकडाउन का बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव	12 जून, 20	डॉ० कुमार राका	543
45.	औद्योगिक सुरक्षा और आपदा जोखिम न्यूनीकरण "उद्योगों में खतरनाक रसायनों का सुरक्षित भंडारण और संचालन"	12 जून, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	483
46.	कोविड -19 और बच्चे	13 जून, 20	डॉ० बालू आई	95
47.	माध्यमिक विद्यालय के बच्चों के समक्ष आ रहीं कोविड -19 सम्बन्धी चुनौतियाँ	13 जून, 20	श्री रंजन कुमार	110
48.	आईएपीजी, एमिटी यूनिवर्सिटी के साथ संयुक्त रूप से आयोजित भू-आचार नीति पर पहली अंतर्राष्ट्रीय (वर्चुअल) संगोष्ठी	14 जून, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	495
49.	कोविड -19 : प्रकृति से दुर्व्यहार से उत्पन्न महामारी	15 जून, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	188
50.	घनी आबादी वाले क्षेत्रों में शहरी मुद्दे और कोविड -19 प्रबंधन	16 जून, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	406
51.	नवीन सामान्य: भूकंप और कोविड -19	18 जून, 20	प्रो० संतोष कुमार	293
52.	भारत में भूकंप के खतरे को समझना और हमारी तैयारी	19 जून, 20	डॉ० आमिर अली खान	752
53.	बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी मुद्दे	19 जून, 20	डॉ० कुमार राका	705
54.	कोविड -19 और बच्चे	20 जून,20	डॉ० बालू आई	100
55.	स्कूल फिर से खोलना: माता-पिता और बच्चों की अपेक्षाएं	20 जून, 20	श्री रंजन कुमार	198
56.	मानसिक कल्याण और व्यवहार परिवर्तन संचार सम्बन्धी आवश्यकता	20 जून, 20	डॉ० सुषमा गुलेरिया	218
57.	महामारी काल में कमजोर समूहों का मानसिक कल्याण और मानसिक सामाजिक देखभाल (आपदा प्रबंधन परिप्रेक्ष्य)	21 जून, 20	डॉ० सुषमा गुलेरिया	-

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
58.	वाश (WASH), जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन सहित, संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण	23 जून, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	365
59.	"औद्योगिक सुरक्षा और आपदा जोखिम न्यूनीकरण में नवाचार/प्रौद्योगिकी की भूमिका"	26 जून, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	977
60.	कोविड -19 काल में बच्चों के जीवन में एक आशा की किरण	26 जून, 20	डॉ० कुमार राका	1020
61.	कोविड -19 और बच्चे	27 जून, 20	डॉ० बालू आई	120
62.	स्कूल खुलने के बाद बच्चों की सुरक्षा	27 जून, 20	श्री रंजन कुमार	194
63.	मनो-सामाजिक देखभाल और जी बी वी मुद्दे विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ संयुक्त रूप से आयोजित	30 जून, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	365
			योग	**10808**
जुलाई, 2020				
64.	शहरी संदर्भ में अग्नि और जीवन सुरक्षा	02 जुलाई, 20	डॉ० आमिर अली खान	160
65.	जोखिम समुत्थानशीलता और महामारी : एक सतत भविष्य के लिए शहरी योजना की पुन: समीक्षा	03 जुलाई, 20	डा० चंद्रानी बंद्योपाध्याय	102
66.	"औद्योगिक सुरक्षा और आपदा जोखिम न्यूनीकरण में अंतर्राष्ट्रीय / प्रौद्योगिकी की भूमिका" – भाग - 2	03 जुलाई, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	477
67.	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005	04 जुलाई, 20	प्रो० संतोष कुमार	49
68.	कोविड19- काल में बाल अधिकारों की सुरक्षा	04 जुलाई, 20	डॉ० बालू आई	81
69.	आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005	06 जुलाई, 20	प्रो० संतोष कुमार	72
70.	"आपदा जोखिम वित्तपोषण बीमा और जोखिम हस्तांतरण" पर प्रथम कार्य समूह की बैठक	09 जुलाई, 20	प्रो० संतोष कुमार	19
71.	आपदा और स्वास्थ्य संचार	10 जुलाई, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	57
72.	बच्चों की जीवनशैली पर कोविड-19 का प्रभाव	10 जुलाई, 20	श्री रंजन	151

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
73.	कोविड-19 काल में बच्चों के लिए घर का सुरक्षित वातावरण	11 जुलाई, 20	डॉ० बालू आई	110
74.	भावनाओं को सही तरीके से महसूस करना, समझना और व्यक्त करना सीखें	11 जुलाई, 20	डॉ० कुमार राका	715
75.	आंधी तूफान और बिजली	14 जुलाई, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	507
76.	शहरी बाढ़ और महामारी का प्रबंधन: स्थानीय स्तर पर कार्रवाई की दिशा में	16 जुलाई, 20	डा० चंद्रानी बंद्योपाध्याय	258
77.	महामारी और समवर्ती आपदाओं में मानसिक स्वास्थ्य प्रतिरक्षा	17 जुलाई, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	435
78.	"कोविड-19 काल में महिलाओं की अधिक भागीदारी और नेतृत्व को प्रोत्साहित करना"	17 जुलाई, 20	श्री रंजन कुमार	319
79.	कोविड-19 काल में महिलाएं और बच्चे: नीतियों और आगे के रास्ते पर चर्चा	18 जुलाई, 20	डॉ० कुमार राका	634
80.	कोविड-19 काल में बच्चों की सुरक्षा में महिलाओं की भूमिका	18 जुलाई, 20	डॉ० बालू आई	198
81.	बादल फटना और बाढ़	21 जुलाई, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	1182
82.	व्यापक आपदा जोखिमों को प्रबंधित करने के लिए अभिनव समाधानों पर निवेश करना	22 जुलाई, 20	प्रो० संतोष कुमार	388
83.	सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार	24 जुलाई, 20	डॉ० सुषमा गुलेरिया	101
84.	"उद्योग में शून्य घटना और निवारक संस्कृति"	24 जुलाई, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	326
85.	महामारी में टीकाकरण	24 जुलाई, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	422
86.	कोविड 19: बच्चों पर विशेष रूप से केन्द्रित प्रतिरक्षा के बारे में तथ्य	24 जुलाई, 20	श्री रंजन कुमार	384
87.	कोविड -19 काल में महिलाओं और बच्चों का कल्याण	25 जुलाई, 20	डॉ० बालू आई	202

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
88.	स्कूल बंद रहने के दौरान बच्चों की ऊर्जा को दिशा प्रदान करना	26 जुलाई, 20	डॉ० कुमार राका	461
89.	शहरी भूकंप जोखिम न्यूनीकरण	27 जुलाई, 20	डॉ० आमिर अली खान	703
90.	चक्रवात और तूफान का उग्र रूप लेना	28 जुलाई, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	1443
91.	महामारी के प्रबंधन में भू-स्थानिक मानचित्रण की भूमिका: समुत्थानशीलता के लिए अनुप्रयोग और हस्तक्षेप	28 जुलाई, 20	डा० चंद्रानी बंद्योपाध्याय	171
92.	"ओडिशा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के लिए भारत आपदा प्रतिक्रिया नेटवर्क (आईडीआरएन) पर एक दिवसीय वरचुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम"	29 जुलाई, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	52
93.	कोविड-19 काल में तनाव प्रबंधन और मानसिक कल्याण	30 जुलाई, 20	श्री आशीष कुमार पांडा	495
94.	सार्वजनिक सुरक्षा के लिए जलवायु-विज्ञान को लोकप्रिय बनाना	31 जुलाई, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	152
95.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार/जोखिम संचार और सामुदायिक जुड़ाव	31 जुलाई, 20	डॉ० सुषमा गुलेरिया	388
96.	कोविड-19 सम्बन्धी प्रवासन चुनौतियां और अवसर	31 जुलाई, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	149
			योग	**11363**
अगस्त, 2020				
97.	अनिश्चितता के दौर में युवाओं को पढ़ाना और सशक्त बनाना	01 अगस्त, 2020	श्री रंजन कुमार	221
98.	जलवायु परिवर्तन और विषम मौसम की घटनाएं	04 अगस्त, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	1170
99.	सामुदायिक समुत्थानशीलता: सामुदायिक पहुँच कार्यक्रम (सीओपी)	04 अगस्त, 2020	डा० चंद्रानी बंद्योपाध्याय	78

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
100.	आपदा के दौरान महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित समुदायों का सृजन	05 अगस्त, 2020	डॉ० अजिन्दर वालिया	334
101.	सीपीसीबी अधिकारियों के साथ बैठक	06 अगस्त, 2020	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	7
102.	कोविड-19 और आपात स्थिति में शिक्षा	07 अगस्त, 2020	डॉ० बालू आई	202
103.	कोविड-19 का स्कूल की पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले बच्चों पर प्रभाव	07 अगस्त, 2020	श्री रंजन कुमार	213
104.	विज्ञान और अध्यात्म के माध्यम से बच्चों को तनावमुक्त करने में अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका	08 अगस्त, 2020	डॉ० कुमार राका	1125
105.	"कोविड-19 काल में विधि-विरोधी बच्चों के लिए प्रेरक वार्ता"	10 अगस्त, 2020	डॉ० कुमार राका	275
106.	भूकंप निगरानी और प्रबंधन	11 अगस्त, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	1262
107.	सीएमपी-डब्ल्यूबी योजना के लिए राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला	13 अगस्त, 2020	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	36
108.	कोविड-19 के प्रथम प्रक्रियादाताओं का मानसिक कल्याण	13 अगस्त, 2020	डॉ० अजिन्दर वालिया	263
109.	एक महिला और बच्चे के फलने-फूलने का कारण बनें	14 अगस्त, 2020	डॉ० बालू आई	363
110.	नवीन परिस्थितियों में विकलांगता समावेशी आपदा जोखिम न्यूनीकरण : नीतियां और स्थानीय स्तर पर हस्तक्षेप	17 अगस्त, 2020	डा० चंद्रानी बंद्योपाध्याय	181
111.	भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता	18 अगस्त, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	1113
112.	शहरी हरित स्थानों की पुन: समीक्षा: समुत्थानशीलता और सतत शहरों की ओर एक कदम	19 अगस्त, 2020	डा० चंद्रानी बंद्योपाध्याय	36
113.	लॉकडाउन के दौरान महिलाओं की सुरक्षा के बदलते अर्थ	19 अगस्त, 2020	डॉ० कुमार राका	307

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
114.	आपदा और मानव तस्करी के आयाम, चुनौतियाँ, प्रतिक्रियाएँ	20 अगस्त, 2020	डॉ० अजिन्दर वालिया	283
115.	कोविड-19 स्थिति के संदर्भ में मानसिक कुशलता और व्यवहार परिवर्तन संचार की आवश्यकता	20 अगस्त, 2020	डॉ० सुषमा गुलेरिया	126
116.	स्थानीय क्षमताओं और पहल का निर्माण: किशोर स्वयंसेवक कोविड 19- की चुनौती पर खरा उतरे	21 अगस्त, 2020	डॉ० बालू आई ,	332
117.	केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	21 अगस्त, 2020	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	42
118.	स्कूलों को फिर से खोलना: चुनौतियां और अवसर	22 अगस्त, 2020	श्री रंजन कुमार	314
119.	कृषि में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन विकल्प: विज्ञान और नवाचार-2	24 अगस्त, 2020	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	281
120.	स्थानीय क्षमता और पहल निर्माण, व्यापक आपदा प्रबंधन	24 अगस्त, 2020	श्री विक्रम गुर्जर	308
121.	हिमपात और हिमस्खलन जोखिम प्रबंधन	25 अगस्त, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	1113
122.	भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	25 अगस्त, 2020	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	83
123.	व्यापक जोखिम को प्रबंधित करने के तरीके और लोगों की सुरक्षा	26 अगस्त, 2020	प्रो० संतोष कुमार	186
124.	विपरीतलिंगी (ट्रांसजेंडर) और आपदा	27 अगस्त, 2020	डॉ० अजिन्दर वालिया	425
125.	राजस्थान राज्य के सहयोग से भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	27 अगस्त, 2020	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	66

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
126.	दिल्ली में कोविड-19 की वर्तमान स्थिति : प्रबंधन और चुनौतियां	27 अगस्त, 2020	डॉ० सुषमा गुलेरिया	131
127.	दिल्ली में 6.00 डिग्री तीव्रता वाले भूकम्प की 60 वीं वर्षगांठ : शहरी संदर्भ : भूकंप प्रतिरोध क्षमता का निर्माण	27 अगस्त, 2020	डॉ० आमिर अली खान	115
128.	बाल हितैषी स्मार्ट शहर	28 अगस्त, 2020	डॉ० बालू आई	345
129.	भारत आपदा संसाधन नेटवर्क का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	28 अगस्त, 2020	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	40
130.	माता-पिता-शिक्षक-बच्चों के जीवन में निरंतरता और कोविड19- की चुनौतियां	28 अगस्त, 2020	श्री रंजन कुमार	283
131.	कोविड-19 और बाल श्रम: एक उभरती हुई चिंता	29 अगस्त, 2020	डॉ० कुमार राका	443
132.	मिजोरम के चम्फाई जिला में भूकंपीय हलचल : अनुभव और पहल	31 अगस्त, 2020	डॉ० आमिर अली खान	109
			योग	**12211**
सितंबर, 2020				
133.	सुनामी जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता	01 सितंबर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	1287
134.	भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का उत्तर प्रदेश राज्य के लिए सहयोग से एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	01 सितंबर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	99
135.	15 वें वित्त आयोग के अन्तर्गत आपदा जोखिम न्यूनीकरण	01 सितंबर, 20	प्रो० संतोष कुमार	481
136.	विपरीत प्रवासन और सर्वोत्तम प्रक्रियाऐं	03 सितंबर, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	410
137.	पर्यावरण और कोविड-19 मुक्त लक्षद्वीप: भारत में जन स्वास्थ्य के लिए एक उदाहरण	03 सितंबर, 20	डॉ० सुषमा गुलेरिया	135

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
138.	स्थानीय क्षमता निर्माण और आपदा जोखिम न्यूनीकरण को प्रोत्साहन देने के लिए पहल : कोविड-19 के बीच स्कूलों को सुरक्षा सहित फिर से खोलना	05 सितंबर, 20	डॉ० बालू आई	502
139.	कोविड-19 के हल्के मामलों की रोकथाम और घर पर देखभाल	05 सितंबर, 20	डॉ० कुमार राका	785
140.	समग्र आपदा जोखिम प्रबंधन के लिए जोखिम मानचित्रण को मुख्य धारा में लाना: समुत्थानशीलता की दिशा में एक कदम	07 सितंबर, 20	प्रो० संतोष कुमार	137
141.	सोशल मीडिया और मोबाइल प्रौद्योगिकियों के अवसरों का उपयोग करें	08 सितंबर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	845
142.	महामारी और आपदाओं के दौरान ऑनलाइन अपराधों से महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा	09 सितंबर, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	454
143.	पुडुचेरी के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	10 सितंबर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	53
144.	गोवा के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	10 सितंबर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	53
145.	लद्दाख के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	10 सितंबर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	53
146.	लक्षद्वीप के लिए आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	10 सितंबर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	53
147.	महिला उत्थान: कोविड के दौरान अदृश्य बाधायें	11 सितंबर, 20	डॉ० बालू आई	416

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
148.	महामारी के जोखिम को समझना और शमन करना: घर से अस्पताल तक की देखभाल, स्थानीय क्षमता का निर्माण	12 सितंबर, 20	डॉ० कुमार राका	769
149.	"आपदा जोखिम प्रबंधन के लिए योजना महत्वपूर्ण क्यों है"।	14 सितंबर, 20	श्री शेखर चतुर्वेदी	224
150.	क्षेत्रीय विकास और व्यवसायों के माध्यम से आपदा जोखिम प्रबंधन	14 सितंबर, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	117
151.	वर्तमान परिदृश्य में सिविल इंजीनियरिंग और निर्माण चुनौतियां	15 सितंबर, 20	डॉ० आमिर अली खान	179
152.	यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपदा से सीखने का अवसर व्यर्थ न हो, आपदा की चुनौतियों को अवसरों में बदलना।	15 सितंबर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	1132
153.	मणिपुर के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	15 सितंबर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	26
154.	कोविड - 19 काल में मिश्रित शिक्षण और पाठ्यक्रम संप्रेषण	15 सितंबर, 20	श्री रंजन कुमार	501
155.	पुरुषों और महिलाओं पर महामारी का प्रभाव	16 सितंबर, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	515
156.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए भारत विश्वविद्यालय और संस्थान नेटवर्क (आईयूआईएन-डीआरआर)।	16 सितंबर, 20	प्रो० संतोष कुमार	384
157.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	17 सितंबर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	23
158.	दमन और दीव के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	17 सितंबर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	23

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
159.	चंडीगढ़ के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	17 सितंबर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	23
160.	आपदा जोखिम प्रबंधन के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी	18 सितंबर, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	123
161.	2014 में कश्मीर में आई बाढ़ से रिकवरी: अनुभव और पहल : जम्मू और कश्मीर राज्य केंद्र, श्रीनगर	18 सितंबर, 20	डॉ० आमिर अली खान	237
162.	कोविड-19 काल में महिलाओं और बच्चों के समक्ष आ रहे मुद्दे और चुनौतियां तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण	18 सितंबर, 20	डॉ० बालू आई	498
163.	छोटे बच्चों का कल्याण और सुरक्षा	19 सितंबर, 20	श्री रंजन कुमार	344
164.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर): "कोविड- 19 लॉकडाउन का खुलना तथा रसायन उद्योग आपदायें"	19 सितंबर, 20	श्री आशीष कुमार पांडा	1181
165.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन में पंचायत की भूमिका	21 सितंबर, 20	डॉ० सुषमा गुलेरिया	317
166.	भूकंप, भूस्खलन और बाढ़ पर केंद्रित डीआरआर तथा सतत और सुरक्षित पहाड़ी क्षेत्र विकास	22 सितंबर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	451
167.	भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम"	22 सितंबर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	43
168.	नागालैंड के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	22 सितंबर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	43
169.	स्थानीय क्षमता निर्माण और पहल	22 सितंबर, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	76

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
170.	महामारी के दौरान छात्रों और शैक्षणिक संस्थानों के समक्ष आने वाली चुनौतियां-प्रतिक्रियाएं और आगे का रास्ता	23 सितंबर, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	512
171.	"कर्नाटक (केएसडीएमए) के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम"	24 सितंबर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	118
172.	विकलांगता-समावेशी शहरी विकास: डीआईडीआरआर के लिए बाधाओं को दूर करना	24 सितंबर, 20	प्रो० संतोष कुमार	70
173.	ग्रामीण बच्चों के लिए समावेशी और समान ऑनलाइन शिक्षा सुनिश्चित करना	24 सितंबर, 20	डॉ० बालू आई	573
174.	स्कूलों को फिर से खोलना: बच्चों के समक्ष आने वाली समस्याएं और मुद्दे	25 सितंबर, 20	श्री रंजन कुमार	205
175.	आंध्र प्रदेश के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	28 सितंबर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	214
176.	किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के तहत प्राकृतिक आपदाओं के शिकार बच्चे।	28 सितंबर, 20	डॉ० कुमार राका	907
177.	हरित उपभोक्ता दिवस	28 सितंबर, 20	श्री आशीष कुमार पांडा	524
178.	आपदा संबंधित बीमारियों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुकूलन योजना (एनएचएपी) पर संचार कार्यशाला	29 सितंबर, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	26
179.	डीआरआर, आपदाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया में अधिक सामंजस्य लाना	29 सितंबर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	842
			योग	**16983**

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
अक्टूबर				
180.	पंजाब राज्य के लिए के भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम।	01 अक्टूबर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	50
181.	कोविड-19 काल में विद्यालयों का सुरक्षित रूप से पुनः खोलना	01 अक्टूबर, 20	डॉ० बालू आई	408
182.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण : आपदा जोखिम प्रबंधन के लिए योजना क्यों महत्वपूर्ण है?	01 अक्टूबर, 20	श्री शेखर चतुर्वेदी	180
183.	पशु समावेशी आपदा जोखिम न्यूनीकरण	05 अक्टूबर, 20	श्री आशीष कुमार पांडा	103
184.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) में महिला नेतृत्व के लिए संस्थागत ढांचा	05 अक्टूबर, 20	प्रो० संतोष कुमार	768
185.	आपदा प्रबंधन में भू स्थानिक अनुप्रयोग	06 अक्टूबर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	1154
186.	अरुणाचल प्रदेश के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	06 अक्टूबर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	32
187.	रिस्पांस-वॉश सेक्टर में आपातकालीन तैयारी के लिए समन्वय को मजबूत करने पर पैनल चर्चा	06 अक्टूबर, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	12
188.	एफएनएस क्षेत्र	07 अक्टूबर, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	21
189.	आपदा जोखिम वित्तपोषण, सीमा और जोखिम हस्तांतरण पर कार्यदल की बैठक	07 अक्टूबर, 20	प्रो० संतोष कुमार	33
190.	आपदा जोखिम प्रबंधन में युवाओं की भूमिका	07 अक्टूबर, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	469
191.	2005 में आए कश्मीर भूकंप की 15 वीं वर्षगांठ - चुनौतियां, समुत्थानशीलता और शमन	08 अक्टूबर, 20	डॉ० आमिर अली खान	123
192.	स्वास्थ्य क्षेत्र	08 अक्टूबर, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	10

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
193.	एनसीटी दिल्ली के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	08 अक्टूबर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	26
194.	कोविड-19 के बाद जीवन को सामान्य बनाना	08 अक्टूबर, 20	श्री आशीष कुमार पांडा	313
195.	डीआरआर: कोविड-19 के बीच फिर से स्कूल खोलने की तैयारी	08 अक्टूबर, 20	डॉ० बालू आई	657
196.	शाहरी बाढ़: चुनौतियों से समाधान तक	09 अक्टूबर, 20	प्रो० संतोष कुमार	169
197.	आश्रय क्षेत्र	09 अक्टूबर, 20	डॉ० आमिर अली खान	376
198.	संरक्षण क्षेत्र	09 अक्टूबर, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	21
199.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) में ज्ञान प्रबंधन की भूमिका	09 अक्टूबर, 20	डॉ० सुषमा गुलेरिया	107
200.	कोविड-19 के बीच शैक्षणिक संस्थान फिर से खोलने की तैयारी	09 अक्टूबर, 20	श्री रंजन कुमार	196
201.	डीआरआर नीतिगत ढांचा: हितधारकों की भूमिका (एसएफडीआरआर और डीआरआर के लिए प्रधानमंत्री का 10 बिंदु एजेंडा) त्रिपुरा	12 अक्टूबर, 20	डॉ० आमिर अली खान	147
202.	प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर अगली पीढ़ी की आपदा समुत्थानशीलता के लिए कोविड-19 से मिली सीख	13 अक्टूबर, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	70
203.	आपदा जोखिम प्रबंधन	13 अक्टूबर, 20	डॉ० आमिर अली खान	73
204.	महामारी, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण	13 अक्टूबर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	937
205.	केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	13 अक्टूबर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	34

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
206.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस	13 अक्टूबर, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	11
207.	"लद्दाख में आपदा: भेद्यता और तैयारी"	13 अक्टूबर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	56
208.	परिवार आपातकालीन प्रबंधन योजना पर विशेष ध्यान देते हुए कोविड-19 महामारी के दौरान बहु खतरों के प्रति समुदायों की समुत्थानशीलता का निर्माण	14 अक्टूबर, 20	डॉ० सुषमा गुलेरिया	158
209.	"कोविड-19 के दौरान बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य तनाव"	14 अक्टूबर, 20	श्री रंजन कुमार	712
210.	ग्राम पंचायत विकास योजना में आपदा जोखिम न्यूनीकरण का एकीकरण	15 अक्टूबर, 20	डॉ० सुषमा गुलेरिया	203
211.	"तमिलनाडु के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम"	15 अक्टूबर-20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	73
212.	अंतरराष्ट्रीय भू-नैतिकता दिवस	15 अक्टूबर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	80
213.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण : कोविड-19 उपयुक्त व्यवहार	15 अक्टूबर, 20	डॉ० बालू आई	488
214.	उभयलिंगी (ट्रांसजेंडर) और आपदा	16 अक्टूबर, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	102
215.	पहाड़ी क्षेत्र पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन सतत विकास और भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता	20 अक्टूबर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	785
216.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण में महिला नेतृत्व	21 अक्टूबर, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	69
217.	"मध्य प्रदेश सरकार के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम"	21 अक्टूबर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	103
218.	बाल केंद्रित समुत्थानशीलता	21 अक्टूबर, 20	श्री रंजन कुमार	1168

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
219.	"बदलता मौसम: बढ़ता वायु प्रदूषण - आगे का रास्ता"।	22 अक्टूबर, 20	श्री आशीष कुमार पांडा	209
220.	बाल विवाह और जबरन बाल विवाह	22 अक्टूबर, 20	डॉ० बालू आई	424
221.	कोविड-19: कुछ अंतर्दृष्टियां	23 अक्टूबर, 20	डॉ० सुषमा गुलेरिया	136
222.	"व्यापक आपदा प्रबंधन "	24 अक्टूबर, 20	श्री शेखर चतुर्वेदी	106
223.	शैक्षिक संस्थानों के फिर से खुलने के बाद व्यवहार परिवर्तन	26 अक्टूबर, 20	श्री रंजन कुमार	715
224.	जन सूचना एवं मीडिया प्रबंधन	27 अक्टूबर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	848
225.	शैक्षिक संस्थानों में बदलते परिदृश्य: वरदान या अभिशाप :	28 अक्टूबर, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	55
226.	"उत्तराखंड के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम"	28 अक्टूबर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	26
227.	शीतकालीन मौसम पैटर्न : अनुभव और पहल (जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख)	28 अक्टूबर, 20	डॉ० आमिर अली खान	103
228.	"झारखंड के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम"	29 अक्टूबर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	31
229.	बदलते मौसम में बाल केंद्रित समुत्थानशीलता	29 अक्टूबर, 20	श्री रंजन कुमार	875
230.	कोविड-19 के प्रति प्रतिक्रिया में जल स्वच्छता और सफाई का महत्व	31 अक्टूबर, 20	श्री रंजन कुमार	820
			योग	**14845**
नवम्बर, 2020				
231.	तटीय पर्यावरण, विकास और आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा समुत्थानशीलता	03 नवम्बर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	934
232.	कोविड-19: जन आंदोलन और उचित व्यवहार	03 नवम्बर, 20	प्रो० संतोष कुमार	65

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
233.	"पश्चिम बंगाल के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम"	04 नवम्बर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	58
234.	पर्यावरण और आपदायें : एकीकृत जोखिम, समुत्थानशीलता और सतत विकास संवेदीकरण कार्यशाला	05 नवम्बर, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	37
235.	"सिक्किम के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम"	05 नवम्बर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	16
236.	जल प्रदूषण और स्वास्थ्य जोखिम तथा डीआरआर	05 नवम्बर, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	18
237.	कोविड-19 जैसी जैविक आपदा का प्रबंधन	05 नवम्बर, 20	डॉ० सुषमा गुलेरिया	120
238.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण, कोविड-19: जन आंदोलन और बच्चों के लिए उपयुक्त व्यवहार	05 नवम्बर, 20	डॉ० बालू आई	376
239.	"कोविड-19 महामारी झेल चुके लोगों के अनुभव"	06 नवम्बर, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	58
240.	भूस्खलन के विशेष संदर्भ में जलवायु अनुकूल विकास	09 नवम्बर, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	115
241.	तेल और गैस क्षेत्र में आपदा प्रबंधन	10 नवम्बर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	849
242.	"तेलंगाना के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम"	10 नवम्बर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	45
243.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण: डिस्लेक्सिया और बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य	10 नवम्बर, 20	डॉ० बालू आई	341
244.	कोविड-19 के दौरान महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य समस्याओं को समझना और उनका प्रबंधन करना	10 नवम्बर, 20	डॉ० कुमार राका	574

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
245.	"महाराष्ट्र के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम"	12 नवम्बर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	49
246.	बाल तस्करी पर प्रभाव	12 नवम्बर, 20	श्री रंजन कुमार	392
247.	कोविड-19 महामारी: समुदायों के लिए संकट और अवसर	12 नवम्बर, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	67
248.	"बच्चे और शैक्षिक संस्थानों को खोलना - महामारी के साथ रहना"	13 नवम्बर, 20	श्री आशीष कुमार पांडा	357
249.	पूर्व चेतावनी और संचार	17 नवम्बर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	860
250.	हिमाचल प्रदेश में भूकंप सुरक्षा के लिए स्वदेशी निर्माण प्रथाओं को मुख्यधारा में लाना	17 नवम्बर, 20	डॉ० आमिर अली खान	145
251.	"गुजरात के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम"	18 नवम्बर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	124
252.	कोविड-19 के दौरान समवर्ती आपदाएं: सीखे गए सबक	18 नवम्बर, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	51
253.	"सिविल इंजीनियरिंग और आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर)"	19 नवम्बर, 20	श्री आशीष कुमार पांडा	353
254.	शहरी अग्नि जोखिम शमन	20 नवम्बर, 20	डॉ० आमिर अली खान	84
255.	कोविड संकट : उपयुक्त व्यवहार के लिए जन आंदोलन	23 नवम्बर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	120
256.	कोविड संकट : कार्य स्थल पर कोविड प्रोटोकॉल (मीडिया पेशेवरों के लिए)	23 नवम्बर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	120
257.	जैविक आपदा से निपटने के लिए सामुदायिक जागरूकता और भागीदारी	23 नवम्बर, 20	डॉ० सुषमा गुलेरिया	107
258.	"कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में जोखिम संचार और सामुदायिक जुड़ाव"	23 नवम्बर, 20	डॉ० कुमार राका	872

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
259.	जलवायु परिवर्तन और तटीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा समुत्थानशीलता	24 नवम्बर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	549
260.	आपदा जोखिम प्रबंधन के लिए योजना महत्वपूर्ण क्यों है?	24 नवम्बर, 20	श्री शेखर चतुर्वेदी	100
261.	बच्चों के स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव	25 नवम्बर, 20	श्री रंजन कुमार	506
262.	"असम के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम"	26 नवम्बर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	78
263.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण, बच्चों को ऑनलाइन दुर्व्यवहार से बचाना	26 नवम्बर, 20	डॉ० बालू आई	418
264.	पर्यावरण जलवायु परिवर्तन और डीआरआर	27 नवम्बर, 20	श्री आशीष कुमार पांडा	3048
265.	कोविड-19 के दौरान बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य	27 नवम्बर, 20	डॉ० कुमार राका	771
266.	हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में आपदा प्रबंधन	28 नवम्बर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	173
267.	कोविड-19 और आपात स्थिति में शिक्षा	30 नवम्बर, 20	श्री रंजन कुमार	480
			योग	**13430**
दिसम्बर, 2020				
268.	कोविड-19 अनुकूल व्यवहार के लिए जन आंदोलन	01 दिसम्बर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	320
269.	व्यापक आपदा प्रबंधन पर वेबीनार	01 दिसम्बर, 20	श्री शेखर चतुर्वेदी	177
270.	"बिहार के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम"	01 दिसम्बर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	69
271.	"स्कूलों के फिर से खुलने के बाद बच्चों की सुरक्षा"	01 दिसम्बर, 20	डॉ० बालू आई	486
272.	दिव्यांग बच्चे तथा समावेशी डीआरआर	02 दिसम्बर, 20	डॉ० बालू आई	271
273.	"आपदा प्रबंधन में दंत चिकित्सा स्वास्थ्य पेशेवरों का एकीकरण"	03 दिसम्बर, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	172
274.	आपदा जोखिम, शमन और चिरस्थायी समुदाय	03 दिसम्बर, 20	प्रो० संतोष कुमार	47

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
275.	जैव विविधता संरक्षण - मुद्दे और चुनौतियां:	03 दिसम्बर, 20	श्री आशीष कुमार पांडा	275
276.	"छत्तीसगढ़ के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम"	03 दिसम्बर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	55
277.	जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण और बच्चे	03 दिसम्बर, 20	डॉ० बालू आई	310
278.	केरल राज्य की पहल पर विशेष ध्यान देने के साथ वर्तमान महामारी के दौरान बहु-जोखिम तैयारी	04 दिसम्बर, 20	डॉ० सुषमा गुलेरिया	94
279.	"बाल पोषण, स्वास्थ्य और समुत्थानशीलता"	07 दिसम्बर, 20	श्री रंजन कुमार	538
280.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण : समुदाय की भूमिका, अवसर और चुनौतियां	07 दिसम्बर, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	48
281.	प्राकृतिक गैस क्षेत्र में आपदा प्रबंधन	08 दिसम्बर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	447
282.	"मेघालय के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम"	10 दिसम्बर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	34
283.	कोविड-19 काल में स्वास्थ अवसंरचना की सुरक्षा	10 दिसम्बर, 20	डॉ० आमिर अली खान	104
284.	बाल संरक्षण: मनोसामाजिक और कानूनी स्पेक्ट्रम	10 दिसम्बर, 20	डॉ० बालू आई	309
285.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण में जोखिम सूचित विकास योजना के लिए बहु - जोखिम खतरा मूल्यांकन का अनुप्रयोग	11 दिसम्बर, 20	डॉ० सुषमा गुलेरिया	109
286.	आपदा जोखिम प्रबंधन में महिलाओं की अधिक भागीदारी और नेतृत्व को प्रोत्साहित करना"	11 दिसम्बर, 20	श्री आशीष कुमार पांडा	147
287.	आपदा प्रबंधन में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका	11 दिसम्बर, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	69
288.	पर्वतीय जैव विविधता संरक्षण: प्रकृति आधारित समाधानों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन, आपदा जोखिम न्यूनीकरण को संबोधित करना	11 दिसम्बर, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	203

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
289.	तटीय क्षेत्र विनिमयन, विकास और आपदा प्रबंधन	15 दिसम्बर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	216
290.	"त्रिपुरा के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) का एक दिवसीय वर्चुअल अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम"	15 दिसम्बर, 20	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	71
291.	महिलाओं पर कोविड-19 का अलग-अलग प्रभाव और रिकवरी की चुनौतियां	15 दिसम्बर, 20	श्री रंजन कुमार	477
292.	त्रिपुरा में आपदा सुरक्षा के लिए पारंपरिक निर्माण पद्धतियां	16 दिसम्बर, 20	डॉ० आमिर अली खान	99
293.	आध्यात्मिकता और आपदा	16 दिसम्बर, 20	डॉ० अजिन्दर वालिया	50
294.	भूकंप आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए अवसंरचनायें	17 दिसम्बर, 20	डॉ० आमिर अली खान	108
295.	बच्चों को हिंसा, और दुर्व्यवहार से बचाना	17 दिसम्बर, 20	डॉ० बालू आई	378
296.	वायु प्रदूषण शमन और प्रबंधन	18 दिसम्बर, 20	श्री आशीष कुमार पांडा	124
297.	जलवायु परिवर्तन, डीआरआर और बच्चे : समक्ष आ रही चुनौतियां	18 दिसम्बर, 20	श्री रंजन कुमार	214
298.	"भारत में आपदा जोखिम प्रबंधन मुद्दे और चुनौतियां"	21 दिसम्बर, 20	डॉ० कुमार राका	625
299.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता के लिए पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोण	22 दिसम्बर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	276
300.	"आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए मीडिया"	23 दिसम्बर, 20	डॉ० आमिर अली खान	136
301.	"वायु प्रदूषण और बच्चों के स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव"	23 दिसम्बर, 20	डॉ० कुमार राका	314
302.	"जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण "	24 दिसम्बर, 20	प्रो० संतोष कुमार	98
303.	महासागर सुनामी की 16 वीं वर्षगांठ "सुनामी जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता पर वर्चुअल संगोष्ठी"	26 दिसम्बर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	776

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
304.	"शहरी आपदा समुत्थानशीलता: पश्चिमी दिल्ली"	28 दिसम्बर, 20	श्री आशीष कुमार पांडा	99
305.	"आपदाओं में खाद्य और पोषण संबंधी जोखिम : कोविड-19 परिप्रेक्ष्य से सीखे सबक"	28 दिसम्बर, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	96
306.	शहरी बाढ़ पर दूसरा वेबीनार : चुनौतियां से समाधान तक	28 दिसम्बर, 20	प्रो० संतोष कुमार	358
307.	"रासायनिक औद्योगिक आपदा प्रबंधन : सार्वजनिक देयता बीमा अधिनियम"	28 दिसम्बर, 20	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	112
308.	प्राकृतिक गैस क्षेत्र में आपदा प्रबंधन	29 दिसम्बर, 20	प्रो० सूर्य प्रकाश	421
309.	बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य और आपदा	29 दिसम्बर, 20	डॉ० बालू आई	355
310.	कोविड-19 के संदर्भ में वॉश और जन स्वास्थ्य अंतर्संबंध	29 दिसम्बर, 20	डॉ० सुषमा गुलेरिया	70
			योग	**9757**
जनवरी, 2021				
311.	ऑनलाइन शिक्षा के कारण डिजिटल अंतर का बढ़ना : बच्चों के मुद्दे और चिंताएं	06 जनवरी, 21	डॉ० कुमार राका	889
312.	जलवायु परिवर्तन : बाल स्वास्थ्य और पोषण	07 जनवरी, 21	डॉ० बालू आई	301
313.	वर्तमान महामारी के दौरान बहु-जोखिम के लिए तैयारी	08 जनवरी, 21	डॉ० सुषमा गुलेरिया	146
314.	कोविड19- और मानसिक कल्याण	08 जनवरी, 21	श्री आशीष कुमार पांडा	67
315.	कोविड19- सुरक्षित स्कूल संचालन	08 जनवरी, 21	श्री रंजन कुमार	604
316.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण के प्रति जीवन चक्र दृष्टिकोण	11 जनवरी, 21	डॉ० बालू आई	358
317.	आपदा प्रबंधन में युवाओं की भूमिका	12 जनवरी, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	144
318.	पेट्रोलियम उद्योग में आपदा प्रबंधन :	12 जनवरी, 21	प्रो० सूर्य प्रकाश	343
319.	"बर्ड फ्लू: एक स्वास्थ्य आपातकाल-जोखिम और प्रतिक्रिया"	12 जनवरी, 21	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	185

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
320.	"आपदा जोखिम प्रबंधन में महिलाओं की अधिक भागीदारी और नेतृत्व को प्रोत्साहित करना"	13 जनवरी, 21	श्री आशीष कुमार पांडा	202
321.	आघात और आत्महत्या की रोकथाम: गहन मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान	13 जनवरी, 21	डॉ० कुमार राका	453
322.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण में स्थानीय संगठन की भूमिका और उनकी सहभागिता	15 जनवरी, 21	डॉ० सुषमा गुलेरिया	110
323.	आपदा प्रबंधन योजना	15 जनवरी, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	156
324.	सर्दियों में अग्नि सुरक्षा उपाय	16 जनवरी, 21	डॉ० आमिर अली खान	198
325.	"सेंडाई निगरानी तंत्र और भारत के लिए प्रक्रिया"	18 जनवरी, 21	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	114
326.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण में युवाओं की भूमिका	18 जनवरी, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	50
327.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण और बाल संरक्षण	18 जनवरी, 21	श्री रंजन कुमार	402
328.	कोरोना के साथ निर्वाह : 2021 और इसके पश्चात	18 जनवरी, 21	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	62
329.	संग्रहालय और आपदा जोखिम प्रबंधन	19 जनवरी, 21	प्रो० सूर्य प्रकाश	287
330.	पर्यावरण और आपदा जोखिम न्यूनीकरण	21 जनवरी, 21	श्री आशीष कुमार पांडा	330
331.	बुनियादी आपदा प्रबंधन	22 जनवरी, 21	श्री आशीष कुमार पांडा	475
332.	व्यापक आपदा प्रबंधन (यू पी)	22 जनवरी, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	119
333.	समुत्थानशील भारत के लिए नगर पालिकाओं और नागरिक जागरूकता का निर्माण	22 जनवरी, 21	प्रो० संतोष कुमार	91
334.	कोविड-19 टीकाकरण और आपदा समुत्थानशीलता : भय को दूर करना	22 जनवरी, 21	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	165
335.	स्वास्थ्य क्षेत्र में पर्यावरण (गैर-नैदानिक) जोखिम तथा आपदा प्रबंधन	22 जनवरी, 21	डॉ० सुषमा गुलेरिया	97

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
336.	आपदा प्रबंधन: आपदाओं की पूर्व चेतावनी और पूर्वानुमान लगाना (पूर्व चेतावनी प्रसार और संचार, चेतावनी का पता लगाना, निगरानी और प्रसार: सर्वोत्तम अभ्यास)	25 जनवरी, 21	डॉ० अजिन्दर वालिया	27
337.	26 जनवरी 2001 में एम 6.9 तीव्रता के भूकंप की 20वीं वर्षगांठ : शहरी भूकंप जोखिम न्यूनीकरण	25 जनवरी, 21	डॉ० आमिर अली खान	257
338.	आपदाएं, शैक्षिक व्यवधान और बच्चे	27 जनवरी, 21	डॉ० कुमार राका	523
339.	कोविड-19 प्रभाव, अवसर और आगे का रास्ता	28 जनवरी, 21	डॉ० सुषमा गुलेरिया	120
340.	समुदायों को सशक्त : बनाना स्थानीय स्तर पर आपदा जोखिम न्यूनीकरण	28 जनवरी, 21	डॉ० आमिर अली खान	193
341.	आपदा प्रबंधन अग्नि सुरक्षा (महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की अग्नि सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए पहल)	29 जनवरी, 21	डॉ० अजिन्दर वालिया	30
342.	बच्चे और युवा कोविड 19- संकट का प्रयुत्तर दे रहे हैं।	29 जनवरी, 21	श्री रंजन कुमार	279
343.	आपात स्थिति के लिए अस्पताल की तैयारी	30 जनवरी, 21	डॉ० आमिर अली खान	148
344.	आपदा जोखिम प्रबंधन में किशोरों की भूमिका	30 जनवरी, 21	डॉ० बालू आई	728
			योग	**8653**
फरवरी, 2021				
345.	जिला आपदा प्रबंधन योजना में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) हस्तक्षेप	01 फरवरी, 21	डॉ० आमिर अली खान	173
346.	बच्चों पर आपदा का प्रभाव पर बेविनार	01 फरवरी, 21	डॉ० बालू आई	488
347.	पेट्रोलियम उद्योग में आपदा प्रबंधन	02 फरवरी, 21	प्रो० सूर्य प्रकाश	259
348.	आपदा जोखिम प्रबंधन में एनएसएस (किशोर) स्वयंसेवकों की भूमिका	03 फरवरी, 21	डॉ० बालू आई	463
349.	"आद्रभूमि संरक्षण"	04 फरवरी, 21	श्री आशीष कुमार पांडा	128

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
350.	आपदा और आपात स्थितियों में शिशु: कमजोरियों को समझना, क्षमता का निर्माण और समुत्थानशीलता का संवर्धन	04 फरवरी, 21	डॉ० बालू आई	521
351.	स्वास्थ्य और आपदाएं	05 फरवरी, 21	डॉ० वालिया	30
352.	भारत की आपदा प्रबंधन रणनीतियों में खाद्य और पोषण सुरक्षा को मुख्यधारा में लाना	05 फरवरी, 21	डॉ० सुषमा गुलेरिया	13
353.	"गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की पोषण संबंधी आवश्यकताएं" एनआईडीएम साउथ कैंपस द्वारा आयोजित	08 फरवरी, 21	श्री रंजन कुमार	250
354.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण में प्रथम प्रतिक्रियाकर्ताओं की भूमिका	09 फरवरी, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	191
355.	टीकाकरण और बच्चे: कल्पना और वास्तविकता	09 फरवरी, 21	डॉ० कुमार राका	1916
356.	"समुदाय आधारित आपदा जोखिम मूल्यांकन और प्रबंधन": महाराणा प्रताप कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर राजस्थान के सहयोग से	10 फरवरी, 21	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	422
357.	जल विवेक	12 फरवरी, 21	डॉ० सुषमा गुलेरिया	74
358.	आपदा प्रबंधन स्कूल सुरक्षा	12 फरवरी, 21	डॉ० अजिन्दर वालिया	30
359.	अपरदन उत्प्रेरित विस्थापन: सामने आ रही चुनौतियां और समाधान	12 फरवरी, 21	प्रो० संतोष कुमार	256
360.	"पेट्रोलियम उद्योग में आपदा प्रबंधन"	15 फरवरी, 21	प्रो० सूर्य प्रकाश	225
361.	"पेट्रोलियम उद्योग में आपदा प्रबंधन"	16 फरवरी, 21	प्रो० सूर्य प्रकाश	144
362.	"कोविड 19- महामारी का प्रबंधन: अनुभव और पहल	16 फरवरी, 21	डॉ० आमिर अली खान	96
363.	बेहतर निर्माण के लिए संरचनाओं और बुनियादी ढांचे में समुत्थानशीलता की आवश्यकता को संबोधित करना	16 फरवरी, 21	डॉ० सुषमा गुलेरिया	109

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
364.	"जोखिम से समुत्थानशीलता : डॉ० आर के भंडारी (सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार 2020) से एक बातचीत" एनआईडीएम द्वारा आयोजित	16 फरवरी, 21	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	74
365.	सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा "सड़क सुरक्षा और बच्चे"	16 फरवरी, 21	डॉ० कुमार राका	492
366.	युवा वयस्कों में आपदा मनो-सामाजिक देखभाल: कुलाथूर, चेन्नई, तमिलनाडु	17 फरवरी, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	140
367.	आपदा और आपात स्थिति में बच्चे, नीतिगत सिफारिशें और कार्य योजना:	17 फरवरी, 21	डॉ० बालू आई	305
368.	डीआरआर, पशु समावेशी आपदा जोखिम न्यूनीकरण (एआईडीआरआर)	18 फरवरी, 21	श्री आशीष कुमार पांडा	269
369.	"वनाग्नि प्रबंधन"	19 फरवरी, 21	श्री आशीष कुमार पांडा	137
370.	आपदाओं की पूर्व चेतावनी और पता लगाना (प्रारंभिक चेतावनी प्रसार और संचार पूर्व चेतावनी का पता लगाना, निगरानी और प्रसार: सर्वोत्तम अभ्यास)	19 फरवरी, 21	डॉ० अजिन्दर वालिया	44
371.	असम में आसन्न जलवायु जोखिम और बाढ़	20 फरवरी, 21	डॉ० सुषमा गुलेरिया	103
372.	स्कूली बच्चों के विशेष संदर्भ में आपदा मनो-सामाजिक देखभाल	22 फरवरी, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	320
373.	एनआईडीएम द्वारा आयोजित : आपदा स्थितियों में सोशल मीडिया और जन सूचना	23 फरवरी, 21	प्रो० सूर्य प्रकाश	325
374.	भारत के शहरों में आपदा जोखिमों का मानचित्रण	23 फरवरी, 21	प्रो० संतोष कुमार	72

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
375.	एनआईडीएम द्वारा आयोजित: हिमालय में समुत्थानशील विकास का संदर्भीकरण: "श्री चंडी प्रसाद भट्ट" (पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता, गांधी मैगसेसे पुरस्कार, राष्ट्रीय एकता के लिए अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार) के साथ बातचीत	23 फरवरी, 21	प्रो० संतोष कुमार	126
376.	बड़ी सभाओं में भीड़ का प्रबंधन :	23 फरवरी, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	229
377.	"शहरी समुत्थानशीलता के लिए परिनगरीय पारिस्थितिकी तंत्र: अनुभव साझा करना और ज्ञान उत्पादों की शुरूआत"	23 फरवरी, 21	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	17
378.	डीआरआर, "जोखिम से समुत्थानशीलता : सीडस (SEEDS) इंडिया के साथ एक संवाद"	24 फरवरी, 21	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	64
379.	"अस्पताल सुरक्षा: भुज भूकंप के बाद के अनुभव और पहल"	24 फरवरी, 21	डॉ० आमिर अली खान	106
380.	"आपदा और आपात स्थिति में बच्चे: प्रतिक्रिया और रिकवरी के दौरान सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श को समझना"	24 फरवरी, 21	श्री रंजन कुमार	392
381.	एनआईडीएम द्वारा आयोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों और संस्थानों के नेटवर्क (आईयूआईएनडीआर-एनआईडीएम) की पूर्वाभास कार्यशाला	25 फरवरी, 21	प्रो० संतोष कुमार	366
382.	आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य और आपदाएं	26 फरवरी, 21	डॉ० अजिन्दर वालिया	50
383.	ग्राम पंचायत विकास योजना के साथ आपदा प्रबंधन योजना को एकीकृत करना	26 फरवरी, 21	डॉ० सुषमा गुलेरिया	109
384.	आपदा सुरक्षित ग्रामीण आवास बीएमटीपीसी के सहयोग से	26 फरवरी, 21	डॉ० आमिर अली खान	81
385.	"सामुदायिक क्षमता निर्माण और डीआरआर"	27 फरवरी, 21	श्री आशीष कुमार पांडा	77
			योग	**9686**

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
मार्च, 2021				
386.	डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा समस्तीपुर बिहार के सहयोग से : कृषि में आपदा प्रबंधन	01 मार्च, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	116
387.	"आपदाओं की चुनौतियां: भेद्यता, अनुकूलन और समुत्थानशीलता"	02 मार्च, 21	डॉ० सुषमा गुलेरिया	265
388.	डीआरआर: स्कूल सुरक्षा	02 मार्च, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	126
389.	"पर्यावरण क्षरण और आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर)"	02 मार्च, 21	श्री आशीष कुमार पांडा	278
390.	"आपदाओं की चुनौतियां: भेद्यता, अनुकूलन और समुत्थानशीलता"	03 मार्च, 21	डॉ० सुषमा गुलेरिया	265
391.	प्राकृतिक आपदाओं और आपात स्थितियों में बच्चे: मनोसामाजिक और स्वास्थ्य देखभाल	03 मार्च, 21	डॉ० बालू आई	217
392.	"केरल राज्य के अंतर एजेंसी समूह के सदस्यों के लिए भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन) पर एक दिवसीय वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम"	04 मार्च, 21	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	308
393.	अग्नि सुरक्षा आपदा प्रबंधन	05 मार्च, 21	डॉ० अजिन्दर वालिया	50
394.	नागालैंड में आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर): स्थानीय स्तर पर तैयारी :	05 मार्च, 21	डॉ० आमिर अली खान	71
395.	"जोखिम से समुत्थानशीलता" : एनआईडीएम द्वारा आयोजित प्रो. वी.के. शर्मा के साथ एक संवाद	08 मार्च, 21	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	48
396.	एनआईडीएम द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्र में महिला प्रबंधकों के अनुभव	08 मार्च, 21	डॉ० आमिर अली खान	86

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
397.	"जोखिम से समुत्थानशीलता" डा० प्रो० संतोष कुमार से एक संवाद	10 मार्च, 21	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	38
398.	"महामारी और इससे परे जीवन"	12 मार्च, 21	श्री आशीष कुमार पांडा	416
399.	आपदा से स्कूल सुरक्षा (संरचनात्मक और गैर संरचनात्मक स्कूली सुरक्षा, एस डी एम पी का विकास)	12 मार्च, 21	डॉ० अजिन्दर वालिया	50
400.	"ग्राम पंचायत विकास योजना के साथ आपदा प्रबंधन योजना को एकीकृत करना"	12 मार्च, 21	डॉ० सुषमा गुलेरिया	140
401.	"राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 और उभरता भारत" शिक्षक प्रशिक्षण (पी जी) कालेज, सीतापुर (यू.पी.) के सहयोग से	14 मार्च, 21	श्री आशीष कुमार पांडा	636
402.	डीआरआर में युवाओं की भूमिका : "यूएनडीपी मेजर ग्रुप फॉर चिल्ड्रेन, यूथ फॉर रेजिलिएंट कम्युनिटी, वर्ल्ड विजन इंडिया" के सहयोग से	16 मार्च, 21	डॉ० सुषमा गुलेरिया	132
403.	"जैव विविधता संरक्षण"	17 मार्च, 21	श्री आशीष कुमार पांडा	362
404.	एनआईडीएम आउटरीच कार्यक्रम के लिए रा ष्ट्रीय परामर्श बैठक	19 मार्च, 21	प्रो० संतोष कुमार	77
405.	स्कूल सुरक्षा	19 मार्च, 21	डॉ० अजिन्दर वालिया	47
406.	स्कूली बच्चों के संदर्भ में आपदा मनो-सामाजिक देखभाल	19 मार्च, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	242
407.	पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की आपदा प्रबंधन योजना	22 मार्च, 21	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	49
408.	"भारतीय उप-महाद्वीप में जलवायु प्रवासन" पर एक पैनल चर्चा	23 मार्च, 21	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	94
409.	समुत्थानशीलता विकसित करने के लिए बाल अनुकूल पहल	23 मार्च, 21	श्री रंजन कुमार	253
410.	"पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य और आपदाएं"	24 मार्च, 21	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	101

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
411.	एनआईडीएम आउटरीच कार्यक्रम के लिए रा ष्ट्रीय परामर्श बैठक	24 मार्च, 21	प्रो० संतोष कुमार	48
412.	आपदाओं और आपात स्थितियों में बच्चों के साथ भावनात्मक संबंध बनाना	24 मार्च, 21	डॉ० कुमार राका	706
413.	कोविड19- के दौरान बालिकाओं के मुद्दे और चुनौतियां: आगे के रास्ते : एनआईडीएम साउथ कैंपस द्वारा आयोजित	26 मार्च, 21	डॉ० कुमार राका	618
414.	आपदा प्रबंधन	26 मार्च, 21	डॉ० अजिन्दर वालिया	47
415.	"जैव विविधता संरक्षण और आपदा जोखिम न्यूनीकरण "	26 मार्च, 21	श्री आशीष कुमार पांडा	347
416.	पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की आपदा प्रबंधन योजना की तैयारी के लिए कार्य समूह की पहली बैठक।	26 मार्च, 21	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	29
417.	आपदा और आपात स्थितियों में बाल संरक्षण (सीपीआईडीई): नीति और परम्परा	26 मार्च, 21	डॉ० बालू आई	689
418.	पश्चिमी घाट जनजातीय समुदायों पर महामारी का सामाजिक आर्थिक प्रभाव, आगे का रास्ता:	30 मार्च, 21	डॉ० अजिन्दर वालिया	38
419.	आपात स्थिति और आपदाओं में बाल अधिकार	30 मार्च, 21	डॉ० बालू आई	360
420.	व्यापक आपदा प्रबंधन	31 मार्च, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	288
421.	"व्यापक आपदा प्रबंधन"	31 मार्च, 21	श्री शेखर चतुर्वेदी	117
422.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क (एसएफडीआरआर) "प्रथम-द्वितीय प्राथमिकता में परिवर्तित करना"	31 मार्च, 21	डॉ० सुषमा गुलेरिया	160
			योग	**7914**
			महायोग	**120422**

अध्याय 7

वित्त और लेखा

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

H. K. KOTWALIA & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS
B-2A/31, Janak Puri, Metro Pillar No. 536, New Delhi - 110058
Phone : 011-41650299 Mobile : +91-9810450299, 9999701196
E-mail : kotwalia@gmail.com / khurana@hkkotwalia.com
sneha@hkkotwalia.com Web. : www.hkkotwalia.com

सेवा में,
कार्यकारी निदेशक
राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा सम्बन्धी रिपोर्ट

अभिमत

हमने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान ("संस्था") की 31 मार्च 2021तक के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है, जिसमें इस तिथि को समाप्त होने वाले वर्ष का तुलन-पत्र, आय और व्यय खाते, प्राप्ति और भुगतान खाता तथा महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का एक सारांश और अन्य स्पष्टीकरण जानकारी शामिल है। हमारे विचार में और हमारी सर्वोत्तम सूचना तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उपरोक्त वित्तीय विवरण अपेक्षित तरीके से जानकारी प्रदान करते हैं तथा अनुलग्नक 'क' में दी गई टिप्पणियों को छोड़कर, सही और निष्पक्ष मत परिलक्षित करते हैं।

अभिमत का आधार

हमने लेखा परीक्षा मानकों के आधार पर लेखा परीक्षा की है। इन मानकों के आधार पर हमारे उत्तरदायित्व हमारी रिपोर्ट के "वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक के उत्तरदायित्व" खण्ड में भी सपष्ट किए गए हैं। वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा से सम्बद्ध नैतिक अपेक्षाओं के अनुरूप हम संस्था से स्वतंत्र हैं, और हमने अपने अन्य उत्तरदायित्वों का निर्वहन इन नैतिक अपेक्षाओं के अनुरूप किया है। हमारा विश्वास है कि जो लेखा परीक्षा साक्ष्य हमने प्राप्त किए हैं, वे हमें हमारा अभिमत व्यक्त करने के आधार के रूप में पर्याप्त और समुचित हैं।

प्रबंधन और वित्तीय विवरणों के संचालकों के उत्तरदायित्व

वित्तीय विवरण तैयार करने और ऐसे आंतरिक नियंत्रण सृजित करने का उत्तरदायित्व प्रबंधन पर होगा, जो कि उसके अनुसार ऐसा वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए आवश्यक है जिसमें कोई मिथ्या कथन न हो, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण से हो। वित्तीय विवरण तैयार करने में, यथा प्रयोज्य, चालू व्यापार लेखांकन आधार और चालू व्यापार से सम्बद्ध मुद्दों को उद्घाटित करते हुए यह प्रबंधन का उत्तरदायित्व होगा कि वह संस्था की क्षमता का आकलन करे कि वह अपना व्यापार (गतिविधियां) चालू रखने में सक्षम है; बशर्ते प्रबंधन का इरादा संस्था के परिसमापन, अथवा संचालन बंद करने, अथवा ऐसा करने के अतिरिक्त और कोई विकल्प न हो। संस्था के संचालकों का यह उत्तरदायित्व होगा कि वे संस्था की वित्तीय रिपोर्ट प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की निगरानी करें।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के सम्बंध में लेखापरीक्षक के उत्तरदायित्व :

हमारे उद्देश्य ये है कि हम एक उचित आश्वासन प्राप्त करें कि वित्तीय विवरण में कोई मिथ्या कथन नहीं है, चाहे यह किसी धोखाधड़ी के कारण हो अथवा किसी त्रुटि के कारण, और तद्नुसार एक लेखापरीक्षक रिपोर्ट प्रस्तुत करें जिसमें हमारा अभिमत शामिल हों। उचित आश्वासन एक उच्च स्तर का आश्वासन होता है, परन्तु यह इस बात की कोई गारंटी नहीं देता कि लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार की

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

गई लेखा परीक्षा सदैव वित्तीय विवरण में दिए गए किसी मिथ्या कथन को ढूंढ ही लेगी। मिथ्या कथन किसी धोखा धड़ी अथवा त्रुटि के कारण हो सकते हैं; और इन्हें तब तथ्यात्मक माना जाता है, जब व्यक्तिगत रुप से अथवा समग्र रुप से प्रयोक्ता द्वारा इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए निर्णयों को इनके द्वारा काफी हद तक प्रभावित करने की संभावना हो।

लेखा परीक्षा मानकों के आधार पर लेखा परीक्षा प्रक्रिया के दौरान हमने व्यवसायिक तर्कशीलता का उपयोग करते हुए और व्यवसायिक संशय बनाए रखते हुए लेखा परीक्षा निष्पादित की।

हमने यह कार्य भी किए :-

- वित्तीय विवरणों से सम्बद्ध मिथ्या कथन को चिह्नित करना तथा उसका आकलन करना, चाहे यह किसी धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के कारण से हो, इन जोखिमों के अनुरुप लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं को डिजायन और निष्पादित करना तथा ऐसे लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करना जो हमारे अभिमत के प्रकटीकरण के लिए पर्याप्त और समुचित आधार प्रदान करते हों। किसी त्रुटि से उत्पन्न तथ्यात्मक मिथ्या कथन की अपेक्षा किसी घोखाधड़ी के कारण किए गए तथ्यात्मक मिथ्या कथन को न ढूंढ पाने का जोखिम अधिक होता है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिली भगत, जालसाजी, आन्तरिक चूक, गलत प्रस्तुतिकरण अथवा आन्तरिक नियन्त्रण अतिरेक शामिल हो सकता है।
- अपनी लेखा परीक्षा को डिजायन करने के लिए ऐसी सुसंगत आन्तरिक नियन्त्रण सम्बन्धी जानकारी प्राप्त की गई जो कि इन परिस्थितियों के अनुरुप है: परन्तु जिसका उद्देश्य संस्था के आन्तरिक नियन्त्रण की प्रभावशीलता पर मत व्यक्त करना नहीं था;
- प्रबंधन द्वारा उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता तथा लेखांकन, प्राक्कलनों की व्यवहारिकता और सम्बद्ध प्रकटीकरण का मूल्यांकन करना ;
- प्रबंधन द्वारा चालू व्यापार लेखांकन आधार के प्रयोग की उपयुक्तता तथा प्राप्त किए गए लेखा परीक्षा साक्ष्यों के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना कि क्या कोई ठोस अनिश्चितता ऐसी घटनाओं और परिस्थितियों के सम्बंध में विद्यमान है जो संस्था की चालू व्यापार क्षमता पर उल्लेखनीय शंका पैदा कर सकती है। अगर हम ऐसे किसी निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि ठोस अनिश्चितता वास्तव में विद्यमान है; तो हमें अपनी लेखा परीक्षक रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों में दिए गए ऐसे प्रासंगिक प्रकटीकरण की ओर ध्यान आकृष्ट करवाना आवश्यक है; और अगर यह प्रकटीकरण अपर्याप्त हैं; तो अपने अभिमत को तदनुसार संशोधित करेंगे। हमारे निष्कर्ष हमारी लेखा परीक्षा रिपोर्ट तैयार होने तक प्राप्त किए गए लेखा परीक्षा साक्ष्यों पर आधारित है। तथापि, भविष्य में व्याप्त होने वाली घटनाओं और परिस्थितियां संस्था के चालू व्यापार अस्तित्व को समाप्त कर सकती है।

  अन्य मुद्दों के अतिरिक्त, नियोजन दायरे, लेखा परीक्षा के समय तथा लेखा परीक्षा प्रक्रिया के दौरान हमारे द्वारा चिह्नित आन्तरिक नियन्त्रण से सम्बंधित किसी विशिष्ट त्रुटि के साथ साथ महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा निष्कर्षों के सम्बंध में हम संस्था के संचालकों के साथ निरंतर सम्पर्क में रहे ।

कृते एच के कोतावालिया एण्ड कम्पनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट
(फर्म रजि. सं. 015187एन)

राजेश खुराना
पार्टनर
एम.नं. 095946
यूडीआईएन : 21095946AAAACK1550

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 12-10-2021

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट का अनुलग्नक 'क'

लेखा परीक्षा टिप्पणियां/ अर्हतायें

1. भारत में सामान्यत: स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप संस्थान के प्रबंधन द्वारा वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए अपनाई जाने वाली लेखांकन नीतियों का अनुपालन नहीं किया गया है। प्रबंधन ने वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए प्राप्ति आधार अपनाया है (स्थापना व्यय, किराया, दर तथा कर, सहायता अनुदान के अतिरिक्त जिनका लेखा जोखा नकदी के आधार पर रखा जाता है) जिसके कारण प्राप्ति संकल्पना नीति और टीडीएस प्रावधानों का उल्लंघन हुआ है।
2. स्रोत पर कर के रूप में काटी गई 2,53,673,65 रुपए की राशि लम्बे समय से बही में दर्ज है और वसूली योग्य नहीं है।
3. मात्रात्मक विवरण और स्थायी परिसम्पत्तियों की स्थिति को दर्शाते हुए सम्पूर्ण विवरण संस्थान द्वारा तैयार नहीं किया गया है। एक चरणबद्ध जांच कार्यक्रम के अनुसार प्रबंधन द्वारा परिसम्पत्तियों की वास्तविक जांच नहीं की गई है।

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
(गृह मंत्रालय के अधीन एक सांविधिक निकाय)

31 मार्च, 2021 तक का आय-व्यय लेखा

विवरण	अनुसूची	31.03.2021 की तिथि के अनुसार	31.03.2020 की तिथि के अनुसार
संचित निधि/पूंजी कोष और देयताएँ			
आरक्षिती और अधिशेष	2	1,114,574,925.08	974,776,560.29
वर्तमान देयताएं और प्रावधान	3	64,109,850.00	61,157,069.00
कुल		**1,178,684,775.08**	**1,035,933,629.29**
आस्तियां			
स्थिर आस्तियां	4	962,452,146.30	752,103,151.30
निवेश	5	189,716,964.00	281,768,962.00
वर्तमान आस्तियां, ऋण और अग्रिम	6	26,515,664.78	2,061,515.99
कुल		**1,178,684,775.08**	**1,035,933,629.29**

महत्वपूर्ण लेखाकंन नीतियों और लेखा टिप्पणी

एच के कोतावालिया एण्ड कम्पनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म रजि. सं. 015187एन

हस्ता/-
राजेश खुराना
(पार्टनर)
एम.नं. 095946
यूडीआईएन : 21095946AAAACK1550

कृते राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

हस्ता/-
मेजर जनरल मनोज कुमार बिन्दल
(कार्यकारी निदेशक)

हस्ता/-
सुरेन्द्र सिंह बिष्ट
(लेखा अधिकारी)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 12-10-2021

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
(गृह मंत्रालय के अधीन एक सांविधिक निकाय)
31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के दौरान आय और व्यय लेखा

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	31.03.2021 की तिथि के अनुसार	31.03.2020 की तिथि के अनुसार
आय/(गृह मंत्रालय) से अनुदान			
गृह मंत्रालय से प्राप्त अनुदान	7	120,000,000.00	120,000,000.00
कुल क		**120,000,000.00**	**120,000,000.00**
व्यय (गृह मंत्रालय-अनुदान)			
स्थापना व्यय	8	58,519,927.00	47,212,866.00
अन्य प्रशासनिक व्यय	9	31,652,265.21	31,117,452.64
प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं पर व्यय	10	20,374,855.00	40,944,465.00
अवमूल्यन	4	4,836,456.00	924,240.00
कुल ख		**115,383,503.21**	**120,199,023.64**
पूर्व अवधि और असाधारण मदों से पहले गृह मंत्रालय कोष से घाटा होने के कारण शेष राशि		**4,616,496.79**	**(199,023.64)**
घाटा: पूर्व अवधि व्यय			
गृह मंत्रालय कोष से घाटा होने पर शेष		**4,616,496.79**	**(199,023.64)**
अन्य की ओर से प्राप्त किया गया ब्याज	11		
एफडीआर (अन्य) पर ब्याज		11,246,324.00	6,874,510.00
महत्वपूर्ण लेखाकंन नीतियों और लेखा टिप्पणी	1		

संलग्न समतिथि की रिपोर्ट के अनुसार

एच के कोतावालिया एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म रजि. सं. 015187एन

हस्ता/-
राजेश खुराना
(पार्टनर)
एम.नं. 095946
यूडीआईएन : 21095946AAAACK1550

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 12-10-2021

कृते राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

हस्ता/-
मेजर जनरल मनोज कुमार बिन्दल
(कार्यकारी निदेशक)

हस्ता/-
सुरेन्द्र सिंह बिष्ट
(लेखा अधिकारी)

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

(गृह मंत्रालय के अधीन एक सांविधिक निकाय) 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के दौरान आय और व्यय लेखा

(राशि रुपए में)

विवरण	31.03.2021 की तिथि के अनुसार		31.03.202 की तिथि के अनुसार	
	रुपए	रुपए	रुपए	रुपए
प्राप्तियां				
अथशेष				
बैंक बकाया (चालू खाता)	1,308,248.34		1,532,802.24	
बैंक बकाया (पूंजी शीर्ष)			77,212,250.00	
बैंक बकाया (अन्य सावधि जमा)			36,399,451.00	
यूको बैंक बचत खाता	(1,412,362.00)	**(104,113.66)**	(1,412,966.26)	**113,731,536.98**
प्राप्त अनुदान				
गृह मंत्रालय से प्राप्त अनुदान	120,000,000.00		120,000,000.00	
रोहिणी परिसर के निर्माण के लिए प्राप्त अनुदान	73,881,868.00		490,000,000.00	
दक्षिणी परिसर के निर्माण के लिए प्राप्त अनुदान	61,300,000.00	**255,181,868.00**		**610,000,000.00**
बैंक ब्याज अन्य	594.00		5,095.00	
ब्याज (पूंजी शीर्ष)	631,601.00		-	
सावधि पर ब्याज (अन्य)	622,788.00		-	
एफडी ऑटो स्वीप	29,881,200.00		5,934,998.00	
पूंजीशीर्ष एफडी ऑटो स्वीप	72,270,540.00		4,917,933.00	
अन्य प्राप्तियां	-		89,098.00	
कार्यशाला के लिए अग्रिम राशि (बसूली)	300,000.00		-	
विविध प्राप्तियां	5,813.00		-	
पीएलए (विविध प्राप्तियां)	1,502,000.00		-	
सुरक्षा जमा	-	**105,214,536.00**	15,000.00	**10,962,124.00**
एनपीएस के लिए कर्मचारी अंशदान	209,664.00	209,664.00		
कुल		**360,501,954.34**		**734,693,660.98**
भुगतान				
पूंजी व्यय/अन्य देयताएं				
फर्नीचर और फिक्सर	-		46,500.00	
कार्यालय उपकरण	1,289,794.00		1,244,598.00	
निर्माणाधीन भवन (दक्षिणी परिसर)	108,507,960.00		150,287,758.00	
निर्माणाधीन भवन (रोहिणी परिसर)	60,392,179.00		172,956,329.00	
कार्यालय वाहन	-		688,822.00	
पुस्तकें	4,042,418.00		925,227.00	
लेनदार	37,745,605.00		-	
कम्प्यूटर	6,550,542.00		-	
सावधि जमा (दक्षिणी परिसर)	-	**218,528,498.00**	-	**326,149,234.00**
राजस्व व्यय				
प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए अग्रिम	-		550,191.00	
प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं	17,501,610.00		39,863,740.00	
एलटीसी अग्रिम	242,000.00		-	
सरकार को भुगतान	-		-	
आकस्मिक व्यय के लिए अग्रिम	71,936.00			
त्योहार के लिए अग्रिम	54,000.00	**17,869,546.00**	-	**40,413,931.00**
स्थापना व्यय				
वेतन और भत्ते	48,827,017.00		47,788,371.00	
यात्रा रियायत भत्ता/एलटीए	521,937.00		82,926.00	
मेडिकल	181,588.00		186,616.00	
ट्यूशन फीस	477,000.00		391,500.00	
		50,007,542.00		**48,449,413.00**

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

अन्य प्रशासनिक व्यय				
मरम्मत और रखरखाव	2,169,044.00		2,150,317.00	
डाक	74,196.00		420,834.00	
मुद्रण और स्टेशनरी	628,828.00		942,449.00	
किराया, दर और कर	7,373,885.00		14,864,400.00	
विविध व्यय	1,925,171.00		1,821,257.83	
समाचार-पत्र और पत्रिकाएं	102,190.00		227,112.00	
टेलीफोन व्यय	470,260.00		258,233.00	
विज्ञापन व्यय	-		115,291.00	
घरेलू यात्रा	2,061,959.00		1,478,479.0	
विदेश यात्रा	153,766.00		149,952.00	
व्यवसायिक शुल्क	12,068,511.00		6,451,012.00	
प्रकाशन	1,590,250.00		1,724,235.00	
बैंक शुल्क	7,976.21		17,404.8	
अनुसंधान और विकास कार्यालय	1,035,725.00		-	
वाहन मरम्मत व्यय	183,433.00		-	
देय खर्चे	3,583,719.00	**33,428,913.21**	300,000.00	**30,920,976.64**
सरकार को भुगतान				
एनपीएस ट्रस्ट को भुगतान (सीपीएफ)	830,173.00			
देय खर्चे (पूंजी शीर्ष)				
प्रधान मंत्री राहत कोष	21,236.00			
कर्मचारियों को सीपीएफ भुगतान	220,827.00			
पूर्वदत्त खर्चे	5,739,422.00			
कर्मचारियों द्वारा देय एनपीएस अंशदान	2,963,219.00			
सरकार को अतिरिक्त आय का भुगतान	10,790,267.00	**20,565,144.00**	7,095,258.00	**7,095,258.00**
अंतिम शेष				
चैक जारी किया गया परंतु सावधि जमा के लिए नहीं	-		-	
बैंक बकाया (एफडी ऑटो स्वीप)	-		33,277,574.00	
बैंक बकाया (पूंजी शीर्ष एफडी ऑटो स्वीप)	-		248,491,388.00	
बैंक बकाया (चालू खाता)	20,076,523.33		1,308,248.34	
यूको बैंक बचत खाता	25,787.80	**20,102,311.13**	(1,412,362.00)	**281,664,848.34**
कुल		**360,501,954.34**		**734,693, 660.98**

संलग्न समतिथि की रिपोर्ट के अनुसार

एच के कोतावालिया एण्ड कम्पनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म रजि. सं. 015187एन

हस्ता/-
राजेश खुराना
(पार्टनर)
एम.नं. 095946
यूडीआईएन : 21095946AAAACK1550

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 12-10-2021

कृते राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

हस्ता/-
मेजर जनरल मनोज कुमार बिन्दल
(कार्यकारी निदेशक)

हस्ता/-
सुरेन्द्र सिंह बिष्ट
(लेखा अधिकारी)

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
(गृह मंत्रालय)
31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ और लेखा टिप्पण

अनुसूची 1

1. महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

क) वित्तीय विवरण प्राप्ति आधार पर प्राचीन लागत परंपरा के अनुसार तैयार किए जाते हैं (स्थापना व्यय, किराया, दर तथा कर, सहायक अनुदान के अतिरिक्त, जिनका लेखा जोखा नकदी के आधार पर रखा जाता है) और सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन व्यवहारों के अनुसरण में है ।

ख) स्थिर परिसंपत्ति रजिस्टर भौतिक सत्यापन के लिए रखा जा रहा है और परियोजना के अतंर्गत अर्जित सभी स्थिर परिसंपत्तियों को उस वित्तीय वर्ष, जिसमें वह आस्ति प्राप्त की गई थी, में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान की लेखा बही में रखा जाता है । स्थिर आस्तियों को प्राप्ति की लागत और स्थापना की लागत, यदि हो, के साथ एक वर्ष में प्रभारित अवमूल्यन से घटाकर लिखा जाता है । स्थिर आस्तियों पर अवमूल्यन का प्रावधान आयकर अधिनियम के तहत निर्दिष्ट दरों के अनुसार किया जाता है ।

ग) एनआईडीएम के स्टाफ के लिए पेंशन योजना के कार्यान्वयन के संबंध में गृह मंत्रालय के दिनांक 24 मार्च, 2017 के पत्र संख्या 45-16/2012-एनडीएम-II के अनुसार एनडीआईएम ने 3 कर्मचारियों, जिन्होंने एनपीएस में राशि जमा करने का विकल्प नहीं दिया है, को छोड़कर 27 में से 24 कर्मचारियों की राशि एनपीएस खाते में जमा की है । तथापि, जिन कर्मचारियों ने सेवा छोड़ दी है, अदालत में विचाराधीन और निधन के मामले, उनकी राशि (कर्मचारी और नियोक्ता अंशदान) एनआईडीएम के बैंक खाते में है ।

घ) पूर्व वर्ष के आंकड़ों को, जहां कही आवश्यक हो, पुनः व्यवस्थित/पुनः समूहीकृत किया गया है ।

ङ) संस्थान के गृह मंत्रालय के साथ किराया करार को अभी अंतिम रूप दिया जाना है और संस्थान ने वित्तीय वर्ष 2018 के लिए तीन महीने की किराया राशि का भुगतान कर दिया है।

च) संस्थान में पीएफएमएस उपलब्ध नहीं है अतः सहायक संपदा निदेशक को बकाया भुगतान नहीं किया जा सका ।

छ) संस्थान का एक चालू बैंक खाता और दो बचत बैंक खाते हैं।

ज) जो लेखांकन नीतियां विशेष रूपए से उल्लेखित नहीं हैं, वे, अन्यथा सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन व्यवहारों के अनुरूप हैं ।

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

2. आकस्मिक देयताएँ

संस्थान के विरुद्ध दावों को ऋण के रुप में मान्यता नहीं दी गई – शून्य ।

3. प्रबंधन की राय में व्यापार के सामान्य क्रम में वर्तमान आस्तियों, ऋण और अग्रिम वसूली का मूल्य उस राशि से कम नहीं होगा जो बैलेंस शीट में दर्शायी गई है। सभी ज्ञात देयताओं के लिए प्रावधान लेखा में किया गया है ।
4. गृह मंत्रालय (आपदा प्रबंधन प्रभाग) के दिनांक 23 मार्च, 2010 के पत्र संख्या 45-5/2008-एनडीएम-IV/II के अनुसरण में एक अलग पब्लिक लेजर अकाउंट (पीएलए) बनाया गया है और जमा से प्राप्त ब्याज सहित परियोजनाओं से सृजित निवल बचत भारत की संचित निधि में जमा कराई गई है । वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए पीएलए के वित्तीय विवरण अलग से तैयार किए गए हैं ।

एच के कोतावालिया एण्ड कम्पनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म रजि. सं. 015187एन

हस्ता/-
राजेश खुराना
(पार्टनर)
एम.नं. 095946
यूडीआईएन : 21095946AAAACK1550

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 12-10-2021

कृते राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

हस्ता/-
मेजर जनरल मनोज कुमार बिन्दल
(कार्यकारी निदेशक)

हस्ता/-
सुरेन्द्र सिंह बिष्ट
(लेखा अधिकारी)

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

(गृह मंत्रालय के अधीन एक सांविधिक निकाय)

31 मार्च, 2021 की तिथि के अनुसार बैलेंस शीट संबंधी अनुसूचियां

अनुसूची 2 : आरक्षितियां और अधिशेष		
विवरण	**31.03.2021 की तिथि के अनुसार**	**31.03.2020 की तिथि के अनुसार**
	रुपए	रुपए
आरक्षितियां और अधिशेष		
अथशेष	974,776,560.29	484,975,583.93
"**जोड़े:** वर्ष के दौरान आंतरिक आय पर व्यय के आधिक्य का अंतरण"	4,616,496.79	(199,023.64)
पूंजी शीर्ष के अंतर्गत प्राप्त अनुदान		
- रोहिणी परिसर	73,881,868.00	260,000,000.00
- साउथ कैंपस	61,300,000.00	230,000,000.00
कुल	**1,114,574,925.08**	**974,776,560.29**

अनुसूची 3: वर्तमान देयताएं और प्रावधान		
विवरण	**31.03.2021 की तिथि के अनुसार**	**31.03.2020 की तिथि के अनुसार**
	रुपए	रुपए
स्टॉफ अंशदान भविष्य निधि		
अथशेष	7,388,104.00	8,598,301.00
जोड़े: - नियोक्ता अंशदान	-	-
- कर्मचारी अंशदान	-	-
भविष्य निधि पर ब्याज	-	-
	7,388,104.00	**8,598,301.00**
घटा: कर्मचारी को अदायगी	60,255.00	1,210,197.00
	7,327,849.00	**7,388,104.00**
सावधि जमा पर प्राप्त ब्याज (बी जी) - सरकार को देय	272,548.00	164,147.00
सरकार को देय अन्य आय*	11,252,137.00	10,790,267.00
बयाना जमा राशि	211,298.00	211,298.00
देय व्यय	8,855,036.00	41,329,324.00
प्राप्त सुरक्षा राशि	71,809.00	71,809.00
सी जी एच एस	12,050.00	12,050.00
एनपीएस में नियोक्ता अंशदान	753,148.00	543,880.00
एनपीएस में नियोक्ता का देय अंशदान	938,673.00	646,190.00
देय व्यय (पूंजी शीर्ष)	34,415,302.00	-
कुल	**64,109,850.00**	**61,157,069.00**

*इस राशि में सावधि जमा में निवेश किए गए पूंजी अनुदानों पर अर्जित ब्याज शामिल हैं।

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

(गृह मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय)

अनुसूची 4: 31 मार्च, 2021 तक के लिए स्थिर आस्तियों और अवमूल्यन का विवरण

क्र. सं.	विवरण	दर	01.04.2020 की तिथि के अनुसार डब्यूडीवी	परिवर्धन		कटौती	कुल	वर्ष के लिए अवमूल्यन	31.03.2021 की तिथि के अनुसार डब्यूडीवी
				180 दिन से अधिक	180 दिन से कम				
			रुपए	रुपए	रुपए	रुपए	रुपए	रुपए	रुपए
1	पुस्तकें	40%	961,787.00	3,884,372.00	158,046.00	-	5,004,205.00	1,970,073.00	3,034,132.00
2	कार्यालय उपकरण	15%	1,931,780.00	517,456.00	759,594.00	-	3,208,830.00	424,355.00	2,784,475.00
3	फर्नीचर और उपस्कर	10%	616,813.00			-	616,813.00	6,1681.00	555.132.00
	संयत्र और मशीनरी								
4	संयत्र और	15%	294,217.00			-	294,217.00	44,133.00	250,084.00
5	वाहन (मारुति सियाज)	15%	585,499.00			-	585,499.00	87,825.00	497,674.00
	कंप्यूटर								
6	कंप्यूटर और मशीनरी	40%	305,764.00	4,079,831.00	2,470,711.00	-	6,856,306.00	2,248,380.00	4,607,926.00
7	सॉफ्टवेयर	40%	23.00			-	23.00	9.00	14.00
8	भूमि(रोहिणीपरिसर)	0%	55,417,002.00			-	55,417,002.00	-	55,417,002.00
9	निर्माणाधीन भवन (दक्षिणी परिसर)	0%	249,616,100.30		118,728,205.00	-	368,344,305.30	-	368,344,305.30
10	निर्माणाधीन भवन (रोहिणी परिसर)	0%	442,374,166.00		84,587,236.00	-	526,961,402.00	-	526,961,402.00
कुल			**752,103,151.30**	**8,481,659.00**	**206,703,792.00**	**-**	**967,288,602.30**	**4,836,456.00**	**962,452,146.30**

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

अनुसूची 5: निवेश		
विवरण	**31.03.2021 की तिथि के अनुसार**	**31.03.2020 की तिथि के अनुसार**
	रुपए	रुपए
यूकों बैंक में सावधि जमा (अन्य)	-	33,277,574.00
सावधि जमा (बचत खाता)	188,006,233.00	246,889,058.00
प्राप्त ब्याज	-	-
सावधि जमा (दक्षिणी परिसर - बैंक)	1,710,731.00	1,602,330.00
कुल	**189,716,964.00**	**281,768,962.00**

अनुसूची 6: चालू आस्तियां, ऋण और अग्रिम		
विवरण	**31.03.2021 की तिथि के अनुसार**	**31.03.2020 की तिथि के अनुसार**
	रुपए	रुपए
क. चालू आस्तियाँ		
बैंक बकाया:		
यूकों बैंक खाता संख्या 1820020000924924	20,076,523.33	1,308,248.34
यूकों बैंक खाता संख्या 18200110067819	25,787.80	(1,412,362.00)
बैंक बकाया	**20,102,311.13**	**(104,113.66)**
ख. ऋण, अग्रिम और अन्य आस्तियाँ		
सुरक्षा जमा	-	-
स्रोत पर वसूली योग्य काटा गया टैक्स	253,673.65	253,673.65
कार्यशाला के लिए अग्रिम	-	300,000.00
आकस्मिक व्यय के लिए अग्रिम	33,700.00	2,800.00
परिवहन अग्रिम	29,781.00	29,781.00
त्योहार अग्रिम	54,000.00	-
एलटीसी अग्रिम	196,696.00	-
पीएलए (विविध प्राप्तिखाते)	106,081.00	1,579,375.00
दक्षिणी परिसर (मोबिलाइजेशन एडवांस)	-	-
पूर्व दत्त व्यय	5,739,422.00	-
कुल	**26,515,664.78**	**2,061,515.99**

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
(गृह मंत्रालय के अधीन एक सांविधिक निकाय)
31 मार्च, 2021 की तिथि के अनुसार आय-व्यय खाता संबंधी अनुसूची

अनुसूची 7: गृह मंत्रालय से प्राप्त अनुदान (डीएम-डिवीजन)

विवरण	31.03.2021 की तिथि के अनुसार	31.03.2020 की तिथि के अनुसार
गृह मंत्रालय से प्राप्त अनुदान	120,000,000.00	120,000,000.00
कुल	**120,000,000.00**	12,00,00,000.00

अनुसूची 8: संस्थापना व्यय (गृह मंत्रालय–अनुदान)

विवरण	31.03.2021 की तिथि के अनुसार	31.03.2020 की तिथि के अनुसार
वेतन और भत्ते	49,371,854.00	43,328,381.00
पेंशन अंशदान	7,318,781.00	3,574,443.00
यात्रा रियायत भत्ता/एलटीए	567,241.00	82,926.00
छुट्टी वेतन पेंशन अंशदान	-	-
मेडिकल	326,051.00	186,616.00
ट्यूशन फीस	936,000.00	40,500.00
कुल	**58,519,927.00**	**47,212,866.00**

अनुसूची 9: अन्य प्रशासनिक व्यय (गृह मंत्रालय– अनुदान)

विवरण	31.03.2021 की तिथि के अनुसार	31.03.2020 की तिथि के अनुसार
ऑडिट फीस	-	23,600.00
मरम्मत और रखरखाव	2,838,404.00	2,523,554.00
डाक	82,155.00	300,263.00
मुद्रण और स्टेशनरी	636,623.00	942,449.00
विविध व्यय	2,977,072.00	1,645,845.83
समाचार-पत्र और पत्रिकाएं	102,190.00	143,699.00
टेलीफोन व्यय	473,980.00	262,828.00
विज्ञापन और प्रचार	-	115,291.00
घरेलू यात्रा	2,107,052.00	1,976,519.00
विदेश यात्रा	153,766.00	149,952.00
व्यवसायिक प्रभार	12,068,511.00	6,427,412.00
किराया, दर और कर	7,373,885.00	14,864,400.00
बैंक प्रभार	7,976.21	17,404.81
प्रकाशन	1,590,250.00	1,724,235.00
अनुसंधान और प्रलेखन	1,035,725.00	-
कार्यालय कार्यकरण और रखरखाव	204,676.00	-
कुल	**31,652,265.21**	**31,117,452.64**

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

अनुसूची 10: प्रशिक्षण कार्यक्रम पर व्यय (गृह मंत्रालय-अनुदान)

विवरण	31.03.2021 की तिथि के अनुसार	31.03.2020 की तिथि के अनुसार
प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला व्यय जेएनयू को अनुदान	20,374,855.00 -	40,944,465.00 -
कुल	**2,0374,855.00**	**40,944,465.00**

अनुसूची 11: अर्जित ब्याज

विवरण	31.03.2021 की तिथि के अनुसार	31.03.2020 की तिथि के अनुसार
सावधि जमा पर ब्याज अन्य ब्याज	11,245,730.00 594.00	6,869,415.00 5,095.00
कुल	**11,246,324.00**	**6,874,510.00**

एच के कोतावालिया एण्ड कम्पनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म रजि. सं. 015187एन

हस्ता/-

राजेश खुराना

(पार्टनर)

एम.नं. 095946

यूडीआईएन : 21095946AAAACK1550

स्थानः नई दिल्ली

दिनांकः 12-10-2021

कृते राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

हस्ता/-

मेजर जनरल मनोज कुमार बिन्दल

(कार्यकारी निदेशक)

हस्ता/-

सुरेन्द्र सिंह बिष्ट

(लेखा अधिकारी)

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

पब्लिक लेजर अकांउट (पीएलए)
(राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान)
(गृह मंत्रालय)

31 मार्च, 2021 तक पीएलए बैलेंस शीट

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	31.03.2021 की तिथि के अनुसार	31.03.2020 की तिथि के अनुसार
संचित निधि और देयताएँ			
पूंजी और आरक्षिती तथा अधिशेष	1	731,560	731,560
निर्धारित राशि	2	6,590,408	8,112,024
चालू देयताएं और प्रावधान	3	554,668	3,999,989
कुल		**7,876,636**	**12,843,573**
आस्तियाँ			
चालू आस्तियां, ऋण और अग्रिम	4	7,876,636	12,843,573
कुल		**7,876,636**	**12,843,573**

संलग्न समतिथि की रिपोर्ट के अनुसार

एच के कोतावालिया एण्ड कम्पनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म रजि. सं. 015187एन

हस्ता/-
राजेश खुराना
(पार्टनर)
एम.नं. 095946
यूडीआईएन : 21095946AAAACK1550

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 12-10-2021

कृते राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

हस्ता/-
मेजर जनरल मनोज कुमार बिन्दल
(कार्यकारी निदेशक)

हस्ता/-
सुरेन्द्र सिंह बिष्ट
(लेखा अधिकारी)

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रुप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

पब्लिक लेजर अकांउट (पीएलए)
(राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान)
(गृह मंत्रालय)

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

(राशि रुपए में)

विवरण	31.03.2021 की तिथि के अनुसार	31.03.2020 की तिथि के अनुसार
आय		
ब्याज आय	10,305.00	13,312.00
विविधि प्राप्ति	34,350.00	1,716,118.00
सावधि जमा पर ब्याज	410,072.00	691,644.00
कुल (क)	**454,727.00**	**2,421,074.00**
व्यय		
बैंक प्रभार	669.98	729.85
कुल (ख)	**669.98**	**729.85**
अधिशेष/कम होने के कारण बकाया (क-ख)	**454,057.02**	**2,420,344.15**
घटाएं: पीएओ, एमएचए को अंतरित बचत	454,057.02	2,420,344.15
अधिशेष/कम होने के कारण बैलेंश शीट में ले जाया गया बकाया	-	-

एच के कोतावालिया एण्ड कम्पनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म रजि. सं. 015187एन

हस्ता/-
राजेश खुराना
(पार्टनर)
एम.नं. 095946
यूडीआईएन : 21095946AAAACK1550

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 12-10-2021

कृते राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

हस्ता/-
मेजर जनरल मनोज कुमार बिन्दल
(कार्यकारी निदेशक)

हस्ता/-
सुरेन्द्र सिंह बिष्ट
(लेखा अधिकारी)

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

पब्लिक लेजर अकांउट (पीएलए)
राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
(गृह मंत्रालय)
31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति और भुगतान लेखा

विवरण	31.03.2021 की तिथि के अनुसार		31.03.2020 की तिथि के अनुसार	
प्राप्तियां				
अथशेष				
यूको बैंक (बचत खाता)	23,740.93		1,000,673.78	
सावधि जमा	24,348,234.92	24,371,975.85	8,757,247.00	9,757,920.78
वर्ष के दौरान प्राप्तियां				
1. ऑनलाइन पाठ्यक्रम से प्राप्ति	34,350.00		99,500.00	
2. ऑटो स्वीप पर प्राप्त ब्याज	1,043,189.00		691,644.00	
3. सीपीसीबी परियोजना से प्राप्त राशि	300,000.00		400,000.00	
4. बाल केंद्रित डीआरआर-यूनीसेफ परियोजना से प्राप्त राशि	2,409,555.00		7,334,015.00	
5. विश्व स्वास्थय संगठन से प्राप्ति	-		3,900,000.00	
6. एनएडीएमपी परियोजना से प्राप्ति	1,000,000.00		1,609,286.00	
7. विज्ञान और प्रौद्यौगिकी मंत्रालय से प्राप्तियां (कैप-रेस परियोजना)	2,140,000.00		201,120.00	
8. एनसीपीसी-डीएमपी परियोजना (पेट्रो-रसायन विभाग) से प्राप्त राशि	500,000.00			
9. एनईएफसी-डीएमपी परियोजना (पयोवरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय)	2,760,000.00	10,187,094.00	-	14,235,565.00
अन्य प्राप्तियां				
1. विविध प्राप्तियां	-		231,056.00	
2. प्राप्त ब्याज	7,201.00	7,201.00	13,312.00	244,368.00
कुल		**34,566,270.00**		**24,237,853.00**
भुगतान				
परियोजना व्यय				
1. बाल केंद्रित डीआरआर-यूनीसेफ परियोजना से प्राप्त राशि	4,854,574.00		4,776,334.00	
2. जलवायु परिवर्तन (एमओईएफ/यूएनडीपी) से प्राप्त राशि	-		92,645.00	
3. विश्व स्वास्थय संगठन परियोजना पर व्यय	1,493,614.00		1,044,351.00	
4. एनएडीएमपी परियोजना पर व्यय	1,042,091.00		1,535,272.00	
5. यूजीसी परियोजना	-		681,906.00	
6. कैप-रस परियोजना व्यय	2,399,039.03		2,752,795.00	
7. सीपीसीबी परियोजना व्यय	680,246.00		124,808.00	
8. एनईएफसी-डीएमपी परियोजना (पयोवरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय)	129,600.00		-	
9. व्यय के लिए अग्रिम अदायगी	14,000.00	10,613,164.03	124,808.00	11,008,111.00
अन्य व्यय / भुगतान				
1 सरकार को देयता एनआईडीएम (मुख्य खाता)	1,478,764.00			
2 बैंक प्रभार	669.98		729.85	
3 गृह मंत्रालय को दी गई परियोजना बचत	2,420,344.00	3,899,777.98	403,717.00	404,446.85
अंतिम शेष				
यूको बैंक (बचत खाता)	7,876,635.92		23,740.93	
सावधि जमा	12,176,692.92	20,053,328.84	12,801,555.00	12,825,295,93
कुल		**34,566,270.85**		**24,237,853.78**

संलग्न समतिथि की रिपोर्ट के अनुसार

एच के कोतावालिया एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म रजि. सं. 015187एन
हस्ता/-
राजेश खुराना
(पार्टनर)
एम.नं. 095946
यूडीआईएन : 21095946AAAACK1550
स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 12-10-2021

कृते राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

हस्ता/-
मेजर जनरल मनोज कुमार बिन्दल
(कार्यकारी निदेशक)

हस्ता/-
सुरेन्द्र सिंह बिष्ट
(लेखा अधिकारी)

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

पब्लिक लेजर अकांउट (पीएलए)
राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
(गृह मंत्रालय)
राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (पीएलए)

अनुसूची 1: संचित/ पूंजी निधि

(राशि रूपए में)

विवरण	31.03.2021 की तिथि के अनुसार	31.03.2020 की तिथि के अनुसार
अथशेष	731,560.00	731,560.00
	731,560.00	**731,560.00**

अनुसूची 2: निर्धारित निधि

विवरण	31.03.2021 की तिथि के अनुसार	31.03.2020 की तिथि के अनुसार
1. न्यू ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण से 'आपदा प्रबंधन प्लान' तैयार करने के लिए प्राप्त राशि		
अथशेष	-	770,249.00
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग की गई राशि	-	-
घटा: सरकारी कोष में देय बचत	-	-
	-	770,249.00
2. विश्व स्वास्थ्य संगठन से प्राप्त राशि, परियोजना व्यय		
अथशेष	2,759,191.00	-
वर्ष के दौरान प्राप्त	-	3,900,000.00
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग की गई राशि	1,510,614.00	1,140,809.00
	1,248,577.00	2,759,191.00
3. ऑनलाइन – पाठ्यक्रम से प्राप्त राशि		
अथशेष	-	172,500.00
वर्ष के दौरान प्राप्त	34,350.00	99,500.00
	34,350.00	272,000.00
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय की गई राशि	-	-
घटा: सरकारी कोष में देय बचत	34,350.00	272,000.00
	-	-
4. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से प्राप्त राशि (कैप-रस परियोजना)		
अथशेष	2,125,265.00	4,683,472.00
वर्ष के दौरान प्राप्त	2,140,000.00	201,120.00
	4,265,265.00	4,884,592.00
घटा: सरकारी कोष में देय बचत	-	-
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय की गई राशि	2,414,039.03	2,759,327.00
	1,851,225.97	2,125,265.00
5. आईआरएस मॉड्यूल तैयार करने के लिए यूएसएआईडी से प्राप्त राशि		
अथशेष	-	400,000.00
वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
	-	400,000.00
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय की गई राशि	-	400,000.00
घटा: सरकारी कोष में देय बचत	-	-
6. यूजीसी से प्राप्त राशि		
अथशेष	-	681,906.00
वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
	-	681,906.00
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय की गई राशि	-	681,906.00
	-	-
7. जलवायु परिवर्तन (पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय-यूएनडीपी) परियोजना के लिए प्राप्त राशि		
अथशेष	-	105,458.00
वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
	-	105,458.00
घटा: सरकारी कोष में देय बचत	-	12,813.00
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय की गई राशि	-	92,645.00
	-	-

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

8.	बाल केंद्रित डीआरआर-यूनीसेफ परियोजना से प्राप्त राशि		
	अथशेष	2,767,365.00	199,684.00
	वर्ष के दौरान प्राप्त	3,044,239.00	7,344,015.00
		5,811,604.00	7,543,699.00
	घटा: सरकारी कोष में देय बचत		-
		634,684.00	
	घटा: वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय की गई राशि	4,854,574.00	4,776,334.00
		322,346.00	2,767,365.00
9.	केन्द्रीय प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड से प्राप्त राशि		
	अथशेष	400,000.00	-
	वर्ष के दौरान प्राप्त	300,000.00	400,000.00
		700,000.00	400,000.00
	घटा: वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय की गई राशि	680,246.00	-
		19,754.00	400,000.00
10.	एनएडीएमपी परियोजना से प्राप्त राशि		
	अथशेष	60,203.00	-
	वर्ष के दौरान प्राप्त	1,000,000.00	1,600,000.00
		1,060,203.00	1,600,000.00
	घटा: वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय की गई राशि	1,042,098.00	1,539,797.00
		18,105.00	60,203.00
11.	एनसीपीसी-डीएमपी परियोजना (पेट्रो-रसायन विभाग) से प्राप्त राशि		
	अथशेष		-
	वर्ष के दौरान प्राप्त	500,000.00	-
		500,000.00	-
		-	-
	घटा: वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय की गई राशि	500,000.00	
12.	एनएडीएमपी परियोजना से प्राप्त राशि		
	अथशेष	-	-
	वर्ष के दौरान प्राप्त	2,760,000.00	-
	घटा: वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय की गई राशि	2,760,000.00	-
		129,600.00	-
		2,630,400.00	-
	कुल	**6,590,407.97**	**8,112,024.00**

अनुसूची 3: चालू देयताएं और प्रावधान

विवरण	**31.03.2021 की तिथि के अनुसार**	**31.03.2020 की तिथि के अनुसार**
सरकारी खाते में देय परियोजना बचत	454,056.95	2,420,343.93
रिचा श्रीवास्तव	-	270.00
बयाना राशि सुरक्षा जमा	-	-
एनआईडीएम (मुख्य खाता)	100,611.00	1,579,375.00
कुल	**554,667.95**	**3,999,988.93**

अनुसूची 4: चालू आस्तियां ऋण और अग्रिम

विवरण	**31.03.2021 की तिथि के अनुसार**	**31.03.2020 की तिथि के अनुसार**
(क) चालू आस्तियां		
नकद राशि	-	-
बैंक बकाया:		
यूको बैंक खाता संख्या 6139	7,876,635.92	23,740.93
सावधि जमा (एफडीडी)	-	12,801,555.00
(ख) ऋण तथा अग्रिम	-	15,000.00
सीएपी-आरईएस अग्रिम लेखा		
एनएडीएमपी परियोजना अग्रिम लेखा	-	277.00
विश्व स्वास्थ्य संगठन परियोजना अग्रिम	-	3,000.00
कुल	**7,876,635.92**	**12,843,572.93**

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

अध्याय 8

अनुलग्नक

अध्याय 8: अनुलग्नक

अनुलग्नक की सूची

8.1	अनुलग्नक-I	:	संस्थान के साधारण निकाय के सदस्यों की सूची
8.2	अनुलग्नक-II	:	संस्थान के शासी निकाय के सदस्यों की सूची
8.3	अनुलग्नक-III	:	एनआईडीएम द्वारा वर्ष 2020-21 के दौरान आयोजित किए गए ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची

8.1 अनुलग्नक-I: संस्थान के साधारण निकाय के सदस्यों की सूची

क्र.सं.	सदस्य	पद
1.	केन्द्रीय गृहमंत्री, गृह मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली- 110001	अध्यक्ष
2.	उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ए-1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	उपाध्यक्ष
3.	सदस्य, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ए-1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	सदस्य
4.	केंद्रीय गृह सचिव, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली - 110001	सदस्य
5.	सचिव, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
6.	सचिव, कृषि मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली	सदस्य
7.	सचिव, विदेश मंत्रालय, साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
8.	सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली	सदस्य
9.	सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली	सदस्य
10.	सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग, साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
11.	सचिव, अंतरिक्ष विभाग, लोक नायक भवन, नई दिल्ली	सदस्य

क्र.सं.	सदस्य	पद
12.	सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, महासागर भवन, ब्लॉक नंबर 12, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली - 110003	सदस्य
13.	सचिव (सीमा प्रबंधन), गृह मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
14.	अपर सचिव तथा वित्तीय सलाहकार, गृह मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
15.	सचिव/अपर सचिव, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ए -1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	सदस्य
16.	महानिदेशक, सिविल डिफेंस एवं राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, ईस्ट ब्लॉक -7, लेवल -7, आर.के. पुरम, नई दिल्ली - 66	सदस्य
17.	एकीकृत रक्षा स्टाफ के उप प्रमुख, डॉक्ट्रिन ऑरगेनाईजेशन एण्ड ट्रेनिंग (डीओटी), आईडीएस, मुख्यालय इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टॉफ, 23 साउथ हटमेंट्स, कश्मीर हाउस, राजाजी मार्ग, नई दिल्ली - 110001	सदस्य
18.	सचिव (आपदा प्रबंधन), गुजरात सरकार, राजस्व विभाग, ब्लॉक - 11, तीसरा तल, न्यू सचिवालय, गांधीनगर - 382010	सदस्य
19.	सचिव (आपदा प्रबंधन), आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार, पुराना सचिवालय, पटना – 800015	सदस्य
20.	उप-कुलपति, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, दिल्ली - 110006	सदस्य
21.	निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी – 248179	सदस्य
22.	निदेशक, सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, शिवरामपल्ली, हैदराबाद – 500 052	सदस्य
23.	महानिदेशक, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली	सदस्य
24.	निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोलकाता, जोका, डी.एच. रोड, कोलकाता - 700 104	सदस्य
25.	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड	सदस्य
26.	अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग, सेवा भवन, आर.के. पुरम, नई दिल्ली	सदस्य
27.	निदेशक, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली	सदस्य

क्र.सं.	सदस्य	पद
28.	महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि भवन, नई दिल्ली	सदस्य
29.	महानिदेशक, आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास अकादमी, राजेंद्रनगर, हैदराबाद - 500 030	सदस्य
30.	महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, वी. रामलिंगमस्वामी भवन, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110 029	सदस्य
31.	अध्यक्ष, उत्तराखंड प्रशासनिक सुधार आयोग, 159 श्रद्धा कुंज, वसंत विहार, चकराता रोड, देहरादून	सदस्य
32.	राष्ट्रीय भूकंप संबंधी सलाहकार, गृह मंत्रालय, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली	सदस्य
33.	अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, भारतीय साधारण बीमा निगम, सुरक्षा, जे टाटा रोड, चर्चगेट, मुंबई - 400 020	सदस्य
34.	अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, इलाहाबाद बैंक, प्रधान कार्यालय, 2, एन.एस. रोड, कोलकाता - 700 001	सदस्य
35.	अध्यक्ष, भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग संघ (फिक्की), फेडरेशन हाउस, नई दिल्ली	सदस्य
36.	अध्यक्ष, कान्फैडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई), कोर 4-ए, चौथा तल, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी एस्टेट, नई दिल्ली - 110 003	सदस्य
37.	निदेशक, अखिल भारतीय आपदा शमन संस्थान, साकार पांच, नजदीक नटराज सिनेमा, आश्रम रोड़, अहमदाबाद- 9	सदस्य
38.	महासचिव, इंडियन रेडक्रास सोसायटी, 1 रेडक्रास रोड़, नई दिल्ली	सदस्य
39.	निदेशक, नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीटयूट, उप्पल रोड़, अहमदाबाद - 500007	सदस्य
40.	महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवायें, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली	सदस्य
41.	प्रोफेसर, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, भूखण्ड संख्या 15 ब्लॉक बी, पॉकेट 3, सेक्टर 29, रोहिणी , नई दिल्ली - 110042	सदस्य
42.	कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, भूखण्ड संख्या 15 ब्लॉक बी, पॉकेट 3, सेक्टर 29, रोहिणी , नई दिल्ली - 110042	सदस्य सचिव

8.2 अनुलग्नक-II: संस्थान के शासी निकाय के सदस्यों की सूची

क्र.सं.	सदस्य	पद
1.	उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ए -1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	केंद्रीय गृह सचिव, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली - 110001	उपाध्यक्ष
3.	अपर सचिव एवं प्रभारी, आपदा प्रबंधन, गृह मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
4.	सचिव, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
5.	सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली	सदस्य
6.	सचिव, अंतरिक्ष विभाग, लोक नायक भवन, नई दिल्ली	सदस्य
7.	सचिव, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ए -1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	सदस्य
8.	अपर सचिव तथा वित्तीय सलाहकार, गृह मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
9.	प्रधान सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, असम सरकार, असम सचिवालय, दिसपुर, गुवाहाटी, असम	सदस्य
10.	अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग, 315, सेवा भवन, आर.के. पुरम, नई दिल्ली	सदस्य
11.	निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोलकाता, जोका, डी.एच. रोड, कोलकाता - 700 104	सदस्य
12.	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की-267667, उत्तराखंड	सदस्य
13.	निदेशक, नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीटयूट, उप्पल रोड़, अहमदाबाद - 500007	सदस्य
14.	उप-कुलपति, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, दिल्ली - 110006	सदस्य
15.	कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, भूखण्ड संख्या 15 ब्लॉक बी, पॉकेट 3, सेक्टर 29, रोहिणी, नई दिल्ली - 110042	सदस्य सचिव

8.3 अनुलग्नक-III: एनआईडीएम द्वारा वर्ष 01.04.2020 से 31.03.2021 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
मई, 2020				
1.	आपदा प्रबंधन योजना का ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) के साथ एकीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	20-22 मई, 2020	डॉ० सुषमा गुलेरिया	603
			योग	**603**
जून, 2020				
2.	जल-मौसम विज्ञान और चरम घटनाओं सम्बंधी आपदा जोखिम प्रबंधन पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	1-21 जून, 2020	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	152
3.	हादसा प्रतिक्रिया प्रणाली (आईआरएस) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: आधारभूत और मध्यम (कोट्टायम जिला)	11-13 जून, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	47
4.	तटीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	17-19 जून, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	1062
5.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	22-24 जून, 2020	डॉ० बालू आई	154
6.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	22-24 जून, 2020	श्री रंजन कुमार	83
7.	"पर्यावरण और आपदा: एकीकृत जोखिम, समुत्थानशीलता और सतत विकास" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	22-24 जून, 2020	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	428
8.	बुनियादी आपदा प्रबंधन पर एफडीपी सह प्रशिक्षण कार्यशाला	24-26 जून, 2020	श्री आशीष कुमार पांडा	395
9.	महामारी और उसके मनो-सामाजिक प्रभाव का शमन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	24-26 जून, 2020	डॉ० अजिन्दर वालिया	61

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
10.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	29 जून 1 जुलाई, 2020	डॉ० कुमार राका	116
11.	आपदा जोखिम भेद्यता आकलन और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	29 जून 3 जुलाई, 2020	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	358
			योग	**2856**
जुलाई, 2020				
12.	शहरी जोखिमों की पुनरीक्षा : जटिल आपात स्थितियों के लिए योजना पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम	6-8 जुलाई, 2020	डा० चंद्रानी बंद्योपाध्याय	864
13.	भूकंप जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	8-10 जुलाई, 2020	डॉ० आमिर अली खान	430
14.	संकट और आपदा प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	09-11 जुलाई, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	1341
15.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	13-15 जुलाई, 2020	डॉ० बालू आई	153
16.	आईआरएस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: गैर तटीय जिलों के लिए आधारभूत और मध्यम	13-15 जुलाई, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	190
17.	एफडीपी सह प्रशिक्षण कार्यक्रम पर्यावरण जल और डीआरआर	13-17 जुलाई, 2020	श्री आशीष कुमार पांडा	1365
18.	आपदा प्रबंधन योजना को ग्राम पंचायत विकास योजना के साथ एकीकृत करने पर सहयोगात्मक प्रशिक्षण	14-18 जुलाई, 2020	डॉ० सुषमा गुलेरिया	243
19.	बाल केन्द्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	15-17 जुलाई, 2020	डॉ० कुमार राका	327
20.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	20-22 जुलाई, 2020	श्री रंजन कुमार	303
21.	आईआरएस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: तटीय जिलों के लिए आधारभूत और मध्यम	21-23 जुलाई, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	528

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
22.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	27-29 जुलाई, 2020	डॉ० कुमार राका	93
23.	जलवायु परिवर्तन, तथा चरम मौसम की घटनाएं और शहरी क्षेत्रों में उनका प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	29-31 जुलाई, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	128
			योग	**5965**
अगस्त, 2020				
24.	स्कूल सुरक्षा और आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) पर एफडीपी सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	05-07 अगस्त, 2020	श्री आशीष कुमार पांडा	568
25.	जलवायु परिवर्तन, भूस्खलन और सुरक्षित पहाड़ी क्षेत्र विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	05-07 अगस्त, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	614
26.	"भूकंप जोखिम न्यूनीकरण के लिए सामुदायिक तैयारी" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	05-07 अगस्त, 2020	डॉ० आमिर अली खान	62
27.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	10-12 अगस्त, 2020	डॉ० कुमार राका	147
28.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	10-12 अगस्त, 2020	डॉ० बालू आई	157
29.	शहरी जोखिम प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	12-14 अगस्त, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	178
30.	समुत्थानशीलता बुनियादी ढांचे के लिए डीआरआर को मुख्यधारा में लाना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	17-19 अगस्त, 2020	डॉ० आमिर अली खान	125
31.	उत्कृष्ट श्रेणी औद्योगिक सुरक्षा जोखिम प्रबंधन: कोविड- 19 पर विशेष रूप से केन्द्रित बहु-जोखिम परिदृश्य	17-19 अगस्त, 2020	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	442
32.	जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर 3 दिवसीय एफडीपी सह प्रशिक्षण कार्यशाला	18-20 अगस्त, 2020	श्री आशीष कुमार पांडा	679
33.	मीडिया और आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	19-21 अगस्त, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	1031

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
34.	आईआरएस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: उत्तरी राज्यों के लिए आधारभूत और मध्यम	19-21 अगस्त, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	865
35.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	19-21 अगस्त, 2020	डॉ० कुमार राका	386
36.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	24-26 अगस्त, 2020	डॉ० बालू आई	210
37.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	25-27 अगस्त, 2020	श्री रंजन कुमार	144
38.	संचार और आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (आपदा और स्वास्थ्य संचार)	25-27 अगस्त, 2020	डॉ० अजिन्दर वालिया	61
39.	विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एस एंड टी) अनुसंधान पर सम्मेलन- सीएपी-आरईएस के तहत जलवायु जोखिम प्रबंधन के लिए नीति-प्रैक्टिस इंटरफेस: डीएसटी-जीओआई परियोजना	25-27 अगस्त, 2020	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	435
40.	आपदा प्रबंधन पर कॉनकॉर, आई सी डी दादरी ग्रेटर नोएडा के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	27-29 अगस्त, 2020	प्रो० संतोष कुमार	34
			योग	**6138**
सितंबर, 2020				
41.	समुत्थानशीलता बुनियादी ढांचे के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण को मुख्यधारा में लाना विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	01-03 सितंबर, 2020	डॉ० आमिर अली खान	211
42.	उत्तरी राज्यों के लिए बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (भाग - 2)	02-04 सितंबर, 2020	श्री रंजन कुमार	436
43.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	02-04 सितंबर, 2020	डॉ० बालू आई	310
44.	आपदा मनोसामाजिक देखभाल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	03-05 सितंबर, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	234

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
45.	"समुत्थानशीलता अवस्थापन 2030 (स्थानिक योजना की भूमिका का पता लगाना)" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	08-10 सितंबर, 2020	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	228
46.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण	09-11 सितंबर, 2020	डॉ० कुमार राका	341
47.	आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	10-12 सितंबर, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	877
48.	"औद्योगिक सुरक्षा जोखिम प्रबंधन : कोविड- 19 पर विशेष रुप से केन्द्रित बहु-जोखिम परिदृश्य" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	14-16 सितंबर, 2020	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	354
49.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	14-16 सितंबर, 2020	डॉ० बालू आई	152
50.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	14-16 सितंबर, 2020	श्री रंजन कुमार	3605
51.	"भारतीय डाक सेवा परिवीक्षाधीन अधिकारियों के लिए आपदा प्रबंधन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	14-18 सितंबर, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	30
52.	घटना प्रतिक्रिया प्रणाली पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: उत्तरी राज्य के लिए आधारभूत और मध्यम (भाग II-लद्दाख और पंजाब)	16-18 सितंबर, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	255
53.	बुनियादी आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यशाला सह एफडीपी	21-23 सितंबर, 2020	श्री आशीष कुमार पांडा	413
54.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	21-23 सितंबर, 2020	डॉ० बालू आई	249
55.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	21-23 सितंबर, 2020	डॉ० कुमार राका	252
56.	विकास कार्यक्रम: आपदा प्रबंधन पर शिक्षक प्रशिक्षण	21-25 सितंबर, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	2038
57.	जिला आपदा प्रबंधन योजना पर ई-प्रशिक्षण कार्यक्रम	23-25 सितंबर, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	159

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
58.	आपदा प्रबंधन योजना के निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (भाग II)	28-30 सितंबर, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	681
59.	उत्तरी राज्यों के लिए समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (भाग I)	29 सितंबर 01 अक्टूबर, 2020	डॉ० अजिन्दर वालिया	461
60.	"आपदा प्रबंधन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	30 सितंबर 03 अक्टूबर, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	319
61.	'समुत्थानशीलता बुनियादी ढांचे में आपदा जोखिम न्यूनीकरण' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	30 सितंबर 02 अक्टूबर, 2020	डॉ० आमिर अली खान	324
			योग	**11929**
अक्टूबर, 2020				
63.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	05-09 अक्टूबर, 2020	डॉ० बालू आई	117
64.	जिला आपदा प्रबंधन योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	05-07 अक्टूबर, 2020	श्री विक्रम गुर्जर	85
65.	त्रासदियों के दौरान आपदा प्रबंधन और प्रतिक्रिया तथा वर्तमान महामारी के संदर्भ में आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	06-08 अक्टूबर, 2020	ले० कर्नल दिनेश चंद्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	820
66.	उत्तरी राज्यों के लिए बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (भाग-III)	07-09 अक्टूबर, 2020	डॉ० बालू आई	396
67.	'आपदा प्रबंधन में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	07-09 अक्टूबर, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	1078
68.	ग्रामीण विकास में डीआरआर को मुख्यधारा में लाना विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	07-09 अक्टूबर, 2020	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	112
69.	"उद्योग और विकास में भूकंप समुत्थानशीलता को बढ़ावा देना" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	08-09 अक्टूबर, 2020	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	204

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
70.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	12-14 अक्टूबर, 2020	डॉ० कुमार राका	1008
71.	औद्योगिक-रासायनिक सुरक्षा: कानून, नीति और योजना ढांचे" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	12-14 अक्टूबर, 2020	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	429
72.	प्रधानमंत्री का डीआरआर पर 10 बिन्दु एजेंडा : बिन्दु संख्या 3, 8 और 9 पर ई-संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) सह प्रशिक्षण कार्यशाला	12-14 अक्टूबर, 2020	श्री आशीष कुमार पांडा	553
73.	आईआरएस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: उत्तरी राज्यों के लिए आधारभूत और मध्यम	14-16 अक्टूबर, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	1241
74.	"कोविड - 19 पश्चात् परिदृश्य में शहरी प्रशासन और सेवाओं पर पुनर्विचार" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	14-16 अक्टूबर, 2020	प्रो० संतोष कुमार	101
75.	प्राकृतिक त्रासदियों/आपदा के दौरान कृषि उपज का कटाई के बाद प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	19-21 अक्टूबर, 2020	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	430
76.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (केंद्रीय राज्य, चरण- I)	19-21 अक्टूबर, 2020	श्री रंजन कुमार	103
77.	पहाड़ों में आपदा सुरक्षित निर्मित पर्यावरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	19-21 अक्टूबर, 2020	डॉ० आमिर अली खान	51
78.	स्थानीय क्षमता निर्माण और पहल, सामुदायिक आउटरीच पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	20-22 अक्टूबर, 2020	प्रो० संतोष कुमार	69
79.	ग्राम पंचायत विकास योजना के साथ आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन को मुख्यधारा में लाना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	20-22 अक्टूबर, 2020	डॉ० सुषमा गुलेरिया	435
80.	"भूकंप, भूस्खलन और बाढ़ पर केन्द्रित पहाड़ी क्षेत्र पर्यावरण और विकास" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	21-23 अक्टूबर, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	638
81.	हादसा प्रतिक्रिया प्रणाली (आईआरएस) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: आधारभूत और मध्यम	21-23 अक्टूबर, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	168

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
82.	उत्तरी राज्यों के लिए समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	21-23 अक्टूबर, 2020	डॉ० अजिन्दर वालिया	443
83.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	26-28 अक्टूबर, 2020	डॉ० कुमार राका	278
84.	'आपदा प्रबंधन और समुत्थानशीलता पर ओएनजीसी कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला	27-29 अक्टूबर, 2020	श्री आशीष कुमार पांडा	140
85.	व्यापक आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	27-29 अक्टूबर, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	289
			योग	**9917**
नवंबर, 2020				
86.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	2-4 नवंबर, 2020	श्री रंजन कुमार	289
87.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	2-4 नवंबर, 2020	डॉ० बालू आई	165
88.	आईआरएस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: आधारभूत और मध्यम	3-5 नवंबर, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	113
89.	दक्षिण-पश्चिम राज्यों के लिए बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (भाग-4)	3-5 नवंबर, 2020	डॉ० कुमार राका	533
90.	आपदा प्रबंधन में दूसंचार, रेडियो और सोशल मीडिया पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	4-6 नवंबर, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	899
91.	ग्राम पंचायत विकास योजना को आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन के साथ एकीकृत करना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	4-6 नवंबर, 2020	डॉ० सुषमा गुलेरिया	441
92.	शहरी आपदा प्रबंधन: तनाव और विकृति तथा इसका शमन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	4-6 नवंबर, 2020	श्री आशीष कुमार पांडा	380

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
93.	स्मार्ट सिटी योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम : महामारी के खिलाफ समुत्थानशीलता के लिए आगे का रास्ता	9-11 नवंबर, 2020	प्रो० संतोष कुमार	101
94.	ग्राम आपदा प्रबंधन योजना निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	9-11 नवंबर, 2020	डॉ० सुषमा गुलेरिया	356
95.	हादसा प्रतिक्रिया प्रणाली पर प्रशिक्षण कार्यक्रम -आधारभूत और माध्यमिक	9-11 नवंबर, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	142
96.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	10-12 नवंबर, 2020	डॉ० कुमार राका	273
97.	"कश्मीर, हिमालय के विशेष संदर्भ में पर्वतीय क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	11-13 नवंबर, 2020	डॉ० आमिर अली खान	350
98.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	17-19 नवंबर, 2020	श्री रंजन कुमार	264
99.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	17-19 नवंबर, 2020	डॉ० बालू आई	190
100.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम : "आपदा प्रबंधन पर ऑनलाइन प्रशिक्षण"	18-20 नवंबर, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	1034
101.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर एफडीपी सह-प्रशिक्षण कार्यशाला	23-25 नवंबर, 2020	श्री आशीष कुमार पांडा	333
102.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	23-25 नवंबर, 2020	डॉ० कुमार राका	353
103.	भूकम्प सुरक्षा के लिए संरचनात्मक संपरीक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	24-28 नवंबर, 2020	डॉ० आमिर अली खान	262
104.	"आपदा प्रभावित क्षेत्रों की महिलाओं का कृषि व्यवसाय के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम"	25-27 नवंबर, 2020	डॉ० अजिन्दर वालिया	56
105.	आपदा प्रबंधन पर बुनियादी प्रशिक्षण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	25-27 नवंबर, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	788

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
106.	अभिवृद्धि फाउंडेशन, दिल्ली के साथ स्कूल सुरक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	25-27 नवंबर, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	666
107.	ग्रामीण विकास में डीआरआर को मुख्यधारा में लाना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	25-27 नवंबर, 2020	डॉ० सुषमा गुलेरिया	167
108.	"औद्योगिक-सुरक्षा : योजना और प्रबंधन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	25-27 नवंबर, 2020	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	317
109.	"जलवायु समुत्थानशीलता और डीआरआर के लिए हरित विकास रणनीतियां : नीतियां, रास्ते और उपकरण" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण	26-28 नवंबर, 2020	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	442
110.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	28-30 नवंबर, 2020	श्री रंजन कुमार	544
			योग	**9458**
दिसंबर, 2020				
111.	आईआरएस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: उत्तरी राज्यों के लिए आधारभूत और माध्यमिक (चरण-6)	02-04 दिसंबर, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	1012
112.	अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	02-04 दिसंबर, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	383
113.	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	02-04 दिसंबर, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	43
114.	"भारत में भू-आपदा पश्चात् टोही अभ्यास" पर अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्किंग कार्यशाला	02-05 दिसंबर, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	177
115.	आपदा पश्चात् आवश्यकता आकलन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (पीडीएनए)	08-09 दिसंबर, 2020	प्रो० संतोष कुमार	38
116.	डीआरआर और आर के लिए पूर्व चेतावनी और संचार पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	09-11 दिसंबर, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	1041
117.	भीड़ प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	09-11 दिसंबर, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	255

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
118.	कृषि में जलवायु और आपदा तनाव का समाधान करना: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, नवाचार और विस्तार पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	09-11 दिसंबर, 2020	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	550
119.	एमपीएसटीएमई, शिरपुर महाराष्ट्र के सहयोग से आपदा मनो-सामाजिक देखभाल	14-16 दिसंबर, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	665
120.	"बुनियादी आपदा प्रबंधन और डीआरआर" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	14-16 दिसंबर, 2020	श्री आशीष कुमार पांडा	1529
121.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	15-17 दिसंबर, 2020	डॉ० कुमार राका	186
122.	"औद्योगिक रासायनिक सुरक्षा और आपदा जोखिम प्रबंधन" पर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	16-18 दिसंबर, 2020	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	24
123.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	16-18 दिसंबर, 2020	डॉ० बालू आई	1426
124.	भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण और समुत्थानशीलता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	16-18 दिसंबर, 2020	प्रो० सूर्य प्रकाश	128
125.	ग्राम आपदा प्रबंधन योजना का ग्राम पंचायत विकास योजना के साथ एकीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	16-18 दिसंबर, 2020	डॉ० सुषमा गुलेरिया	137
126.	हादसा प्रतिक्रिया प्रणाली पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: आधारभूत और माध्यमिक	16-18 दिसंबर, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	263
127.	केन्द्र शासित प्रदेश दादरा तथा नगर हवेली और दमन द्वीप प्रशासन के सहयोग से 'स्कूल सुरक्षा और आपदा प्रबंधन' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	21-23 दिसंबर, 2020	श्री शेखर चतुर्वेदी	1858
128.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	22-24 दिसंबर, 2020	श्री रंजन कुमार	259
129.	"आपदा प्रभावित क्षेत्रों की महिलाओं के लिए व्यवसाय कैसे शुरू करें", पर (उद्यमिता विकास कार्यक्रम ईडीपी)	22-24 दिसंबर, 2020	डॉ० अजिन्दर वालिया	102

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
130.	इम्पार्ड, श्रीनगर के सहयोग से भूकंप जोखिम शमन और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	28-29 दिसंबर, 2020	डॉ० आमिर अली खान	57
			योग	**10133**
जनवरी, 2021				
131.	"आपदा प्रबंधन के बुनियाद पहलू" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	04-06 जनवरी, 2021	श्री आशीष कुमार पांडा	265
132.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	05-07 जनवरी, 2021	डॉ० कुमार राका	208
133.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	05-07 जनवरी, 2021	डॉ० बालू आई	354
134.	आईआरएस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: उत्तरी राज्यों के लिए आधारभूत और माध्यमिक (भाग 7- उत्तराखंड और पंजाब)	06-08 जनवरी, 2021	श्री शेखर चतुर्वेदी	1264
135.	बाल केन्द्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) उन्मुखीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	11-13 जनवरी, 2021	श्री रंजन कुमार	170
136.	आईसीडीएम, पुदुचेरी के सहयोग से समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	19-21 जनवरी, 2021	श्री शेखर चतुर्वेदी	577
137.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	19-21 जनवरी, 2021	डॉ० बालू आई	456
138.	आपदा प्रभावित क्षेत्रों की महिलाओं के लिए जैविक खेती पर ईडीपी	19-21 जनवरी, 2021	डॉ० अजिन्दर वालिया	65
139.	"नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग के लिए आपदा प्रबंधन" पर प्रशिक्षण	20-22 जनवरी, 2021	प्रो० सूर्य प्रकाश	606
140.	"मनोसामाजिक देखभाल के लिए आपदा पश्चात् आवश्यकता" पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) सह प्रशिक्षण कार्यशाला	27-29 जनवरी, 2021	श्री आशीष कुमार पांडा	510

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
141.	"आपदा प्रबंधन के बुनियादी पहलू" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, सीयूएसबी, गया, बिहार के सहयोग से	27-29 जनवरी, 2021	डॉ० सुषमा गुलेरिया	266
142.	"हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में आपदा जोखिम न्यूनीकरण" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	27-29 जनवरी, 2021	प्रो० सूर्य प्रकाश	168
143.	"स्कूल सुरक्षा, डीएमपी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	27-29 जनवरी, 2021	डॉ० सुषमा गुलेरिया	303
144.	'आपदा प्रबंधन में जलवायु परिवर्तन और भविष्य के रुझान' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	27-29 जनवरी, 2021	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	386
145.	सीसीडीआरआर उन्मुखीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	27-29 जनवरी, 2021	डॉ० कुमार राका	271
146.	कोविड 19 - काल में स्कूली सुरक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	28-30 जनवरी, 2021	डॉ० आमिर अली खान	85
147.	उद्योगों, अवसंरचनाओं और समुदायों में चक्रवात समुत्थानशीलता को बढ़ावा देने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	28-30 जनवरी, 2021	प्रो० चन्दन घोष	451
			योग	**6405**
फरवरी, 2021				
148.	सीसीडीआरआर उन्मुखीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	01-03 फरवरी, 2021	डॉ० कुमार राका	413
149.	"औद्योगिक सुरक्षा, योजना और आपदा समुत्थानशीलता" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	03-05 फरवरी-2021	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	380
150.	स्कूली सुरक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	04-06 फरवरी, 2021	श्री शेखर चतुर्वेदी	666
151.	भीड़ प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	10-12 फरवरी, 2021	श्री शेखर चतुर्वेदी	810
152.	सीसीडीआरआर उन्मुखीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	15-17 फरवरी, 2021	श्री रंजन कुमार	438

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
153.	"आपदा जोखिम न्यूनीकरण में खाद्य, आजीविका और मानव सुरक्षा" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	17-19 फरवरी, 2021	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	299
154.	रासायनिक, जैविक, विकरणीय और परमाणु आपात स्थितियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	17-19 फरवरी, 2021	श्री शेखर चतुर्वेदी	85
155.	जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और डीआरआर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	17-19 फरवरी, 2021	डॉ० सुषमा गुलेरिया	251
156.	भारतीय डाक सेवा के लिए आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	17-19 फरवरी, 2021	प्रो० सूर्य प्रकाश	18
157.	"हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित निर्माण प्रथाओं" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	17-19 फरवरी, 2021	डॉ० आमिर अली खान	239
158.	"पहाड़ी क्षेत्रों में समुत्थानशीलता बुनियादी ढांचा : हिमस्खलन, हिमखण्ड उत्प्रेरित बाढ़ (जीएलओएफ) और मलबे का प्रवाह" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	18-20 फरवरी, 2021	प्रो० चन्दन घोष	403
159.	सीसीडीआरआर पर आनलाईन प्रबोधन प्रशिक्षण कार्यक्रम	22-24 फरवरी, 2021	डॉ० बालू आई	205
160.	"प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के लिए समुत्थानशीलता वैकल्पिक मार्ग" पर ई-संगोष्ठी	22-24 फरवरी, 2021	श्री आशीष कुमार पांडा	622
161.	भूकंप जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	23-25 फरवरी, 2021	डॉ० आमिर अली खान	59
162.	मीडिया और आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	24-26 फरवरी, 2021	प्रो० सूर्य प्रकाश	864
163.	"हरियाणा के आपदा प्रभावित क्षेत्रों की महिलाओं के लिए कृषि व्यवसाय प्रशिक्षण" पर ईडीपी	24-26 फरवरी, 2021	डॉ० अजिन्दर वालिया	211
164.	"पर्यावरण, जैव विविधता और आपदा जोखिम न्यूनीकरण" पर प्रशिक्षण कार्यशाला	24-26 फरवरी, 2021	श्री आशीष कुमार पांडा	341
165.	"औद्योगिक सुरक्षा: तेल/गैस/पेट्रोलियम उद्योग में बहु जोखिम परिदृश्य" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	24-26 फरवरी, 2021	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	834

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
166.	स्कूल सुरक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	25-27 फरवरी, 2021	डॉ० सुषमा गुलेरिया	369
			योग	**7507**
मार्च, 2021				
167.	जलवायु परिवर्तन कार्रवाई और आपदा जोखिम न्यूनीकरण : शहरी समुदायों पर ध्यान केन्द्रित करना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	02-04 मार्च, 2021	डॉ० आमिर अली खान	182
168.	बड़ी सभाओं में भीड़ प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	03-05 मार्च, 2021	श्री शेखर चतुर्वेदी	318
169.	पूर्वी राज्यों के लिए बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) (भाग- 1) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	03-05 मार्च, 2021	डॉ० बालू आई	171
170.	भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी, समावेशी और सुलभ आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) पर एफडीपी सह प्रशिक्षण कार्यशाला	04-06 मार्च, 2021	श्री आशीष कुमार पांडा	510
171.	'आपदाओं और आपात स्थितियों में बच्चे : उनकी कमजोरियों को समझना, क्षमताओं का विकास करना और समुत्थानशीलता को बढ़ावा देना' पर राष्ट्रीय सम्मेलन	08-10 मार्च, 2021	डॉ० कुमार राका	4328
172.	"तेल और गैस क्षेत्र में आपदा जोखिम न्यूनीकरण" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	08-10 मार्च, 2021	प्रो० सूर्य प्रकाश	274
173.	ओपी जिंदल विश्वविद्यालय, रायगढ़, छत्तीसगढ़ के सहयोग से "व्यापक आपदा प्रबंधन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	10-12 मार्च, 2021	श्री शेखर चतुर्वेदी	488
174.	बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	17-19 मार्च, 2021	डॉ० कुमार राका	216
175.	डीआरआर में भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी और डेटा प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	15-17 मार्च, 2021	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	316

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिनांक	समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
176.	अपना व्यवसाय कैसे शुरू/उन्नत करें, पर ईडीपी	16-18 मार्च, 2021	डॉ० अजिन्दर वालिया	96
177.	स्थानांतरी भूमि, बहता जल : दक्षिण एशिया में जल और संबंधित मुद्दों के लिए सीमापार सहयोग पर अंतर्राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन	16-19 मार्च, 2021	प्रो० सूर्य प्रकाश	154
178.	भूकंप सुरक्षा के लिए इमारतों की त्वरित दृष्टिगत प्रत्यक्ष जांच पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	17-18 मार्च, 2021	डॉ० आमिर अली खान	181
179.	"जलवायु समुत्थानशीलता और आपदा प्रबंधन में स्थिरता" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	17-19 मार्च, 2021	प्रो० अनिल कुमार गुप्त	679
180.	"बाल केंद्रित डीआरआर" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	17-19 मार्च, 2021	डॉ० सुषमा गुलेरिया	413
181.	सीसीडीआरआर उन्मुखीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	18-20 मार्च, 2021	श्री रंजन कुमार	252
182.	पंजाब नेशनल बैंक के सुरक्षा अधिकारियों के लिए आपदा प्रबंधन पर आमने-सामने का प्रशिक्षण कार्यक्रम	22-26 मार्च, 2021	श्री शेखर चतुर्वेदी	33
183.	"आपदा प्रबंधन के मूल सिद्धांत" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	23-25 मार्च, 2021	लै० कर्नल दिनेश चन्द्र वशिष्ट (संयुक्त निदेशक)	251
184.	आपदा प्रबंधन के मूल सिद्धांतों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	24-26 मार्च, 2021	डॉ० सुषमा गुलेरिया	316
185.	पर्यावरण, जैव विविधता और डीआरआर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	24-26 मार्च, 2021	श्री आशीष कुमार पांडा	103
186.	आईआरसी पुडुचेरी के सहयोग से समवर्ती आपदा और तटीय सामुदायिक समुत्थानशीलता सृजन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	24-2 मार्च, 2021	डॉ० अजिन्दर वालिया	262
			योग	**9543**
			महायोग	**80454**



Resilient India - Disaster free India

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

(गृह मंत्रालय, भारत सरकार)

प्लॉट नं. 15, पॉकेट 3, ब्लाक बी, सेक्टर–29, रोहिणी, नई दिल्ली-110042

वेबसाइट : www.nidm.gov.in

Design & Print : kam@kamstudio.net